राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

गौरवशाली भारत

दिल्ली से प्रकाशित

R.N.I. NO. DELHIN/2011/38334 वर्ष- 10, अंक- 346 , पृष्ठ - 08, नई दिल्ली, शनिवार , 26 जून 2021 मूल्य रु. 1.50

एक नज़र...

पैन से आधार लिंक 30 सितंबर तक हो सकेगा

नई दिल्ली, (एजेंसी)। सरकार ने पैन और आधार को लिंक करने की आखिरी तारीख को तीन माह के लिए आगे बढ़ा दिया है। यानी अब नागरिकों के पास पैन और आधार कार्ड को लिंक करने के लिए 30 सितंबर 2021 तक का वक्त रहेगा। यह ऐलान वित्त राज्य मंत्री अनुराग ठाकुर ने शुक्रवार शाम को किया। अभी यह डेडलाइन 30 जून 2021 थी। पैन और आधार लिंक न होने पर 1000 रुपए तक का जुर्माने का प्रावधान आयकर कानून में कया गया है। इसके साथ ही कोरोना उपचार पर हुए खर्च और कोविड के चलते हुई मौत पर मिली अनुग्रह राशि पर कर छूट का भी ऐलान किया गया है।

केरल महिला आयोग अध्यक्ष ने दिया इस्तीफा

तिरुवनंतपुरम, (एजेंसी)। टेलीविजन चैनल पर लाइव फोन इन शो के दौरान एक घरेलू हिंसा पीड़िता पर असंवेदनशील टिप्पणी किए जाने के परिप्रेक्ष्य में केरल महिला आयोग की अध्यक्ष एमसी जोसेफिन ने शुक्रवार को अपने पद से इस्तीफा दे दिया। माकपा प्रदेश सचिवालय के निर्देश पर सुश्री जोसेफिन ने अपना इस्तीफा दे दिया। वह पार्टी की केंद्रीय समिति की सदस्य भी हैं। टीवी शो के दौरान घरेलू हिंसा से पीड़ित लेबिना (24) ने अपनी ससुराल में अपनी दिक्कतों से महिला आयोग को बताया। इसी दौरान पुलिस में शिकायत दर्ज कराने की सलाह को मानने से उन्होंने इंकार किया।

रेलवे सुरक्षा एप में चलती गाड़ी में दर्ज होगी रिपोर्ट

नई दिल्ली, (एजेंसी)। भारतीय रेलवे का एक संयुक्त रेल सुरक्षा मोबाइल एप तैयार हो चुका है जिससे गाड़ियों में होने वाले अपराधों की चलती गाड़ी में रिपोर्ट दर्ज कराना और उस पर शीघ्रता से नियंत्रण पाना संभव हो पायेगा। आरपीएफ के महानिदेशक अरुण कुमार ने यहां एक वर्चुअल संवाददाता सम्मेलन में बताया कि राजकीय रेलवे पुलिस (जीआरपी) और रेल सुरक्षा बल का यह संयुक्त एप बन कर तैयार हो गया है। कोविड महामारी के कारण उसे लॉन्च नहीं किया जा सका था। जल्द ही उसे लोकार्पित किया जाएगा। यात्री भी रिपोर्ट दर्ज होने के बाद आराम से घर जा सकेगा।

ऑक्सीजन के भंडार की जरूरत: एनटीएफ

नई दिल्ली, (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट की ओर से गठित शीर्ष चिकित्सा विशेषज्ञों के राष्ट्रीय कार्य बल (एनटीएफ) ने सुझाव दिया है कि देश में चल रही कोरोना के बीच केंद्र को दो से तीन सप्ताह की खपत के लिए ऑक्सीजन गैस का अतिरिक्त भंडार रखना चाहिए। सुप्रीम कोर्ट द्वारा गठित 12 सदस्यीय एनटीएफ ने कहा, हमारे पास पेट्रोलियम उत्पादों के लिए की गई व्यवस्था के समान दो से तीन सप्ताह की खपत को कवर करने के लिए देश के लिए ऑक्सीजन का रणनीतिक भंडार होना चाहिए। इसी तरह, सभी अस्पतालों में आपात स्थितियों से निपटने के लिए अतिरिक्त भंडार होना चाहिए।

जान से मारने की धमकी देने पर पायल गिरफ्तार

अहमदाबाद, (एजेंसी)। अक्सर अपने बयानों के चलते सुर्खियों में रहने वालीं एक्ट्रेस पायल रोहतगी को अहमदाबाद पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। एक्ट्रेस पर सोसायटी के चेयरमैन को गाली देने और उन्हें जान से मारने की धमकी देने का आरोप है। चेयरमैन ने पायल रोहतगी के खिलाफ शिकायत दर्ज करवाई। पायल पर आरोप है कि वो सोसायटी की सदस्य न होने के बाद भी उसकी 20 जून को चल रही मीटिंग में चली आईं और उन्होंने चेयरमैन समेत कई लोगों से जमकर झगड़ा और गाली गलौच की। बच्चों के सोसायटी में खेलने को लेकर भी उन्होंने लोगों से जमकर झगड़ा किया।

ऑक्सीजन ऑडिट कमेटी की रिपोर्ट: कोरोना की दूसरी लहर में दिल्ली सरकार ने बढ़ा-चढ़ाकर की थी ऑक्सीजन की मांग

नई दिल्ली । कोरोना की दूसरी लहर के दौरान दिल्ली सरकार ने राजधानी के लिए जितनी ऑक्सीजन की मांग की थी उतने की जरूरत नहीं थी। दिल्ली सरकार ने ऑक्सीजन की मांग बढ़ा-चढ़ाकर की थी। ये कहना है सुप्रीम कोर्ट द्वारा बनाई ऑक्सीजन ऑडिट कमेटी की रिपोर्ट का। सुप्रीम कोर्ट ने यह ऑडिट कमेटी पिछले महीने गठित की थी। इस कमेटी ने अपनी रिपोर्ट में पाया है कि दिल्ली सरकार ने कोरोना की दूसरी लहर के दौरान चार गुना ज्यादा ऑक्सीजन की मांग की।

अप्रैल मई में हुई थी ऑक्सीजन की किल्लत- अप्रैल और मई माह में दिल्ली के कई अस्पतालों में ऑक्सीजन की कमी हो गई थी और कई अस्पतालों में तो गंभीर कोरोना मरीजों की ऑक्सीजन की कमी के चलते मौत तक हो गई थी। इसके चलते केजरीवाल सरकार और केंद्र के बीच वाक युद्ध छिड़ गया था।

उस वक्त दिल्ली हाईकोर्ट के दखल पर केंद्र सरकार ने दिल्ली के ऑक्सीजन आवंटन की मात्रा बढ़ाई थी जिसके लिए उसके दूसरे राज्यों के कोटे में कटौती करनी पड़ी थी। ऑडिट रिपोर्ट के अनुसार दिल्ली को लगभग 300 मीट्रिक टन ऑक्सीजन की जरूरत उस वक्त थी लेकिन दिल्ली सरकार ने अपनी मांग को 1200 मीट्रिक टन तक बढ़ा दिया था।

ऑक्सीजन ऑडिट कमेटी ने आगे कहा है कि दिल्ली की अधिक मांग की वजह से 12 अन्य राज्यों को ऑक्सीजन की भारी कमी झेलनी पड़ी क्योंकि उनकी जरूरत का ऑक्सीजन दिल्ली को दिया जा रहा था। दिल्लीभर में अस्पतालों द्वारा ऑक्सीजन की भारी मांग के चलते सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस डीवाई चंद्रचूण और एमआर शाह ने एक 12 सदस्यीय टास्क फोर्स का गठन किया और ऑक्सीजन वितरण को लेकर ऑडिट रिपोर्ट पेश करने को कहा। ऑडिट कमेटी ने अपनी जांच में पाया कि 13 मई को ऑक्सीजन टैंकर अधिकतर अस्पतालों में खाली ही नहीं हो सके क्योंकि वहां पहले ही ऑक्सीजन टैंक 75 प्रतिशत से ज्यादा क्षमता के साथ भरे हुए थे। यहां तक कि सरकारी अस्पताल जैसे एलएनजेपी और एम्स ने भी फुल टैंक होने की बात कही थी। टास्क फोर्स ने कहा है कि 29 अप्रैल से 10 मई के बीच दिल्ली में ऑक्सीजन की खपत को लेकर कुछ अस्पतालों द्वारा रिपोर्टिंग में बड़ी गलतियां की गई थीं जिसे सही करना पड़ा। दिल्ली सरकार ने दिखाया कि अस्पतालों द्वारा वास्तविक मांग 1140 मीट्रिक टन की थी। जब इस रिपोर्ट में सुधार किया गया तो यह जरूरत घटकर 209 मीट्रिक टन पर आ पहुंची।

दिल्ली को लेकर पेश अपनी अंतरिम रिपोर्ट में टास्क फोर्स ने ये भी कहा है कि दिल्ली की वास्तविक ऑक्सीजन मांग और बेड की संख्या की गणना में विसंगति पाई गई है। इस डाटा में विसंगति इसलिए पाई गई क्योंकि मांग की न सही से समझ थी और न ही सही गणना की गई। इस बीच दिल्ली सरकार ने टास्क फोर्स को जानकारी दी है कि ऑक्सीजन की मांग अस्पतालों द्वारा हस्ताक्षरित फॉर्म के आधार पर की गई थी और इस विषय में देखा जाएगा।

भाजपा साध रही केजरीवाल पर निशाना -दिल्ली सरकार पर आरोप लगाते हुए भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता संबित पात्रा ने कहा है कि दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल के झूठ की वजह से 12 राज्यों में ऑक्सीजन किल्ले लत हुई, के योंकि ऑक्सीजन की अधिक सप्लाई अन्य राज्यों से काटकर दिल्ले ली को करनी पड़ी थी। उन्होंने कहा कि केजरीवाल ने जघन्य अपराध किया है, जिसके लिए उन्हें दोषी ठहराया जाना चाहिए। उन्होंने केजरीवाल के पूर्व के बयान का भी जिक्र किया है जिसमें उन्होंने कहा था कि आईसीएमआर की गाइडलाइंस के तहत की दिल्ली में ऑक्सीजन का कैलकुलेशन किया था, लेकिन जब कमेटी ने केजरीवाल से गाइडलाइंस मांगी तो उन्होंने इस पर अपने हाथ खड़े कर दिए थे। इसका अर्थ है कि उन्होंने इस बारे में झूठ बोला था।

ऑडिट कमेटी की रिपोर्ट सामने आने के बाद भाजपा लगातार मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल पर निशाना साध रही है। पूर्व क्रिकेटर और गौतम गंभीर ने भी ट्वीट कर कहा कि, अगर अरविंद केजरीवाल में शर्म बची है तो अभी एक प्रेस कॉन्फ्रेंस करिए और देश से कोरोना की दूसरी लहर के दौरान चार गुना ऑक्सीजन की मांग करने के लिए माफी मांगिए।

ट्विटर ने रविशंकर प्रसाद का अकाउंट एक घंटे बंद रखा

ट्विटर की सफाई कॉपीराइट एक्ट का उल्लंघन से अकाउंट ब्लॉक

नई दिल्ली ■ एजेंसी

केंद्रीय मंत्री रविशंकर प्रसाद ने दावा किया ट्विटर ने करीब एक घंटे तक उनका अकाउंट ब्लॉक रखा। ट्विटर ने इसके पीछे की वजह बताते हुए कहा कि रविशंकर प्रसाद ने अमेरिका के डिजिटल मिलेनियम कॉपीराइट एक्ट का उल्लंघन किया है। इसके पीछे की वजह 2017 का एक ट्वीट है।

ट्विटर का स्क्रीनशॉट कू एप पर किया शेयर

इस ट्वीट में उन्होंने शायद एक वीडियो या फोटो लगाई थी जो अभी आर्काइव से रिकवर नहीं हो सकी है। इस तस्वीर या वीडियो को लेकर किसी ने ट्विटर से कॉपीराइट की शिकायत की है और ट्विटर ने ऐक्शन लेते हुए इस ट्वीट को हटा लिया और मंत्री का अकाउंट एक घंटे के लिए लॉक कर दिया। हालांकि बाद में ट्विटर ने चेतावनी देते हुए रविशंकर प्रसाद के अकाउंट को फिर से खोल दिया।

इस मामले पर रविशंकर प्रसाद ने कहा कि ट्विटर की कार्रवाई सूचना प्रौद्योगिकी (मध्यस्थ दिशानिर्देश और डिजिटल मीडिया आचार संहिता) नियम, 2021 के नियम 4 (8) के घोर उल्लंघन में से एक थी।

उन्होंने कहा कि अकाउंट ब्लॉक करने से पहले ट्विटर ने मुझे कोई नोटिस नहीं दिया। ट्विटर के मुताबिक कंपनी वैलिड कॉपीराइट की शिकायत पर एक्शन लेता है। इस ट्वीट को लेकर भी किसी ने कॉपीराइट उल्लंघन की शिकायत ट्विटर से की और कंपनी ने डीएमसीए के तहत इसे हटा लिया।

अगले साल नौसेना में शामिल हो जाएगा पहला स्वदेशी विमान वाहक पोत :राजनाथ सिंह

कोच्चि । रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने शुक्रवार को कहा कि पहला स्वदेशी विमान वाहक पोत अगले साल नौसेना में शामिल हो जाएगा। इसके शामिल होने से देश की रक्षा क्षमताओं में जबर्दस्त बढ़ोतरी होगी। उन्होंने दोहराया कि वह दिन दूर नहीं जब भारतीय नौसेना दुनिया की शीर्ष तीन शक्तिशाली नौसेनाओं में शुमार होगी।कोचीन बंदरगाह के एर्नाकुलम जेटी पर विमान वाहक पोत के निर्माण की प्रगति की समीक्षा करने के बाद मीडिया को जारी बयान में राजनाथ ने इसे देश का गौरव और आत्मनिर्भर भारत का बेहतरीन उदाहरण करार दिया।

उन्होंने कहा कि इस परियोजना को राजग सरकार ने मंजूरी प्रदान की थी और कोरोना महामारी के बावजूद इसने अच्छी प्रगति की है। अगले साल इसका नौसेना में शामिल होना देश की आजादी के 75वें साल पर उचित श्रद्धांजलि होगी।रक्षा मंत्री ने इससे पहले गुरुवार को कारवार में सीबर्ड प्रोजेक्ट की समीक्षा की थी।

रक्षा मंत्री ने इससे पहले गुरुवार को कारवार में सीबर्ड प्रोजेक्ट की समीक्षा की थी। उन्होंने कहा कि भविष्य में यह भारतीय नौसेना का सबसे बड़ा नौसैनिक अड्डा होगा और हिंद महासागर व अन्य क्षेत्रों में नौसेना के अभियानों में सहायता के लिए सुविधाएं और बुनियादी ढांचा उपलब्ध कराएगा। राजनाथ ने कहा कि सरकार नौसेना को सशक्त बनाने के लिए प्रतिबद्ध है और ये दोनों परियोजनाएं सरकार की दृढ़ता का उदाहरण हैं। उन्होंने कहा, %आधुनिकीकरण की गति और देश के उद्योगों की क्षमता व तकनीक का इस्तेमाल हमारी प्राथमिकता है। 44 युद्धपोतों के आर्डर में से भारतीय शिपयो र्ड्स में बन रहे 42 युद्धपोत इसको प्रमाणित करते हैं।% रक्षा मंत्री ने कहा कि स्वदेशी विमान वाहक पोत के निर्माण में इस्तेमाल डिजायन से लेकर स्टील तक और हथियारों से लेकर सेंसरों तक करीब 75 फीसद सामग्री स्वदेशी है।

11 साल से हो रहा निर्माण, चीन ने तीन साल में बनाया- इस पोत को आइएनएस विक्रांत नाम दिया गया है। इसका निर्माण 2009 में शुरू हुआ था और 11 साल बाद भी यह पूरा नहीं हुआ है। जबकि चीन ने अपने पहले स्वदेशी विमान वाहक पोत का निर्माण तीन साल में पूरा कर लिया था और 2018 में उसे अपनी नौसेना में शामिल कर लिया।

नौसेना की तीसरे पोत की मांग का हो रहा विरोध- आइएएनएस के मुताबिक, भारत के पास वर्तमान में सिर्फ एक विमान वाहक पोत आइएनएस विक्रमादित्य है और आइएनएस विक्रांत का निर्माण जारी है। बताते हैं कि नौसेना तीसरे पोत की मांग भी कर रही है, लेकिन सरकार और सैन्य योजनाकारों की ओर से उसे विरोध का सामना करना पड़ रहा है।

करीब चार मिनट ही बोले डॉ. निशंक किसी भी सवाल का नहीं दिया जवाब

नई दिल्ली, (एजेंसी)। केंद्रीय शिक्षा मंत्री डॉ. रमेश पोखरियाल निशंक ने अपने लाइव संबोधन के दौरान महज तीन मिनट 42 सेकंड बोले हैं। इस दौरान उन्होंने सिर्फ बोर्ड परीक्षाओं को रद्द करने के लिए प्रधानमंत्री को धन्यवाद दिया। वहीं, मूल्यांकन प्रणाली को स्वीकृति देने पर सुप्रीम कोर्ट का आभार जताया।

शिक्षा मंत्री का संवाद

निशंक ने कहा, मैं सीबीएसई के मूल्यांकन मानदंडों को स्वीकार्यता प्रदान करने सुप्रीम कोर्ट का आभारी हूं। शिक्षा मंत्री ने कहा, कक्षा 10वीं और 12वीं के छात्रों का मूल्यांकन एक वस्तुनिष्ठ योजना के आधार पर किया जाएगा और इससे छात्रों को लाभ होगा। कई छात्रों ने सवाल भी भेजे, लेकिन उन्हें जवाब नहीं मिला।

छात्रों की मांग-विवि की सभी परीक्षाएं भी रद्द की जाएं

केंद्रीय शिक्षा मंत्री डॉ रमेश पोखरियाल के संबोधन के दौरान कई छात्र उनके ट्विटर पर प्रतिक्रियाओं में विवि की सभी परीक्षाएं भी रद्द करने की मांग की। छात्रों ने कहा, महोदय, कोविड-19 के डेल्टा वैरियंट के खतरे के मद्देनजर सभी विश्वविद्यालयों की सभी परीक्षाएं भी रद्द की जानी चाहिए। अंक अपलोड करने के लिए एक पोर्टल आज सक्रिय हो जाएगा। परिणाम 31 जुलाई तक जारी होंगे।

अयोध्या पर प्रधानमंत्री आज लेंगे बैठक

लखनऊ, (एजेंसी)। अयोध्या के विकास कार्यों की समीक्षा बैठक प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शनिवार को सुबह 11 बजे करेंगे। कोरोना काल की वजह से इस बैठक को वर्चुअल अंदाज में किया जाएगा। बैठक में यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, उप मुख्यमंत्री केशव मौर्य और दिनेश शर्मा भी मौजूद रहने वाले हैं। उस बैठक में प्रधानमंत्री के सामने अयोध्या का विजन डॉक्यूमेंट पेश किया जाएगा।

प्रधानमंत्री के सामने पेश होगा अयोध्या का विजन डॉक्यूमेंट

मीटिंग की अहमियत को इसी बात से समझा जा सकता है कि इसमें कई बड़े अधिकारी और नेता मौजूद रहने वाले हैं। मुख्यमंत्री के अलावा वित्त मंत्री सुरेश खन्ना, नगर विकास मंत्री आशुतोष टंडन, पर्यटन मंत्री नील कंठ तिवारी, सिंचाई मंत्री महेंद्र सिंह भी होंगे बैठक में शामिल होने जा रहे हैं। वहीं अयोध्या विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष विशाल सिंह भी शामिल होंगे। बैठक में अयोध्या को लेकर विजन डॉक्यूमेंट पेश किया जाएगा। इसमें बताया जाएगा कि अब तक कितने विकास कार्य पूरे हो चुके हैं और किन कार्यों पर भविष्य में काम होने जा रहा है। अयोध्या को लेकर हमेशा से भारत सरकार की अलग विचारधारा रही है।

विकास के मुद्दों पर चर्चा संभव

सूत्रों के अनुसार बैठक में अयोध्या के सौंदर्यीकरण पर विस्तार से बात होगी। वहीं अयोध्या में बनने जा रही भगवान राम की प्रतिमा को लेकर भी चर्चा होगी। कई ऐसी परियोजनाएं हैं जिनके जरिए अयोध्या को हेरिटेज सिटी बनाने पर जोर रहा है। ऐसे में विजन प्रेजेंटेशन के दौरान उस पहलू पर बातचीत होते हुए भी दिख सकती है। चुनाव के लिहाज से भी अयोध्या काफी अहम है, यहां का मतदाता चुनावी परिणाम बदलने का दम रखता है, ऐसे में उनके विकास को केंद्र में रखने की पूरी कोशिश जारी है। बता दें कि इस बैठक में प्रमुख सचिव आवास विकास द्वारा ही विस्तार से प्रेजेंटेशन पेश की जाएगी। वहीं प्रधानमंत्री को पूरी रिपोर्ट समझाने वाले हैं। ऐसे में पूरी मीटिंग के दौरान उनकी एक सक्रिय भूमिका रहने वाली है।

कोलकाता हाई कोर्ट के आदेश सुप्रीम कोर्ट में रद, ममता को 28 जून तक आवेदन दाखिल करने का निर्देश

कोलकाता । उच्चतम न्यायालय ने नारद स्टिंग मामले को स्थानांतरित करने की सीबीआइ की अर्जी पर दाखिल किए गए बंगाल सरकार, मुख्यमंत्री ममता बनर्जी और कानून मंत्री मलय घटक के जवाबी हलफनामे स्वीकार नहीं करने का कलकत्ता हाई कोर्ट का आदेश शुक्रवार को रद कर दिया।

न्यायमूर्ति विनीत शरण और न्यायमूर्ति दिनेश माहेश्वरी की आवकाशकालीन पीठ ने हाई कोर्ट के कार्यकारी मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति राजेश बिंदल की अध्यक्षता वाली पांच सदस्यीय पीठ से आग्रह किया कि सीबीआइ की

याचिका पर फैसला करने से पहले राज्य सरकार, मुख्यमंत्री ममता बनर्जी और कानून मंत्री मलय घटक के आवेदनों पर नए सिरे से विचार करे। शीर्ष अदालत तीन अपीलों पर सुनवाई कर रही थी जिसमें नारद स्टिंग से जुड़े मामले में सीबीआइ द्वारा 17 मई को तृणमूल कांग्रेस के चार नेताओं की गिरफ्तारी के दिन मुख्यमंत्री और कानून मंत्री की भूमिका पर उन्हें हलफनामे दाखिल करने की अनुमति देने से हाई कोर्ट के इन्कार के खिलाफ राज्य सरकार की अपील भी शामिल है। इसमें आरोप लगाया गया है कि राज्य के सत्तारूढ़ दल के नेताओं ने मामले में चारों नेताओं की गिरफ्तारी के बाद सीबीआइ को अपना वैधानिक कर्तव्य निभाने में अड़चन डालने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी।हाई कोर्ट के आदेश पर सीबीआइ ने नारद स्टिंग मामले में मंत्री सुब्रत मुखर्जी और फिरहाद हकीम, तृणमूल कांग्रेस के विधायक मदन मित्रा और कोलकाता के पूर्व मेयर शोभन चटर्जी को पिछले महीने गिरफ्तार किया था। बता दें कि सुप्रीम कोर्ट में कलकत्ता हाई कोर्ट के गत नौ जून के आदेश के खिलाफ तीन अपीलें लंबित हैं। दो अपीलें बंगाल सरकार और कानून मंत्री मलय घटक की ओर से दाखिल की गई हैं, जिनमें सीबीआइ की स्थानांतरण याचिका में ममता बनर्जी और घटक की ओर से दाखिल हलफनामा रिकार्ड पर लेने से हाई कोर्ट ने इन्कार कर दिया था। तीसरी याचिका ममता बनर्जी ने स्वयं सुप्रीम कोर्ट में दाखिल की है और हाई कोर्ट के आदेश को चुनौती दी है। यह मामला गत 17 मई को सीबीआइ द्वारा नारद घोटाले में तृणमूल नेताओं की गिरफ्तारी के समय ममता बनर्जी और घटक की भूमिका से जुड़ा है। सीबीआइ ने हाई कोर्ट में याचिका दाखिल कर आरोप लगाया है कि राज्य के सत्ताधारी दल के नेताओं ने सीबीआइ को कानूनी कर्तव्य निर्वहन से रोका था। मालूम हो कि 17 मई को सीबीआइ ने नारद घोटाले में तृणमूल के चार नेताओं को गिरफ्तार किया था। सीबीआइ का आरोप है कि गिरफ्तारी के तुरंत बाद राज्य की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी सीबीआइ दफ्तर के बाहर धरने पर बैठ गई थीं और कानून मंत्री वर्चुअल सुनवाई के दौरान अदालत परिसर में मौजूद थे।

लश्कर आतंकी ढेर, एक ने किया आत्मसमर्पण

श्रीनगर, (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर के शोपियां जिले में शुक्रवार को सुरक्षा बलों के साथ मुठभेड़ में लश्कर ए-तैयबा का एक आतंकी मारा गया और एक अन्य ने आत्मसमर्पण किया। जिससे एक एके-56 राइफल बरामद हुई है।

पुलिस प्रवक्ता ने शुक्रवार शाम यह जानकारी दी। इस बीच, कश्मीर रेंज के पुलिस महानिरीक्षक (आईजीपी) विजय कुमार ने मुठभेड़ के दौरान आतंकवादी को आत्मसमर्पण करने के लिए राजी करने के लिए सुरक्षा बलों को बधाई दी।

पुलिस प्रवक्ता ने कहा आतंकियों की मौजूदगी की खुफिया सूचना के आधार पर सेना, सीआरपीएफ और पुलिस के विशेष अभियान समूह ने शोपियां जिले के हांजीपोरा में तलाश अभियान शुरू किया। सुरक्षा बल के जवान लक्षित इलाके की ओर बढ़ रहे थे, तभी वहां छुपे आतंकियों ने स्वाचालित हथियारों से गोलीबारी शुरू कर दी। जवाबी कार्रवाई में सुरक्षा बलों ने भी गोलियां चलानी शुरू की।

सुरक्षा बलों पर अंधाधुंध गोलीबारी की, जिसका जवाबी कार्रवाई में मुठभेड़ हुई। मुठभेड़ में एक आतंकी मारा गया उसका शव बरामद कर लिया गया है।

शोपियां मुठभेड़

एक अन्य घिरे आतंकी के परिवार के सदस्यों को अपने बेटे को आत्मसमर्पण करने के लिए मनाने के लिए मुठभेड़ स्थल पर बुलाया गया। पुलिस, सुरक्षा बलों के प्रयासों और अत्यधिक धैर्य और बार-बार आत्मसमर्पण की अपील के कारण घिरे फंसे हुए आतंकी ने आत्मसमर्पण कर दिया। पकड़े गए आतंकी की पहचान शाहिल रमजान डार के तौर पर हुई है। पुलिस रिकॉर्ड के अनुसार, डार लश्कर मार्च 2021 में जुड़ा था।

ढेर हुए आतंकी की पहचान मुर्तजा के रूप में हुई है, जो लश्कर से जुड़ा था।' मुर्तजा आतंकवाद से जुड़े कई मामलों में भी शामिल था, जिसमें सुरक्षा बलों पर हमले और नागरिकों पर अत्याचार के शामिल हैं। मुठभेड़ स्थल से आपत्तिजनक सामग्री, हथियार और गोला-बारूद, एक एके-56 राइफल, एक पिस्टल, तीन एके-मैगजीन, दो ग्रेनेड बरामद किए गए।'

ट्रैक्टर रिहर्सल, दिल्ली का रास्ता न भूल जाएं : टिकैत

नई दिल्ली, (एजेंसी)। केंद्र सरकार के कृषि कानूनों के खिलाफ आंदोलन कर रहे किसान संगठनों ने एक बार राजधानी की ओर कूच करने की बात कही है। इसके मद्देनजर दिल्ली-यूपी की सीमाओं पर गुरुवार रात से ही ट्रैक्टरों का आना जारी है। दिल्ली के गाजीपुर बॉर्डर पर विरोध प्रदर्शन कर रहे किसानों ने ट्रैक्टर रैली की रिहर्सल भी शुरू कर दी है। ट्रैक्टर रैली की रिहर्सल पर भारतीय किसान यूनियन (बीकेयू) के प्रवक्ता राकेश टिकैत ने कहा कि रिहर्सल इसलिए हो रही है कि 26 तारीख नजदीक है। और किसान 26 तारीख को कभी नहीं भूलेगा। हर महीने 26 तारीख आएगी, किसान ट्रैक्टरों की रिहर्सल करेगा। ट्रैक्टर दिल्ली का रास्ता न भूल जाएं इसलिए इनकी रिहर्सल करनी पड़ती है। हमें उम्मीद है कि सरकार बात करेगी।

सरकार अब भी चर्चा को तैयार, आंदोलन खत्म करनें की अपील- कृषि मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर ने एक बार फिर से किसानों से आंदोलन खत्म करने की अपील की है। तोमर ने शुक्रवारको कहा कि मैं सभी किसान संघों से अपना आंदोलन समाप्त करने का आग्रह करता हूं। सरकार ने उनके साथ 11 दौर की बातचीत की थी। कृषि बिल किसानों के जीवन में सुधार लाएगा।

सफर 15 साल बाद किसी वर्तमान राष्ट्रपति ने की ट्रेन से यात्रा

आशीर्वाद देने नहीं लेने आया हूं: कोविंद

कानपुर ■ एजेंसी/ ब्यूरो

राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद कानपुर दौरे के लिए पहुंचे हैं। वह तीन दिन कानपुर में रहेंगे। सफदरगंज रेलवे स्टेशन से द रॉयल रेजिडेंसी ट्रेन से वह शाम 7.45 बजे कानपुर सेंट्रल पहुंचे तो यहां राज्यपाल आनंदीबेन पटेल और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने उनका स्वागत किया। इस दौरान राष्ट्रपति के साथ उनकी पत्नी सविता कोविंद भी मौजूद रही। कानपुर पहुंचने पर एक अफसर ने कहा कि राष्ट्रपति आशीर्वाद देने आए हैं तो इस पर राष्ट्रपति ने जवाब दिया वह आशीर्वाद देने नहीं बल्कि लेने के लिए हैं।

कानपुर पहुंचने के बाद राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने एक सादे समारोह के मंच को संबोधित

करते हुए कहा कि मैं लंबे समय से कानपुर आने का प्रयास कर रहा था। राष्ट्रपति से पहले जिलाधिकारी ने मंच को संबोधित करते हुए कहा था कि राष्ट्रपति हमें आशीर्वाद देने आए हैं, इस पर राष्ट्रपति बोले कि मैं आशीर्वाद देने नहीं आशीर्वाद लेने आया हूं। किसी वर्तमान राष्ट्रपति की ट्रेन से कानपुर तक की यात्रा 15 साल बाद की गई।

पुरानी यादें कीं ताजा

अपनी यादें साझा करते हुए राष्ट्रपति ने कहा कि झींझक की गलियां और रेलवे स्टेशन उन्हें आज भी याद हैं। उन्हे याद है जब वह घंटों रेलवे स्टेशन पर बैठकर ट्रेन का इंतजार किया करते थे। बोले कि मैं परोंख से कानपुर होकर जाता था तो झींझक में मिठाई की दुकान थी वह मुझे आज भी याद है। राष्ट्रपति ने अपने पुराने मित्रों बाबूराम वाजपेई और रामविलास त्रिपाठी के नाम भी बोले और कहा कि हमारे सभी पुराने दोस्त थे जो आज हमसे बिछड़ गए हैं। बोले कि कोरोना बीमारी की वजह से आज वह हमारे बीच नहीं रहे। इस तरह राष्ट्रपति ने कोरोना से इस दुनिया को छोड़ कर चले गए लोगों को श्रद्धांजलि दी और आशंकित तीसरी लहर से सावधान रहने की सलाह देते हुए सभी से मास्क लगाने की अपील की।

सार समाचार

चीन के हेनान प्रांत में 'मार्शल आर्ट' स्कूल में आग से 18 लोगों की मौत

बीजिंग। चीन के हेनान प्रांत में शुक्रवार तड़के एक 'मार्शल आर्ट' स्कूल में भीषण आग लग गयी, जिसके कारण कम से कम 18 लोगों की मौत हो गयी। मृतकों में अधिकतर बच्चे थे। इसके अलावा इस हादसे में 16 अन्य लोग घायल भी हो गए। झेनशिंग मार्शल आर्ट सेंटर की पहली मंजिल पर यह आग तड़के उस समय लगी जब बच्चे सो रहे थे। शुआंगक्वी शहर की झीचेंग काउंटी में स्थित इस बोर्डिंग स्कूल में कुल 34 बच्चे थे। हांगकांग स्थित समाचार पत्र साउथ चाइना ने स्थानीय मीडिया के हवाले से बताया कि घायलों में चार लोग गंभीर रूप से घायल हुए हैं जबकि 12 लोग मामूली रूप से झुलसे हैं। एक प्रत्यक्षदर्शी ने बताया कि उसने स्कूल की इमारत से बच्चों के चिल्लाने की आवाजें सुनीं। प्रत्यक्षदर्शी ने कहा, 'सभी बच्चे चिल्ला रहे थे और मदद की गुहार लगा रहे थे। हमने आग को बुझाने के लिए उस पर पानी डालने की कोशिश की, लेकिन आग को बुझा नहीं सके। धीरे-धीरे आग इतनी भीषण हो गयी कि उसे बुझाने के लिए कोई उसके पास नहीं जा सका।卐 अधिकारियों ने स्कूल के मालिक चेन लिन को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है।

हिंद महासागर में सिंगापुर की ओर जा रहे एक कंटेनर जहाज में आग लगी: श्रीलंका नौसेना

कोलंबो। हिंद महासागर में सिंगापुर की ओर जा रहे एक कंटेनर जहाज में आग लग गयी। श्रीलंका की नौसेना के प्रवक्ता इंडिका डि सिल्वा ने बताया कि लाइबेरिया के झंडे वाला एमएससी जहाज 22 जून को कोलंबो बंदरगाह से रवाना हुआ था और वह सिंगापुर की ओर जा रहा था किंतु श्रीलंका की समुद्री सीमा के पार जाने के बाद उसमें आग लग गयी। उन्होंने बताया कि शुक्रवार तड़के नौसेना को इस जहाज में आग लगने की सूचना दी गयी। उन्होंने कहा कि चूंकि जहाज अब भी श्रीलंका की तलाश एवं बचाव सीमा में है, इसलिए आवश्यक कदम उठाना जरूरी है। प्रवक्ता ने बताया कि देश के दक्षिणी छोर किरिंडा से करीब 483 समुद्री मील की दूरी पर यह जहाज है और उसके इंजन में आग लगी है। फिलहाल समीप के एक व्यापारिक जहाज को सहायता पहुंचाने को कहा गया है। अभी एक सप्ताह पहले श्रीलंका के मुख्य बंदरगाह के पास एक मालवाहक जहाज आग लगने के बाद डूब गया था। उसपर कई टन रसायन लदा था। सिंगापुर के झंडे वाले 'एक्स-प्रेस पर्ल ' जहाज में मई में आग लग गयी थी। लेकिन वह 17 जून को डूबा।

बलूचिस्तान में हालात खराब! आतंकियों ने किया सुरक्षा बलों पर हमला, पांच सैनिकों की मौत

कराची। दक्षिण-पश्चिमी पाकिस्तान में आतंकवादियों ने सुरक्षा बलों पर घात लगा कर हमला किया, जिसमें पांच सैनिकों की मौत हो गई। एक मीडिया रिपोर्ट से यह जानकारी मिली है। डॉन समाचार पत्र की खबर के मुताबिक बलूचिस्तान के सीबी जिले के संगन इलाके में गोलीबारी के दौरान आतंकवादियों को भी काफी नुक़सान पहुंचाया गया। पाकिस्तान सशस्त्र बल के मीडिया विंग इंटर-सर्विस पब्लिक रिलेशन (अंतर सेवा जनसंपर्क) ने बताया कि गोलीबारी के दौरान 'फ़्रंटियर कोर बलूचिस्तान' के पांच सैनिकों की मौत हो गई। आईएसपीआर ने बताया कि तलाश अभियान जारी है। इस महीने की शुरुआत में भी एक हमले में फ्रंटियर कोर के चार सैनिकों की मौत हो गई थी।

चीन ने भारत सीमा के पास तिब्बत में पहली बुलेट ट्रेन सेवा शुरू की

बीजिंग। चीन ने तिब्बत के सुदूर हिमालयी क्षेत्र में पहली पूरी तरह बिजली से चालित बुलेट ट्रेन का शुक्रवार को परिचालन शुरू किया जो प्रांतीय राजधानी लहासा और नियंगची को जोड़ेगी। नियंगची अरुणाचल प्रदेश के करीब स्थित तिब्बत का सीमाई नगर है। सिचुआन-तिब्बत रेलवे के 435.5 किलोमीटर लंबे लहासा-नियंगची खंड का एक जुलाई को सत्तारूढ़ कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ चाइना (सीपीसी) के शताब्दी समारोहों से पहले उद्घाटन किया गया है। सरकारी समाचार एजेंसी ने खबर दी कि तिब्बत स्वायत्त क्षेत्र में

पहले विद्युत चालित रेलवे की शुक्रवार सुबह से शुरुआत हुई जो लहासा से नियंगची तक गई जहां 'फूक्सिंग' बुलेट ट्रेनों का पठारी क्षेत्र में आधिकारिक परिचालन शुरू हुआ। सिचुआन-तिब्बत रेलवे किंगहाई-तिब्बत रेलवे के बाद तिब्बत में दूसरी रेलवे होगी। यह किंगहाई-तिब्बत पठार के दक्षिण-पूर्व क्षेत्र से होकर गुजरेगी जो विश्व के भूगर्भीय रूप से सबसे सक्रिय क्षेत्रों में से एक है। नवंबर में, चीनी राष्ट्रपति शी चिनफिंग ने अधिकारियों को सिचुआन प्रांत को तिब्बत में नियंगची से जोड़ने वाली नयी रेलवे परियोजना का काम तेज गति से करने का निर्देश दिया था और कहा था कि नयी रेल लाइन सीमा स्थिरता को सुरक्षित रखने में अहम भूमिका निभाएगी। सिचुआन-तिब्बत रेलवे की शुरुआत सिचुआन प्रांत की राजधानी, चेंगदू सेहोगी और यान से गुजरते हुए कामदो के जरिए तिब्बत में प्रवेश करेगी जिससे चेंगदू से लहासा की यात्रा 48 घंटे से कम होकर 13 घंटे रह जाएगी। नियंगची मेडोग का प्रांतीय स्तर का शहर है जो अरुणाचल प्रदेश सीमा से सटा हुआ है। चीन अरुणाचल प्रदेश को दक्षिण तिब्बत का हिस्सा बताता है जिसे भारत पुरजोर तरीके से खारिज करता है। भारत-चीन सीमा विवाद 3,488 किलोमीटर लंबी वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) को लेकर है। शिंगहुआ यनिवर्सिटी में नेशनल स्ट्रेटजी इंस्टीट्यूट के शोध विभाग के निदेशक कियान फेंग ने सरकारी दैनिक 'ग्लोबल टाइम्स' को पूर्व में बताया था, 卐कि चीन-भारत सीमा पर अगर संकट का कोई परिदृश्य बनता है तो रेलवे चीन को रणनीतिक सामग्रियां पहुंचाने में बहुत सुविधा देगी।

कार्रवाई से बचाने की चीनी कोशिश नाकाम, पाकिस्तान ग्रे था...ग्रे ही रहेगा

वाशिंगटन (एजेंसी)।

फाइनेंशियल एक्शन टास्क फोर्स यानी एफएटीएफ की लिस्ट में पाकिस्तान बरकरार रहेगा। पाकिस्तान इस बात से शायद थोड़ा खुश होगा कि वो ब्लैक लिस्ट होने से बच गया। लेकिन ग्रे लिस्ट में भी बने रहना पाकिस्तान के लिए एक बहुत बड़ा झटका है। इनवेस्टमेंट के हिसाब से अभी भी पाकिस्तान को बंदिशों में रहना होगा। भारत की ओर से लगातार ये दवाब बनाया जा रहा था कि पाकिस्तान के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाए। तीन-चार दिनों तक चली मीटिंग में ये तय किया गया कि पाकिस्तान को अभी भी एफएटीएफ की ग्रे लिस्ट में रहना पड़ेगा। जिसका सीधा सा मतलब है कि पाकिस्तान के सिर से अभी भी खतरे की तलवार हटी नहीं है।

पाकिस्तान को ग्रे लिस्ट की वजह से करीब 38 अरब डॉलर का नुकसान हुआ है। अब उसे इंटरनैशनल मॉनिटरी फंड जैसी संस्थाओं से मदद मिलना मुश्किल बना रहेगा। एफएटीएफ की रिपोर्ट के मुताबिक पाकिस्तान ने 27 कार्यबिंदुओं में से अबतक केवल 26 को ही पूरा किया है। वहीं, पाकिस्तान में इस फैसले को पश्चिमी देशों का भेदभाव बताया जा रहा है और सवाल किया जा रहा है कि जब पाकिस्तान ने जून 2018 के बाद से अब तक इतने बिंदुओं पर काम पूरा कर लिया है, तो अभी भी उसे ग्रे लिस्ट में क्यों रखा गया। खबर ये भी आई थी कि एफएटीएफ की कार्रवाई से बचाने के लिए चीन, पाकिस्तान की मदद कर रहा था। चीन, अमेरिका, ब्रिटेन, फ्रांस और भारत एफएटीएफ की बैठक में शामिल हुए। बता दें कि एफएटीएफ का गठन 1989 में किया गया था और इसके 39 सदस्य हैं।

कोरोना फ्री देश बना इजरायल में फिर बरसा कोविड का कहर, केस बढ़ने के बाद मास्क पहनना किया अनिवार्य

यरुशलम। (एजेंसी)।

दुनिया में टीकाकरण में सबसे आगे चल रहे इजराइल में कोरोना वायरस के एक नये स्वरूप के सामने आने के बाद बढ़ते मामलों के बीच एक बार फिर सार्वजनिक स्थानों पर मास्क पहनना अनिवार्य कर दिया गया है। इजराइल ने दुनिया में सबसे सफल टीकाकरण अभियानों में से एक को शुरू किया था, जिसमें लगभग 85 प्रतिशत वयस्क आबादी को टीका लगाया गया था। हाल के महीनों में, लगभग सभी प्रतिबंध हटा दिए गए थे क्योंकि उपचाराधीन मरीजों की संख्या घट गई थी।

इजराइली मीडिया की खबर के अनुसार कई हफ्तों बाद हाल के दिनों मेंमामलों में फिर से वृद्धि देखी गई है। इजराइली मीडिया ने कोरोना वायरस प्रतिक्रिया अभियान का नेतृत्व कर रहे डॉ. नचमन ऐश के हवाले से कहा कि बृहस्पतिवार को इस महामारी के 227 नए मामलों की पुष्टि हुई। स्वास्थ्य मंत्रालय ने बताया कि शुक्रवार दोपहर से सार्वजनिक स्थानों पर मास्क पहनना होगा। मामलों में वृद्धि का कारण अत्यधिक संक्रामक डेल्टा संस्करण को माना जा रहा है, जो बच्चों सहित बिना टीकाकरण वाले व्यक्तियों में तेजी से फैलता है। इजराइल के जिन नागरिकों का टीकाकरण हो चुका हैं, वे भी कथित तौर पर संक्रमित हो गए हैं, लेकिन उनमें केवल मामूली लक्षण दिखाई देते हैं। गौरतलब है कि महामारी की शुरुआत होने के बाद से इजराइल में इस वायरस से 6,429 लोगों की मौत हुई है।

पश्चिम एशिया शांति प्रक्रिया को ज्यादा समय के लिए टाला नहीं जा सकताः भारत

संयुक्त राष्ट्र। भारत ने बृहस्पतिवार को संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में कहा कि पश्चिम एशिया शांति प्रक्रिया को ज्यादा समय के लिए टाला नहीं जा सकता। इसके साथ ही भारत ने इजराइल और फलस्तीन के बीच सीधी बातचीत बहाल करने की जरूरत को भी रेखांकित किया। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की पश्चिम एशिया (फलस्तीन के मुद्दे समेत) पर हुई बैठक को संबोधित करते हुए विदेश मंत्रालय में सचिव (पश्चिम) विकास स्वरूप ने सभी पक्षकारों से तनाव को कम करने और उकसावे से बचने का आग्रह किया। उन्होंने कहा, ''शांति प्रक्रिया को लंबे समय तक टाला नहीं जा सकता। गतिरोध के कारण पक्षकारों के बीच विश्वास में कमी ही आती है और हिंसा की आशंका को बढ़ावा मिलता है।'' स्वरूप ने पश्चिम एशिया शांति प्रक्रिया को तत्काल बहाल करने तथा इजराइल और फलस्तीन के बीच सीधी बातचीत की जरूरत पर बल दिया। उन्होंने कहा, ''भारत 'क्वार्टेट' समेत सभी राजनयिक प्रयासों का समर्थन करता है जिनका लक्ष्य इस बातचीत को बहाल करने और शांति प्रक्रिया के लिए अंतरराष्ट्रीय समुदाय की सामूहिक प्रतिबद्धता को मजबूत करना है।'' स्वतंत्र और लोकतांत्रिक फलस्तीन की स्थापना के लिए भारत की प्रतिबद्धता को दोहराते हुए स्वरूप ने कहा कि सार्थक और दीर्घकालिक शांति के लिए दो देश के समाधान का कोई ''विकल्प नहीं है।

ब्रिटेन के युद्धपोत के काला सागर में दाखिल होते ही पुतिन ने दिया वो आदेश जिसकी कल्पना बाइडेन और जॉनसन ने नहीं की होगी

बीजिंग। (एजेंसी)।

काला सागर को लेकर रूस और ब्रिटेन में तनाव बढ़ता जा रहा है। रूस ने मास्को में ब्रिटिश राजदूत को औपचारिक तौर तलब किया था और कहा था कि ब्लैक सागर पर रूस का अधिकार है। जबकि यूरोपीयन देशों का कहना है कि ब्लैक सागर पर यूक्रेन का अधिकार है। और ब्लैक सागर को लेकर रूस के साथ ब्रिटेन और अमेरिका के बीच भारी तनाव है। क्रिमिया में अंतरराष्ट्रीय जल सीमा के पास जैसे ही ब्रिटिश नेवी के डिस्ट्रायर एचएमएस डिफेंडर ने कदम रखे, रूस ने उसे रेडियो पर सख्त चेतावनी दी और रास्ते नहीं बदलने पर अंजाम भुगतने की चेतावनी दी। रूस को उकसाने के इरादे से ब्रिटिश डिस्ट्रायर समुद्र में कुछ कदम और आगे बढ़ गया। फिर क्या था पुतिन ने अपने फाइटर जेट को वो आदेश दिया जिसकी कल्पना बोरिस जॉनसन और जो बाइडेन ने कभी नहीं की होगी। देखते ही देखते रूस के 20 बॉम्बर्स क्रीमिया के समुंद्र के ऊपर मंडराने लगे। पुतिन के आदेश पर रूस की दो समुद्री जहाज भी गोलियां बरसाने लगी। रूस के विमानों ने चार बड़े बम ब्रिटिश नेवी शिप के रास्ते पर गिराए। इसके साथ ही रूसी नेवी शिप ने सैकड़ों राउंड गोलियां दागी। हालांकि ब्रिटिश डिफेंस मिनिस्ट्री ने ऐसे किसी हमले से इनकार किया है। लेकिन ब्रिटिश नेवी के डिस्ट्रायर एचएमएस डिफेंडर में मौजूद बीबीसी संवाददाता ने गोले दागने और गोलियां चलाने की पुष्टि की है। बीबीसी संवाददाता का दावा है कि रूस की एक रक्षा नौका तो गोलियां दागते हुए 100 मीटर दूर तक आ पहुंची थी। जबकि आसमान में आग बरसाते रूसी जंगी जेट गोले गिरा रहे थे।

क्यों काले समुंद्र में मचा है कोहराम

साल 2014 तक क्रीमिया यूक्रेन का हिस्सा थी। लेकिन पुतिन की सेनाओं ने 2014 में क्रीमिया को अपने कब्जे में कर लिया। जिसे अमेरिका समेत नाटो देश मान्यता नहीं देते। रूस क्रीमिया की सीमा को अपनी जल सीमा मानता है जबकि अमेरिका और ब्रिटेन समेत 30 नाटो देश इसे अंतरराष्ट्रीय सीमा मानते हैं।

ब्रिटेन का अपना अलग दावा

ब्रिटिश रक्षा मंत्रालय ने बयान जारी करते हुए कहा कि अंतरराष्ट्रीय कानूनों के तहत जहाज बहुत निर्दोष तरीके से यूक्रेन के क्षेत्रीय पानी से गुजर रहा था। ब्रिटिश प्रधानमंत्री बोरिस जॉनसन के प्रवक्ता ने कहा कि यह कहना गलत है कि जहाज पर कोई गोलीबारी हुई, या जहाज रूस की समुद्री सीमा में थ।

अमेरिकी राष्ट्रपति बाइडेन के बेटे ने किया कॉल गर्ल को किया 18 लाख का पेमेंट, पहुंच गयी थी सीक्रेट सर्विस!

वाशिंगटन (एजेंसी)।

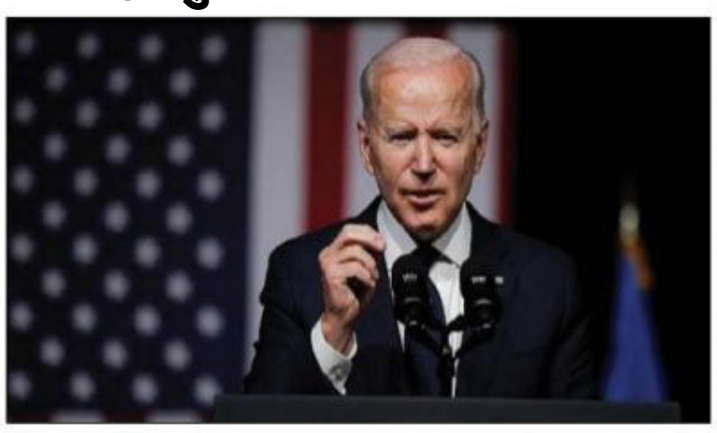

अमेरिकी राष्ट्रपति जो जो बाइडेन के बेटे रॉबर्ट हंटर बाइडेन को लेकर न्यूयॉर्क के अखबारों में एक खबर छपी है। न्यूयॉर्क पोस्ट द्वारा रिपोर्ट की गयी खबर के अनुसार मई 2018 में अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन के बेटे रॉबर्ट हंटर बिडेन ने 24 वर्षीय एस्कॉर्ट महिला के साथ कुछ दिन बिताए थे। कॉल गर्ल के साथ बिताई गयी इन रातों के लिए हंटर को महिला को 18 लाख से अधिक पैसे देने पड़े थे। इस दौरान हंटर से एक गलती हुए और कॉल गर्ल के साथ बितायी गयी रातों की कीमत जो बाइडेन को चुकानी पड़ी।

यह घटना हंटर के लॉस एंजिल्स में चेटो मारमोंट में रहने के दौरान हुई थी, और पलायन से संबंधित संदेश और तस्वीरें उसके लैपटॉप में पाए गए थे। पोस्ट की रिपोर्ट के मुताबिक, हंटर ने रूसी मूल की 'याना' नाम की महिला से अपना परिचय 'रोब' के तौर पर दिया। पोस्ट ने दावा किया कि बाद में वह उनसे उनकी हट में मिलने जाती थी और वे वोदका पीते थे और साथ में वीडियो बनाते थे। कुछ दिनों तक रहने के बाद, जब याना ने 8,000 (?5 लाख से अधिक) का भुगतान करने के लिए कहा, हंटर ने महसूस किया कि उसका कोई भी डेबिट कार्ड काम नहीं कर रहा है, रिपोर्ट में कहा गया है। असफल लेनदेन की एक श्रृंखला के बाद, हंटर अंततः एक अलग कार्ड का उपयोग करके याना को भुगतान करने में सफल रहा।

पेमेंट होने के बाद हंटर को तब एक पूर्व गुप्त सेवा विशेष एजेंट द्वारा संपर्क किया गया था, जो न्यूयॉर्क पोस्ट के अनुसार रॉबर्ट सैवेज III के नाम से चला गया था। पोस्ट रिपोर्ट में दिखाए गए टेक्स्ट संदेशों से पता चलता है कि सैवेज ने हंटर को यह कहते हुए मैसेज किया कि पैसे 'सेल्टिक के खाते' से लेन-देन किए गए थे। रिपोर्ट के अनुसार, 'सेल्टिक' जो बाइडेन का सीक्रेट सर्विस कोड नाम था, जब वह 2009-2017 तक उपराष्ट्रपति थे।

हाफिज सईद के घर के बाहर कार बम विस्फोट मामले में विदेशी नागरिक गिरफ्तार

लाहौर। (एजेंसी)।

पाकिस्तान की सुरक्षा एजेंसियों ने 2008 के मुंबई आतंकवादी हमले के षड्यंत्रकर्ता और प्रतिबंधित संगठन जमात-उद-दावा के प्रमुख हाफिज सईद के घर के बाहर कार बम विस्फोट मामले में एक विदेशी नागरिक को गिरफ्तार किया है। मीडिया में आई खबरों से शुक्रवार को यह जानकारी मिली। 'डॉन' समाचारपत्र की खबर के मुताबिक, संदिग्ध व्यक्ति की पहचान पीटर पॉल डेविड के रूप में हुई है और उसे बृहस्पतिवार को लहौर हवाईअड्डे से गिरफ्तार किया गया। 'दुनिया टीवी' की खबर के मुताबिक डेविड को कराची जाने वाले एक विमान से उतारकर पूछताछ के लिए अज्ञात स्थान पर ले जाया गया है। ऐसा बताया गया है कि वह विस्फोट में इस्तेमाल हुई कार का मालिक है।

खबर के मुताबिक, डेविड की यात्राओं के इतिहास से पता चला है कि वह कराची, लाहौर और दुबई लगातार आता-जाता रहता था और इन यात्राओं के पीछे की वजहों और अपनी गतिविधियों के बारे में वह जांचकर्ताओं के सवालों का संतोषजनक उत्तर नहीं दे पाया। बुधवार सुबह जोहर क़स्बे में बोर्ड ऑफ रेवेन्यू हाउसिंग सोसाइटी में सईद के घर के बाहर एक शक्तिशाली कार बम विस्फोट में तीन लोगों की मौत हो गई थी और 21 अन्य घायल हो गए थे। इस विस्फोट से सईद के घर की खिड़कियों और दीवारों को क्षति पहुंची थी।

किसी भी संगठन ने अब तक इस हमले की जिम्मेदारी नहीं ली है। खबर में बताया गया है कि कानून लागू करने वाली एजेंसियां एक और संदिग्ध की तलाश कर रही हैं, जिसके बारे में कहा जा रहा है कि विस्फोटकों से भरी कार को वही संबंधित स्थल तक लेकर आया था। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार यह कार 2010 में पंजाब प्रांत के गुजरांवाला से चोरी हुई थी और इसे कई बार खरीदा-बेचा गया तथा डेविड इसका अंतिम मालिक था। गृह मंत्री शेख राशिद अहमद ने दावा किया है कि पंजाब पुलिस लौहार में इस विस्फोट के पीछे के दोषियों को गिरफ्तार करने के करीब है।

चीन ने भारतीय सीमा के पास शुरू की पहली बुलेट ट्रेन, क्या है ड्रैगन की नई चाल

बीजिंग। (एजेंसी)।

चीन ने तिब्बत के सुदूर हिमालयी क्षेत्र में पहली पूरी तरह बिजली से चालित बुलेट ट्रेन का शुक्रवार को परिचालन शुरू किया जो प्रांतीय राजधानी लहासा और नियंगची को जोड़ेगी। नियंगची अरुणाचल प्रदेश के करीब स्थित तिब्बत का सीमाई नगर है। सिचुआन-तिब्बत रेलवे के 435.5 किलोमीटर लंबे लहासा-नियंगची खंड का एक जुलाई को सत्तारूढ़ चीन की कम्युनिस्ट पार्टी (सीपीसी) के शताब्दी समारोहों से पहले उद्घाटन किया गया है। सरकारी समाचार एजेंसी 'शिन्हुआ'ने खबर दी कि तिब्बत स्वायत्त क्षेत्र में पहले विद्युत चालित रेलवे की शुक्रवार सुबह से शुरुआत हुई जो लहासा से नियंगची तक गई जहां ÷फूक्सिंग÷ बुलेट ट्रेनों का पठारी क्षेत्र में आधिकारिक परिचालन शुरू हुआ।

सिचुआन-तिब्बत रेलवे किंगहाई-तिब्बत रेलवे के बाद तिब्बत में दूसरी रेलवे होगी। यह किंगहाई-तिब्बत पठार के दक्षिण-पूर्व क्षेत्र से होकर गुजरेगी जो विश्व के भूगर्भीय रूप से सबसे सक्रिय क्षेत्रों में से एक है। नवंबर में, चीनी राष्ट्रपति शी चिनफिंग ने अधिकारियों को सिचुआन प्रांत को तिब्बत में नियंगची से जोड़ने वाली नयी रेलवे परियोजना का काम तेज गति से करने का निर्देश दिया था और कहा था कि नयी रेल लाइन सीमा स्थिरता को सुरक्षित रखने में अहम भूमिका निभाएगी। सिचुआन-तिब्बत रेलवे की शुरुआत सिचुआन प्रांत की राजधानी, चेंगदू सेहोगी और यान से गुजरते हुए कामदो के जरिए तिब्बत में प्रवेश करेगी जिससे चेंगदू से लहासा की यात्रा 48 घंटे से कम होकर 13 घंटे रह जाएगी। नियंगची मेदोग का प्रांतीय स्तर का शहर है जो अरुणाचल प्रदेश सीमा से सटा हुआ है।

चीन अरुणाचल प्रदेश को दक्षिण तिब्बत का हिस्सा बताता है जिसे भारत पुरजोर तरीके से खारिज करता है। भारत-चीन सीमा विवाद 3,488 किलोमीटर लंबी वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) को लेकर है। त्सिंगहुआ युनिवर्सिटी में नेशनल स्ट्रेटजी इंस्टीट्यूट के शोध विभाग के निदेशक कियान फेंग ने सरकारी दैनिक 'ग्लोबल टाइम्स' को पूर्व में बताया था, ÷कि चीन-भारत सीमा पर अगर संकट का कोई परिदृश्य बनता है तो रेलवे चीन को रणनीतिक सामग्रियां पहुंचाने में बहुत सुविधा देगी।

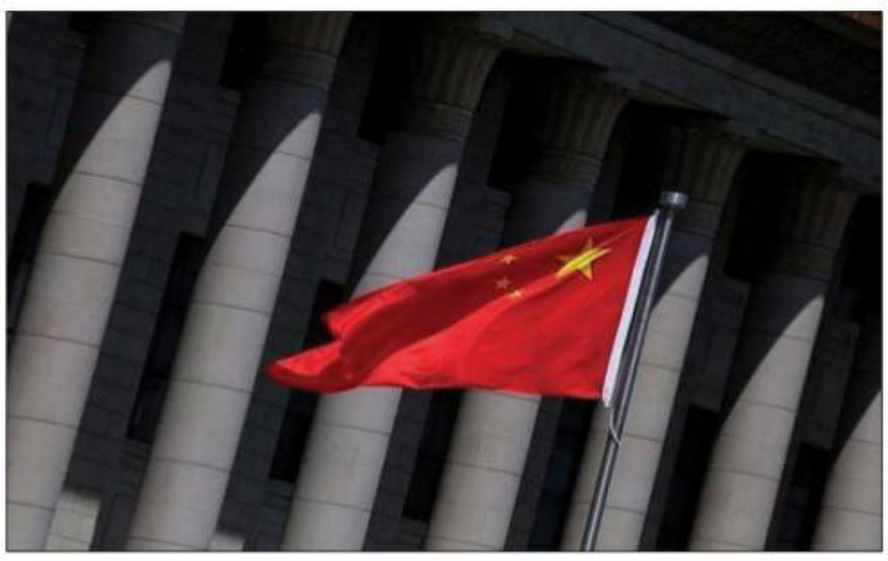

दिल्ली में ऑक्सीजन रिपोर्ट पर उठे राजनीतिक तूफान पर बोले सिसोदिया

भाजपा ऑक्सीजन रिपोर्ट को लेकर बोल रही झूठ

नई दिल्ली (संवाददाता)। दिल्ली के उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने शुक्रवार को बीजेपी के तमाम बड़े नेताओं द्वारा एक तथाकथित फर्जी रिपोर्ट के सहारे सीएम अरविंद केजरीवाल को गाली दिए जाने पर आड़े हाथ लिया। मनीष सिसोदिया ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के माध्यम से जनता के सामने भाजपा के झूठ और झगड़ालू स्वभाव को उजागर किया।

उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने कहा कि भाजपा नेताओं और केंद्रीय मंत्रियों द्वारा एक तथाकथित रिपोर्ट का हवाला देते हुए कहा जा रहा है कि दिल्ली में अप्रैल महीने में कोरोना के पीक के दौरान ऑक्सीजन की कमी नहीं थी और सरकार ऑक्सीजन की 4 गुना ज्यादा डिमांड कर रही थी। भाजपा के सभी बड़े नेता, केंद्रीय मंत्री सुबह से सोशल मीडिया, ट्विटर पर गला फाड़-

फाड़ के अरविंद केजरीवाल को गालियां दे रहे हैं। उपमुख्यमंत्री ने उस तथाकथित रिपोर्ट का पर्दाफाश करते हुए रिपोर्ट का सच सबके सामने रखा और बताया कि भाजपा के नेता जिस रिपोर्ट का हवाला देकर सीएम अरविंद केजरीवाल को गालियां दे रहे हैं, वैसी कोई रिपोर्ट अस्तित्व में ही नहीं है। भाजपा के नेता केवल झूठ और भ्रम फैलाने का काम कर रहे हैं। उपमुख्यमंत्री ने बताया कि भाजपा जिस तथाकथित रिपोर्ट को सुप्रीम कोर्ट की ऑक्सीजन ऑडिट कमेटी की रिपोर्ट बता रही है। उस ऑक्सीजन ऑडिट कमेटी के सदस्यों के अनुसार, न तो ऐसी कोई रिपोर्ट को कमेटी द्वारा अप्रूव किया गया है और ना ही जारी किया गया है।

उपमुख्यमंत्री ने केंद्र सरकार और भाजपा के शीर्ष नेतृत्व से सवाल पूछते हुए कहा कि केंद्र और भाजपा के नेता जबाव दें और बताएं कि जब ऑक्सीजन ऑडिट कमेटी द्वारा कोई रिपोर्ट जारी ही नहीं कि गई, तो यह रिपोर्ट कहां से और कैसे अस्तित्व में आई।

सिसोदिया व सत्येन्द्र जैन के खिलाफ हो मुकदमा दर्ज : आदेश

नई दिल्ली। प्रदेश भाजपा अध्यक्ष आदेश गुप्ता ने कहा कि कोरोना संकट में ऑक्सीजन की सरकार निर्मित कमी से मारे जाने वाले लोगों की वास्तव में हत्या हुई है जिसके लिए केजरीवाल सरकार पूरी तरह जिम्मेदार है इसलिए केजरीवाल को इस्तीफा देना चाहिए। प्रदेश भाजपा अध्यक्ष ने मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के इस्तीफे की मांग करते हुए कहा कि ऑक्सीजन ऑडिट मुद्दे पर उच्चतम न्यायालय की रिपोर्ट के बाद केजरीवाल, उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया और स्वास्थ्य मंत्री सत्येन्द्र जैन के खिलाफ हत्या और आपराधिक षडयंत्र के मामलों में मुकदमें दर्ज होने चाहिए। उच्चतम न्यायालय ने दिल्ली में ऑक्सीजन की भारी मांग के बाद एक ऑडिट समिति गठित की थी।

केजरीवाल अपने पद से इस्तीफा दें : कांग्रेस

नई दिल्ली। दिल्ली सरकार के पूर्व मंत्री डा. नरेन्द्र नाथ ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट द्वारा गठित ऑक्सीजन ऑडिट कमेटी की रिपोर्ट के बाद यह साबित हो गया कि दिल्ली के मुख्यमंत्री

अरविन्द केजरीवाल ने जरुरत से चार गुणा ज्यादा ऑक्सीजन की डिमांड उस संकट के समय की जब देश में ऑक्सीजन के लिए हाहाकार मचा हुआ था। अरविन्द केजरीवाल ने दिल्ली के 183 अस्पतालों के लिए जरुरी 289 एमटी ऑक्सीजन की जगह 1140 एमटी ऑक्सीजन की मांग रखी। कमेटी ने माना कि दिल्ली मे ऑक्सीजन की अधिक मांग के कारण 12 अन्य राज्यों की ऑक्सीजन सप्लाई पर असर पड़ा। जिसके कारण दिल्ली सहित अन्य राज्यों में कोविड महामारी के दौरान ऑक्सीजन की कमी के कारण सैंकड़ों लोगों की मौत हुई।

दिल्ली सरकार नव नियुक्त शिक्षकों को देगी टैबलेट्स

सरकारी स्कूलों की शैक्षिक गुणवत्ता में सुधार करने के चलते उठाया कदम

नई दिल्ली (संवाददाता)। दिल्ली सरकार शिक्षा निदेशालय में नवनियुक्त हुए 2103 शिक्षकों को टैब उपलब्ध करवाएगी। सरकारी स्कूलों की शैक्षिक गुणवत्ता में सुधार करने और शिक्षकों को हाईटेक बनाने की मुहिम के तहत दिल्ली सरकार अपने सभी शिक्षकों को टैब उपलब्ध करवाती है। 2018-19 सत्र में भी दिल्ली सरकार की ओर से शिक्षा निदेशालय के 60555 शिक्षकों को टैब दिया गया था। उपमुख्यमंत्री एवं शिक्षामंत्री मनीष सिसोदिया ने कहा कि दिल्ली सरकार के स्कूलों में पढ़ने वाले बच्चों को बेहतर शिक्षा देने के लिए प्रतिबद्ध है इसी दिशा में सरकार अपने सभी शिक्षकों को टैबलेट्स उपलब्ध करवाती है ताकि शिक्षक अपने शिक्षण में तकनीकी का प्रयोग कर विद्यार्थियों को लर्निंग के बेहतर अनुभव दे सकें। उपमुख्यमंत्री ने कहा कि 21वीं सदी में शिक्षण में तकनीकी का समावेश करना बेहद जरूरी है। तकनीकी टीचिंग-लर्निंग गतिविधि को सरल बनाती है और विद्यार्थी तकनीकी के माध्यम से ज्यादा बेहतर ढंग से सीखते है। उन्होंने कहा कि कोरोना काल में बच्चों की पढ़ाई न रुक सके इसके लिए नव-नियुक्त किए गए शिक्षकों को भी सरकार टैबलेट्स उपलब्ध करवा रही है ताकि वो ऑनलाइन माध्यम से अपने विद्यार्थियों से जुड़े रहे और टीचिंग-लर्निंग प्रोसेस सुचारू रूप से चलता रहे। शिक्षकों को दिए जा रहे इन टैब में शिक्षा पर आधारित ऐप व शिक्षण सहायक सामग्री अपलोड होती है जो शिक्षण गतिविधियों को सुचारू बनाने में मदद करती है।

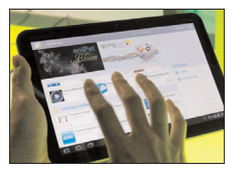

इन टैबलेट्स के माध्यम से शिक्षक अपने शिक्षण में नवाचारों और तकनीक को जोड़ने का काम करते है जिससें शिक्षण की प्रक्रिया रोचक बन जाती है। शिक्षक अपने विद्यार्थियों से संबंधित सभी डेटा भी इन टेबलेट्स के माध्यम से नियमित रुप से शिक्षा निदेशालय के वेबसाइट पर रियल-टाइम में अपलोड करते हैं।

संक्षिप्त खबर

योग से व्यक्तिगत एवं सामाजिक समस्याओं का समाधान संभव : आनंद कुमार

नई दिल्ली। अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर ऑनलाइन योग शिविर का समापन करते हुए राष्ट्र निर्माण पार्टी के अध्यक्ष डॉ.आनंद कुमार ने देश के विभिन्न क्षेत्रों से जुड़े हुए राष्ट्र निर्माण पार्टी के सैकड़ों एवं समयोग फाउंडेशन के सैकड़ों सदस्यों को संबोधित करते हुए योग को दैनिक जीवन का हिस्सा बनाने की अपील की तथा बताया कि योग के माध्यम से जीवन की गंभीर व्यक्तिगत एवं सामाजिक समस्याओं का समाधान बहुत अच्छे ढंग से किया जा सकता है। ध्यान रहे कि समयोग फाउंडेशन एवं राष्ट्र निर्माण पार्टी ने मिलकर 11 दिवसीय योग शिविर का आयोजन सफलतापूर्वक किया। इस शिविर में प्रसिद्ध योग गुरु स्वामी कर्मवीर द्वारा योग साधकों को अध्यात्म के मार्ग पर बढ़ने की प्रेरणा दी गई। साथ ही योग गुरु सुनील सिंह द्वारा मधुमेह को योग द्वारा कैसे नियंत्रित किया जा सकता है, के संबंध में विस्तार से बताया। डॉ.बिश्वरूप राय चौधरी ने सही खानपान के द्वारा विभिन्न बीमारियों एवं कोरोना का कैसे उपचार किया जा सकता है यह बताया। राष्ट्र निर्माण पार्टी के उपाध्यक्ष राकेश कुमार आर्य द्वारा योग के महत्व को रेखांकित करते हुए बताया की योग वैदिक सनातन संस्कृति का अभिन्न अंग है तथा मानव समाज के लिए अत्यधिक उपयोगी है।

लाइफलाइन लेबोरेटरी लैब ने फेसबुक लाइव इंटरैक्टिव सेशन किया आयोजित

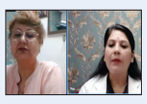

नई दिल्ली। दिल्ली-एनसीआर क्षेत्र की प्रमुख पैथोलॉजिकल लैब लाइफलाइन लेबोरेटरी लैब ने कोविड-19 महामारी में एंटीबॉडी और एंटीबॉडी टेस्ट को समझने पर फेसबुक लाइव इंटरैक्टिव सेशन आयोजित किया। इस सेसन के दौरान लोगों ने अपनी जागरूकता बढ़ाने के लिए बढ़ चढ़ कर हिस्सा लिया। इस दौरान लाइफलाइन लैब के सह-संस्थापक और निदेशक डॉ एंजेली मिश्रा ने डॉ मीनू बेरी, एचओडी और वरिष्ठ सलाहकार, हेमेटोलॉजी, हिस्टोपैथोलॉजी और क्लिनिकल पैथोलॉजी, लाइफलाइन प्रयोगशाला द्वारा पूछे गए सवालों के जवाब दिए।

डेल्टा प्लस वायरस का तोड़ है आयुर्वेदिक जड़ी बूटियों से निर्मित रसायन औषधियां : डॉ.हरीश वर्मा

नई दिल्ली। डेल्टा प्लस वायरस का परफेक्ट इलाज आयुर्वेदिक जड़ी बूटियों से निर्मित रसायन औषधियां यह जानकारी संवाददाता सम्मेलन में जाने-माने आयुर्वेदाचार्य डॉ.हरीश वर्मा ने दी उन्होंने बताया कि जिस तेजी से कोरोना वायरस अपने स्वरूप को बदल रहा है। पूरी दुनिया के चिकित्सा क्षेत्र और जनमानस में हड़कंप मचा हुआ है। फिलहाल शुरुआती दौर में इस बात का जरूर पता चला है कि डेल्टा प्लस वायरस शरीर में बनी हुई एंटीबॉडी को खत्म करने लगता है अगर ऐसा है तो बहुत खतरनाक है,लोगों को दिए जाने वाली वैक्सीन से शरीर में रोग के खिलाफ लड़ने की एंटीबॉडी बनने लगती है । इस अवसर पर डॉक्टर वर्मा ने लोगों की सहायता के लिए हेल्पलाइन नंबर 9910672020 भी जारी किया।

राजीव खोसला ने जाकिर खान मंसूरी से की मुलाकात

नई दिल्ली (संवाददाता)। श्री योगाभ्यास आश्रम के राष्ट्रीय सचिव राजीव जोली खोसला ने दिल्ली अल्पसंख्यक आयोग के चेयरमैन जाकिर

खान मंसूरी से मुलाकात की और साथ में बी पब्लिक स्कूल के चेयरमैन मो अनीस दुर्रानी मौजूद थे और आईटी गेट कालू सराय से समाज सेवक मोहम्मद रफीक भाई और समाज सेवक बलविंदर खोसला भी साथ थे। करोना के मद्देनजर जाकिर खान से चर्चा हुई व दिल्ली में करोना के दौरान होने वाली घटनाओं पर भी चिंतन किया व मोहम्मद रफीक को कहा कि आप मालवीय नगर विधानसभा की मस्जिदों का ब्योरा दें और खोसला से कहा कि आप एक पीस कमेटी की बैठक रखें क्योंकि खोसला पहले दिल्ली अल्पसंख्यक आयोग पीस कमेटी के सदस्य भी रह चुके हैं वह पूर्व सदस्य बनने के लिए अनीस दुर्रानी पर फराश खाना में बच्चों का स्कूल चला रहे हैं व योगाभ्यास आश्रम ट्रस्ट के साथ क्रांतिकारी वीरों को याद करने के लिए बच्चों का सहयोग व दिल्ली अल्पसंख्यक आयोग से प्रोत्साहन मिलता रहता है शीघ्र ही स्वामी अमित देव के सानिध्य में तिलक नगर में एक बैठक का आयोजन किया जाएगा जिसमें ताहिर खान साहब खुद मौजूद रहेंगे।

सिसोदिया के बीजेपी को दिए चैलेंज का कांग्रेस ने दिया जवाब, कहा- मौतों के जिम्मेदार आप

नई दिल्ली । दिल्ली में एक बार फिर ऑक्सिजन की जंग शुरू हुई है लेकिन इस बार जनता नहीं बल्कि राजनीतिक दलों के बीच ऑक्सीजन को लेकर घमासान शुरू हो गया है. कोरोना की दूसरी लहर में ऑक्सीजन की क़िल्लत को लेकर दिल्ली सरकार और केंद्र के बीच टकराव हुआ था. ऑक्सीजन की कमी का सच सामने लाने के लिए सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर ऑक्सीजन ऑडिट कमिटी बनाकर जांच हुई. अब बीजेपी का दावा है कि ऑडिट रिपोर्ट में ये सामने आया है कि ऑक्सीजन की कमी पर दिल्ली सरकार ने झूठ बोला है. अपनी मांग को चार गुना तक बढ़ा चढ़ाकर बताया. वहीं, केजरीवाल सरकार ने कहा है कोई ऑडिट रिपोर्ट आई ही नहीं है. वहीं डिप्टी सीएम मनीष ससिोदयिा के बीजेपी को दएि चैलेंज का जवाब कांग्रेस की ओर से आया है. कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष अनिल चौधरी ने कहा कि ऑक्सीजन की कमी की वजह से हुई मौतों के लिए राय सरकार ही जिम्मेदार है और वो अपनी जिम्मेदारी से पीछे नहीं हट सकती है. राय सरकार ने ऑक्सीजन की कमी का झूठा दावा किया, जिससे हजारों लोग दिल्ली में अपने परिजनों को लेकर भटकते रहे. राय सरकार ने ऑक्सीजन स्टोरेज की व्यवस्था नहीं की थी, फिर भी 1180 मिट्रिक टन ऑक्सीजन की कमी का दावा कर दिया.

बता दें कि आज सुबह से ही बीजेपी ऑक्सीजन ऑडिट रिपोर्ट का हवाला देकर दिल्ली की राय सरकार पर हमलावार है. बीजेपी के दिल्ली मुख्यालय में आयोजित प्रेस वार्ता में संबित पात्रा ने केजरीवाल पर ऑक्सीजन को लेकर राजनीति करने के आरोप लगाए. उन्होंने कहा कि दिल्ली के सीएम ने झूठ बोलकर 12 रायों को प्रभावित किया. आज सुप्रीम कोर्ट में ऑक्सीजन ऑडिट टीम ने अपनी अंतरिम रिपोर्ट पेश की, जिसमें कहा गया है कि दिल्ली सरकार ने ऑक्सीजन की मांग को बढ़ा-चढ़ाकर बताया है. ऑक्सीजन को लेकर जिस प्रकार की राजनीति अरविंद केजरीवाल जी और दिल्ली सरकार ने की, आज उसका पर्दाफाश हुआ है.

डिप्टी सीएम ने दिया था ये चैलेंज- मामले में बीजेपी के आरोपों पर पलटवार करते हुए दिल्ली के डिप्टी सीएम मनीष सिसोदिया ने बीजेपी को ऑक्सीजन ऑडिट रिपोर्ट पेश करने का चैलेंज दिया था. सिसोदिया ने कहा कि ऐसी कोई रिपोर्ट है ही नहीं. भाजपा इस पर झूठ बोल रही है. मनीष सिसोदिया ने गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि भाजपा वाले अपने मुख्यालय में बैठकर रिपोर्ट बनाते हैं और उसे ऑक्सीजन ऑडिट रिपोर्ट बताते हैं. सुप्रीम कोर्ट ने ऑक्सीजन ऑडिट कमेटी बनाई है. हमने कमेटी के कई सदस्यों से बात की है. उन्होंने कहा कि किसी रिपोर्ट पर अभी साइन ही नहीं किया गया है. साथ ही उन्होंने कहा कि ऑक्सीजन ऑडिट कमेटी के सदस्यों ने साइन किया हो या उसे अप्रूव किया गया हो, ऐसी कोई रिपोर्ट है तो सामने लेकर आएं.

क्या है पूरा मामला- राजधानी दिल्ली में कोरोना की दूसरी लहर में 25 अप्रैल से 10 मई के बीच हालात बदतर हो गये थे. दिल्ली समेत देश के कई रायों में ऑक्सीजन के लिए हाहाकार मचा था. कई शहरों में लोग ऑक्सीजन के लिए दिन-रात भटक रहे थे. यहां तक कि अस्पतालों में भी ऑक्सीजन की क़िल्लत से सैकड़ों मरीज़ों की मौत के दावे किए गए थे. केंद्र और दिल्ली सरकार के बीच ऑक्सीजन सप्लाई और डिमांड को लेकर आरोप-प्रत्यारोप शुरू हो गए. मामला सुप्रीम कोर्ट पहुंचा, जहां 12 सदस्यीय ऑडिट कमिटी बनाई गई. ऑडिट कमिटी की टास्क फ़ोर्स ने जब ऑक्सीजन को लेकर पहली बार रिपोर्ट जारी की, तो उसमें दिल्ली सरकार पर सवाल उठाए गए. ऐसे में बीजेपी को सियासी हमले का ऑक्सीजन मिल गया है.

पहलवान सुशील को तिहाड़ जेल किया शिफ्ट, शिफ्टिंग से पहले पुलिस कर्मियों ने खूब ली सेल्फी, खड़ा हुआ विवाद, वायरल हुईं फोटो

नई दिल्ली । पहलवान सागर धनखड़ मर्डर मामले में आरोपी सुशील कुमार पहलवान को आज कड़ी सुरक्षा के साथ मंडोली जेल से तिहाड़ जेल में शिफ्ट कर दिया गया है. सुशील को तिहाड़ जेल शिफ्ट किए जाने के दौरान पुलिसकर्मी उसके साथ सेल्फी लेकर उसको आरोपी की बजाय एक सेलिब्रिटी के रूप में फील कराते हुए नजर आए. सुशील पहलवान भी इस दौरान चेहरे पर मुस्कान लिये हुए सेल्फी देता नजर आया.

इस बीच देखा जाए तो सुरक्षा की जिम्मेदारी निभा रहे पुलिसकर्मियों ने सुशील पहलवान के साथ जमकर सेल्फी ली. सुशील भी चेहरे पर भी मुस्कान लिये खुद को स्टार महसूस करते हुए दिखा. पुलिसकर्मियों द्वारा ली गई यह सेल्फी काफी तेजी से वायरल हो रही है.

जानकारी के अनुसार, सुशील बीते दो जून से मंडोली जेल में बंद था. नाम राशि के अनुसार उसे तिहाड़ जेल में शिफ्ट किया जाना था. 22 दिन तक मंडोली जेल में रखने के बाद उसे आज तिहाड़ जेल में शिफ्ट किया गया है. इसके लिए सुबह दिल्ली पुलिस की बटालियन में तैनात जवान गाड़ी लेकर पहुंचे थे. वहीं सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए स्पेशल सेल के कुछ पुलिसकर्मियों को भी ड्यूटी में लगाया गया था.

यह सभी पुलिसकर्मी मंडोली जेल में सुशील पहलवान को शुक्रवार सुबह लेने के लिए पहुंचे थे. यहां से कड़ी सुरक्षा में सुशील को तिहाड़ जेल शिफ्ट कर दिया गया है. दिल्ली पुलिस के जवान जब सुशील को जेल से शिफ्ट करने के लिए पहुंचे, तो वहां सुशील के साथ सेल्फी खिंचवाने लगे. सुशील भले ही हत्या का आरोपी हो लेकिन पुलिसकर्मी उसे स्टार की फील दिलवा रहे थे. सुशील भी मुस्कुराते हुए उन्हें सेल्फी दे रहा था. ऐसे कई पुलिसकर्मियों की फोटो वायरल हुई हैं जिसे लेकर विवाद हो रहा है. सुशील इस समय सेलिब्रिटी नहीं बल्कि हत्या का आरोपी है जिसके साथ पुलिसकर्मी सेल्फी ले रहे हैं. पुलिस सूत्रों के अनुसार, ये वायरल सेल्फी उन पुलिसकर्मियों की मुसीबतें बढ़ा सकती है. दिल्ली पुलिस महासंघ के अध्यक्ष व पूर्व एसीपी वेद भूषण ने बताया कि पुलिसकर्मियों द्वारा किसी अपराधी के साथ सेल्फी लेना निंदनीय है. सुशील आज के समय में एक हत्या का आरोपी है और इस तरीके से उसके साथ सेल्फी लेना पुलिसकर्मियों के साथ उसकी नजदीकी को साबित करता है. सुशील ना केवल एक बड़ा चेहरा है बल्कि कई गैंग से उसके गठजोड़ की बात भी सामने आ चुकी है. ऐसे में इस बात को नकारा नहीं जा सकता कि बदमाश हमला कर सुशील को पुलिस हिरासत से छुड़वा सकते थे.

नई दिल्ली में यमुना पुश्ता क्षेत्र के एक केंद्र में बेघरों के लिए टीकाकरण अभियान के दौरान एक लाभार्थी को कोविड -19 की खुराक मिलती हुई।

आज किसान आंदोलन के 7 महीने हो रहे हैं पूरे, राकेश टिकैत बोले- अब बिना बताए ट्रैक्टर ले जाएंगे दिल्ली

नई दिल्ली । दिल्ली बॉर्डर पर चल रहे किसान आंदोलन में तेज़ी लाने के लिए गुरुवार को संयुक्त किसान मोर्चा ने किसान ट्रैक्टर यात्रा का आयोजन किया. इस दौरान भारतीय किसान यूनियन के नेता राकेश टिकैत ने कहा कि ये ट्रैक्टर रिहर्सल है. अब किसान बिना बताए दिल्ली जाएंगे. उन्हें अब भी उम्मीद है कि सरकार किसानों से बात करेगी. उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार जब तक एमएसपी पर कानून नहीं बनाएगी तब तक ये आंदोलन चलता रहेगा.

दरअसल, कृषि बिल के लिए दिल्ली बॉर्डर पर चल रहे किसानों के आंदोलन में तेज़ी लाने के लिए गुरुवार को संयुक्त किसान मोर्चा ने किसान ट्रैक्टर यात्रा का आयोजन किया था. ये किसान ट्रैक्टर यात्रा आज सहारनपुर से चलकर मुज़फ्फरनगर जनपद में पहुंची जहां भारतीय किसान यूनियन के कार्यकर्ताओं के द्वारा यात्रा में सवार किसानों को जलपान कराया गया. बाद में मुज़फ्फरनगर जनपद से भी सैकड़ो ट्रैक्टरों और कारों में सवार होकर किसान इस यात्रा में शामिल हुए. इसके बाद ये यात्रा मेरठ टोल प्लाज़ा के लिए

निकल पड़ी, जहां पर रात्रि विश्राम कर ये यात्रा शुक्रवार की सुबह गाज़ीपुर बॉर्डर की ओर कूच करेगी. इस दौरान दिल्ली देहरादून नेशनल हाईवे की एक ओर सड़क पर किसानों की ट्रैक्टर यात्रा का ये जथा ही दिखाई दिया.

लेकिन किसान विचलित नहीं होंगे

इसी तरह रोहतक में संयुक्त किसान मोर्चा के सदस्य योगेंद्र यादव ने कहा कि किसान आंदोलन के कल यानि शनिवार को 7 महीने पूरे हो जाएंगे. ऐसे में देश के सभी राज्यों में संयुक्त किसान मोर्चा गवर्नर को राष्ट्रपति के नाम रोष पत्र सौंपेगा. दरअसल, 26 जून को देश में इमरजेंसी लगी थी, इसलिए ही इस दिन का चुनाव किया गया है. उन्होंने केंद्र सरकार पर भी आरोप लगाते हुए कहा कि सरकार आंदोलन को बदनाम करने का प्रयास कर रही है. लेकिन किसान विचलित नहीं होंगे. आज सरकार ने देश में आपातकाल को सामान्य काल बना दिया है. यही नहीं उन्होंने दिल्ली रोड के आसपास बसे गांव के लोगों को होने वाली दिक्कतों को लेकर माफी भी मांगी.

जितनी देर करेगी उन्हें उतना ही महंगा पड़ेगा- योगेंद्र यादव ने कहा की खेती बचेगी तो ही लोकतंत्र बचेगा, इसी मुद्दे के तहत अब आंदोलन की रणनीति तैयार की गई है. इसके चलते 26 जून को देश के सभी गवर्नर को राष्ट्रपति के नाम रोष पत्र सौंपे जाएंगे. इस दिन का चुनाव इसलिए किया गया है क्योंकि 26 जून को देश में आपातकाल लगा था और इसे आपातकाल दिवस के रूप में भी मनाया जाता है.

योगेंद्र यादव का कहना है कि सरकार की नीयत बातचीत को लेकर साफ नहीं है. सरकार घमंड में है कि किसानों के आंदोलन को थका कर तोड़ देगी. लेकिन सरकार के इस मंसूबे को पूरा नहीं होने दिया जाएगा और किसान बिल्कुल विचलित नहीं होगा. आज तक सरकार आंदोलनकारी किसी भी संगठन को तोड़ नहीं पाई. यही नहीं योगेंद्र यादव ने कहा कि सरकार बातचीत में जितनी देर करेगी उन्हें उतना ही महंगा पड़ेगा.

इतने लोगों को 7 महीने तक इकट्ठा रख सके- किसान आंदोलन के समाधान को लेकर जवाब देते हुए उन्होंने कहा कि समाधान तब होगा जब सत्ता जनता के सामने सिर झुकाएगी और सिर झुकाने से आदमी बड़ा होता है. आज देश में लोकतंत्र की हत्या हो रही है और वह हत्या भी धीरे-धीरे गला रेत कर की जा रही है. उन्होंने कहा कि 26 जून को जो आपातकाल लगा था उस आपातकाल को मौजूदा सरकार ने सामान्य काल बना दिया है, जो कि देश के लिए खतरनाक है. पहले जिस आंदोलन को भाजपा के नेता पवित्र आंदोलन कहते थे, अब उसे कैसे राजनीतिक बता रहे हैं. अगर भाजपा दो मुंह से बात करेगी तो पकड़ी जाएगी, क्योंकि किसी भी राजनीतिक दल में इतनी औकात नहीं है कि वह इतने लोगों को 7 महीने तक इकट्ठा रख सके.

आंदोलन स्थल के पास रहने वाले लोगों को आ रही परेशानियों के चलते उन्होंने माफी मांगी और कहा कि वे जानते हैं कि लोगों को दिक्कतें हो रही हैं. लेकिन जहां तक आंदोलन के खिलाफ पंचायत होने की बात है तो वह भाजपा व आरएसएस द्वारा प्रायोजित पंचायत थी. आंदोलन स्थल पर हुई घटनाओं को लेकर जवाब देते हुए योगेंद्र यादव ने कहा कि कुछ राजनीतिक गिद्ध लाशों पर नजर बनाए हुए हैं, जो आंदोलन के अंदर घूमते रहते हैं. जो इसी तरह के मामलों का इंतजार करते हैं. जहां तक एक महिला से रेप और एक व्यक्ति की जलकर मरने का मामला है, उसमें किसान आंदोलन के नेताओं ने आगे बढ़कर प्रशासन की मदद की है.

चर्चा के लिए तैयार रहेंगे- वहीं, बीजेपी के प्रवक्ता संबित पात्रा ने कहा कि किसानों को लेकर उदासीन नीति जो कांग्रेस ने बनाई थी उसको दूर करनेक का काम मोदी सरकार ने किया है. स्वामीनाथन जी का सपना था एमएसपी बढ़ाया जाया, जिसे मोदी सरकार ने किया. उन्होंने कहा कि बीजेपी सरकार की नियत स्पष्ट दिखाई देती हैं. उनकी माने तो बीजेपी किसानों के साथ खड़े होने वाली सरकार है. इसके अलावा कृषि मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर ने कहा कि उनकी सरकार ने किसान नेताओं से 10-12 बार 50 घंटे से अधिक चर्चा की है. आज भी भारत सरकार पूरा मन रखती है कि किसान खुले मन से बताए. जब भी किसानों की ओर से प्रस्ताव आएगा हम चर्चा के लिए तैयार रहेंगे.

संपादकीय

गांव महामारियों से कैसे लड़ेंगे?

भारत में कोरोना महामारी की दूसरी लहर से अभी हम निपट ही रहे थे कि तीसरी लहर की भी आशंका जता दी गई। पहली लहर में भारत के गांव प्रभावित नहीं हुए थे, लेकिन दूसरी लहर ने गांवों को भी बुरी तरह प्रभावित किया है। गांवों के स्पष्ट आंकड़े अभी आने बाकी हैं, लेकिन उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश, बिहार, झारखंड आदि राज्यों में गांवों में कोरोना का व्यापक असर देखने को मिल रहा है। तीसरी लहर की मारक क्षमता के बारे में बताया जा रहा है कि यह ग्रामीण क्षेत्रों में ज्यादा तबाही मचाएगी। ग्रामीण स्वास्थ्य के मोर्चे पर चुनौतियां शहरों व कस्बों से बहुत ज्यादा हैं। जब हमारे ग्रामीण इलाके मलेरिया, हैजा, टाइफाइड जैसे संक्रामक रोगों से लड़ने में अक्षम हैं, तब कोविड-19 जैसी महामारी का सामना कैसे कर सकते हैं? 2018 में राज्यसभा में दी गई जानकारी के अनुसार, देश में कुल प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों की संख्या 25,650 है। सरकार द्वारा स्थापित प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों में से 15,700 (61.2 प्रतिशत) में केवल एक डॉक्टर उपलब्ध है और 1,974 (7.69 प्रतिशत) स्वास्थ्य केंद्रों पर तो डॉक्टर ही नहीं है। ऐसा नहीं है कि ग्रामीण स्वास्थ्य के क्षेत्र में सरकारी तौर पर काम नहीं हुआ है। स्वास्थ्य, महिला एवं परिवार कल्याण, जनजातीय विकास, ग्रामीण विकास, जल संसाधन एवं पेयजल, आयुष, खाद्य एवं आपूर्ति मंत्रालयों के साथ ही सर्वशिक्षा अभियान, राष्ट्रीय ग्रामीण स्वास्थ्य मिशन, एड्स कंट्रोल आदि के तहत भी काम हुए हैं, लेकिन स्वास्थ्य संरचना सबके सामने है। आज मिल-जुलकर चुनौती का सामना करना ही सर्वोत्तम विकल्प है। ग्रामीण स्वास्थ्य मिशन, पेयजल एवं स्वच्छता विभाग, पंचायती राज संस्थान, महिला एवं बाल विकास विभाग तथा स्वयंसेवी संस्थाओं की पूर्ण भागीदारी प्राप्त करके ही महामारी से निपटने की रणनीति तैयार की जानी चाहिए। प्रत्येक ग्राम स्तर पर पूर्व से गठित ग्रामीण स्वास्थ्य स्वच्छता एवं पोषण समिति इस कठिन दौर में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका अदा कर सकती है। इस समिति को तत्काल सक्रिय एवं मजबूत बनाने की पहल की जानी चाहिए। इस समिति में ग्राम सभा, पंचायती राज संस्थान, अनुसूचित जनजाति तथा अनुसूचित जाति के साथ जनसंख्या बाहुल्य के अनुरूप पिछड़े वर्गों तथा अल्पसंख्यक समुदाय को प्रतिनिधित्व प्रदान किया गया है। महिलाओं की भागीदारी इसमें विशेष रूप से सुनिश्चित की गई है। सरकार के महत्वपूर्ण विभाग, जैसे, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण, पेयजल एवं स्वच्छता विभाग तथा महिला एवं बाल विकास को इसमें मुख्य कार्यकारी भूमिका में रखा गया है। ग्रामीण मोर्चे पर यह समिति कारगर साबित हो सकती है। कोरोना वैक्सीन के प्रति उपजन भ्रांतियों के निवारण में यह समिति विलक्षण भूमिका अदा करने में सहायक सिद्ध हो सकती है। इस आपदा काल में जांच, निगरानी तथा घर में बंद कोरोना मरीजों तक जरूरी चिकित्सा सुविधा पहुंचाने में यह समिति मददगार साबित हो सकेगी। पंचायत स्तर पर गठित 'राष्ट्रीय ग्रामीण स्वास्थ्य, स्वच्छता एवं पोषण समिति' को स्वास्थ्य समन्वय के लिए सरकार प्रतिवर्ष अनुदान भी देती है। समन्वय के प्रयोग पहले भी हुए हैं और सफल भी रहे हैं, लेकिन उन्हें आगे नहीं बढ़ाया गया। डॉक्टर मनमोहन सिंह के नेतृत्व वाली पूर्ववर्ती केंद्र सरकार ने पोषाहार की समस्या से निपटने के लिए एक 'न्यूट्रिशन कॉलिशन' बनाई थी। सभी मंत्रालयों को इसके साथ जोड़ा गया था। इसी दौरान एक शब्द सामने आया 'कनवर्जन'। इसके तहत देश की कई सामाजिक और गैर-सरकारी संस्थाओं को जोड़ा गया। इस योजना के लिए दलाई लामा ने आर्थिक सहयोग दिया और महान कृषि वैज्ञानिक एम एस स्वामीनाथन के नेतृत्व में इसे प्रारंभ किया गया। 'ब्लॉक स्तरीय ऑपरेशनल प्लान' के नाम से गुमला प्रखंड में इसे प्रारंभ किया गया। स्थानीय स्तर पर गुमला के उपायुक्त खुद इस योजना की देख-रेख कर रहे थे। योजना बेहद सफल साबित हुई, लेकिन इसे विस्तार नहीं दिया गया। बाद में न जाने क्यों इस योजना को बंद कर दिया गया। सरकार ने एक प्रयोग और किया। ग्रामीण स्वास्थ्य व्यवस्था को दुरुस्त करने के लिए उसने आशा कार्यकर्ताओं का एक बड़ा नेटवर्क खड़ा किया। साथ ही, आंगनबाड़ी व्यवस्था खड़ी की। यही नहीं, सखी मंडलों का भी गठन किया गया। फिलहाल देश भर में आशा कार्यकर्ताओं की संख्या लगभग 10 लाख है और आंगनबाड़ी श्रमिकों की संख्या छह लाख के करीब। इन योजनाओं के उद्देश्य बेहद पवित्र थे, लेकिन ये दोनों योजनाएं सफल होते-होते रह गईं, क्योंकि इन योजनाओं के कार्यकर्ताओं के चयन, प्रशिक्षण और नियोजन में सरकारी अधिकारियों का अनावश्यक हस्तक्षेप होने लगा। आशा कार्यकर्ताओं को ग्रामीण क्षेत्र के स्वास्थ्य संरचना को दुरुस्त करना था। फिलहाल आशा कार्यकर्ताओं का उपयोग अन्य सरकारी कार्यों के लिए किया जाने लगा है। सरकार की अन्य कई योजनाओं की तरह ही ये दोनों योजनाएं भी हाथी के दांत साबित हो रही हैं। यदि आशा कार्यकर्ताओं को पंचायत निकायों के अंदर रखकर काम कराया जाता, तो यह योजना सफल रहती। महामारियां तो पहले भी आती रही हैं। केवल बिहार, झारखंड में ही हैजा, मलेरिया, कालाजार, डायरिया, प्लेग, चेचक आदि से प्रतिवर्ष हजारों लोगों की जान चली जाती है। इधर के दिनों में भी चमकी बुखार, चिकनगुनिया, डेंगू आदि से प्रत्येक वर्ष कई हजार लोग मर जाते हैं। आखिर इन महामारियों से निजात कैसे मिली? इसका एक छोटा-सा उदाहरण यहां प्रस्तुत करना ठीक रहेगा। झारखंड के आदिवासी बाहुल्य क्षेत्रों में कुछ सामाजिक व गैर-सरकारी संगठनों ने मलेरिया बीमारी को चुनौती के रूप में लिया और जन-जागरण के माध्यम से इस बीमारी की मारक क्षमता को सीमित कर दिया। आज भी साल के तीन महीने, मई से जुलाई तक आदिवासी क्षेत्रों में यह अभियान चलाया जाता है। इसका व्यापक प्रभाव देखने को मिलता है। अब इन क्षेत्रों में मलेरिया के साथ जीना लोग सीख गए हैं। मृत्यु दर में भी कमी आई है। बेशक, देश में गैर-सरकारी संस्थाओं के माध्यम से स्वास्थ्य की आधारभूत संरचना खड़ी की जा सकती है। साथ ही, स्थानीय निकायों, खासकर ग्राम पंचायतों और ग्राम सभाओं के माध्यम से स्थानीय युवक-युवतियों को प्रशिक्षित करके स्थानीय समाज में स्वास्थ्य के प्रति पर्याप्त जागरूकता का संचार किया जा सकता है।

प्रवीण कुमार सिंह

जी-7 के साथ बढ़ती भारत की सक्रियता ने पश्चिम के साथ बढ़ती सहभागिता को दिया एक नया क्षितिज

> **हिंद-प्रशांत क्षेत्र में अब क्वाड जैसी चौकड़ी से लेकर पश्चिम के साथ मजबूत होते संबंध भारतीय विदेश नीति में अप्रत्याशित सक्रियता की बानगी हैं, जो भारत के उदय की प्रतीक है और यह घरेलू परिदृश्य से खासी उलट है, जहां अमूमन उसकी बदरंग तस्वीर पेश की जाती है। जहां भारत बड़े आत्मविश्वास के साथ दुनिया के साथ सक्रिय हो रहा है, वहीं विश्व भी उसी अनुपात में भारत के नजदीक आ रहा है। जी-7 में भारत की मौजूदगी, उसकी अंतर्निहित शक्ति के लिए किसी अनुपम उपहार से कम नहीं। भले ही भारत को अक्सर दस्तक देने वाली चुनौतियों से क्यों न जूझना पड़े, उसकी इस अंतर्निहित शक्ति को कम करके नहीं आंका जाना चाहिए।**

साल भर पहले की बात है, जब तत्कालीन अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने जी-7 समूह को पुराना पड़ चुका समूह करार देते हुए कहा था कि वह दुनिया के समकालीन ढांचे का उचित रूप से प्रतिनिधित्व नहीं करता। अमेरिका के साथ इसमें शामिल कनाडा, फ्रांस, जर्मनी, इटली, जापान और ब्रिटेन जैसे सात देशों के इस समूह को लेकर नए अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन का रवैया अपने पूर्ववर्ती से इतर नजर आया। बाइडन ने इसे अपनी कूटनीतिक पहुंच को बढ़ाने का मंच बनाया है। राष्ट्रपति के रूप में अपने पहले बड़े विदेशी दौरे पर उन्होंने अपनी यही मंशा रेखांकित करने का प्रयास किया कि अमेरिका अपने मूल स्वरूप में लौट आया है और विश्व के समक्ष सबसे बड़ी चुनौतियों और भविष्य के लिहाज से महत्वपूर्ण मसलों से निपटने के मामले में दुनिया के लोकतांत्रिक देश एकजुट हैं।

बाइडन के इस लंबे दौरे का पहला पड़ाव बना इंग्लैंड का कॉर्नवाल शहर, जहां ब्रिटिश प्रधानमंत्री बोरिस जॉनसन के साथ उन्होंने द्विपक्षीय संबंधों की नई तान छेड़ी। ट्रंप काल की उथल पुथल और ब्रेक्जिट के बाद यह दोनों देशों के राष्ट्र प्रमुखों की पहली द्विपक्षीय बैठक रही। तथाकथित खास रिश्ते में नई जान फूंकने के लिए दोनों नेताओं ने अटलांटिक घोषणापत्र के नए प्रारूप पर हस्ताक्षर किए। इसके साथ ही वैश्विक चुनौतियों के समाधान और लोकतंत्र की रक्षा, सामूहिक सुरक्षा की महत्ता और एक उचित एवं सतत वैश्विक व्यापार तंत्र जैसे विभिन्न मुद्दों पर सहयोग बढ़ाने का संकल्प लिया। इसके अलावा दोनों देशों के बीच तमाम उलझे हुए पेच सुलझाने पर भी बात हुई।

अपनी आठ दिन की लंबी यात्रा में बाइडन बहुत व्यस्त रहने वाले हैं। जी-7 शिखर सम्मेलन और ब्रिटिश महारानी की मेहमाननवाजी करने के

अलावा बतौर राष्ट्रपति वह पहले नाटो सम्मेलन में शिरकत करेंगे, यूरोपीय संघ के अधिकारियों से मिलेंगे और आखिर में बुधवार को जिनेवा में उनकी मुलाकात रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से होगी। यह आखिर पड़ाव ही सबसे असहज होगा और दुनिया भर की निगाहें इस मुलाकात पर लगी होंगी। बहरहाल इस दौरे के केंद्र में रहे जी-7 की चर्चा करें तो ब्रिटेन की अध्यक्षता में वह कुछ मुख्य बिंदुओं पर केंद्रित रहा। मसलन कोरोना वायरस से वैश्विक मुक्ति के साथ ही भविष्य की महामारियों के खिलाफ ढाल को मजबूत बनाना, मुक्त एवं उचित व्यापार को साधकर भविष्य की समृद्धि को प्रोत्साहन देना, जलवायु परिवर्तन से निपटना, पृथ्वी की जैवविविधता को संरक्षित करना और साझा मूल्यों एवं खुले समाज की पैरवी करने जैसे बिंदु मुख्य रूप से इसमें मुखर रहे। फिर भी कोविड-19 से राहत ही केंद्र में रही। यह बोरिस जॉनसन द्वारा महत्वाकांक्षी रूप से तैयार प्रारूप में भी झलका, जिसके अनुसार जी-7 वैश्विक महामारी को लेकर नई वैश्विक संधि की दिशा में पहल करेगा, ताकि दुनिया को ऐसी दुश्वारी फिर कभी न झेलनी पड़ी। ऐसी पहल को लेकर कुछ गंभीरता भी दिखती है। जैसे बाइडन प्रशासन सम्मेलन से पहले ही एलान कर चुका था कि अमेरिका दुनिया के 90 गरीब देशों को 50 करोड़ कोरोना रोधी टीकों की खेप उपलब्ध कराएगा।

कोविड ग्रस्त दुनिया को मदद की अमेरिकी पहल निश्चित ही स्वागतयोग्य कदम है, लेकिन यह वैश्विक संकट जितना बड़ा है, उसे देखते हुए विश्व की अन्य शक्तियों को अगले वर्ष की शुरुआत तक 180 करोड़ टीके उपलब्ध कराने के लक्ष्य को हासिल करने में भी बड़ा योगदान देना होगा। जी-7 के मौजूदा ढांचे पर भी चर्चा आवश्यक है। यह दुनिया की सात बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में शामिल देशों का समूह है। लोकतंत्र, मानवाधिकार और सतत विकास जैसे साझा मूल्य उन्हें जोड़ने वाली कड़ी का काम करते हैं। चूंकि दुनिया की बड़ी शक्तियों के बीच भू-राजनीतिक तनाव बढ़ रहा है तो जी-7 के लक्ष्य भी पुनर्परिभाषित हो रहे हैं। इसी कड़ी में ब्रिटेन ने वैश्विक शासन संचालन को और प्रभावी ढंग से चलाने के लिए एकसमान सोच वाले विशेषकर लोकतांत्रिक देशों यथा ऑस्ट्रेलिया, दक्षिण कोरिया, भारत और दक्षिण अफ्रीका को भी जी-7 सम्मेलन में अतिथि देश के रूप में आमंत्रित किया।

दरअसल चीन की लगातार विकराल होती चुनौती का प्रभावी तोड़ निकालने के लिए विकसित औद्योगिक देशों को अपना दायरा विस्तृत करने की जरूरत महसूस हो रही है। ऐसी कवायद में भारत प्रमुख साझीदार के रूप में उभरा है।

जी-7 ने चीन से मुकाबले के लिए एक व्यापक बुनियादी ढांचा परियोजना के एलान से स्पष्ट कर दिया कि वह ड्रैगन से निपटने को लेकर गंभीर है। वर्ष 2014 के बाद प्रधानमंत्री मोदी ने दूसरी बार जी-7 सम्मेलन को संबोधित किया। गत वर्ष डोनाल्ड ट्रंप ने भी मोदी को सम्मेलन के लिए आमंत्रित किया था, लेकिन वह अमेरिका में महामारी के कारण वहां नहीं जा सके थे। इस बार वह देश में महामारी से निपटने के प्रबंधन में जुटे हैं। इस कारण उन्होंने वर्चुअली ही भाग लिया और वन अर्थ, वन हेल्थ जैसा मंत्र दिया। पिछले कुछ समय से जी-7 के साथ बढ़ती भारत की सक्रियता ने पश्चिम के साथ पहले से ही बढ़ती उसकी सहभागिता को एक नया क्षितिज दिया है। भारत भी उन देशों के साथ रिश्तों की पींगें बढ़ा रहा है, जिनके बारे में उसे लगता है कि वे उसकी क्षमताओं में वृद्धि और वैश्विक गवर्नेंस में उसका लाभ उठाने के इच्छुक हैं। यही कारण है कि स्वतंत्र भारत के इतिहास में पश्चिम के साथ भारत की प्रगाढ़ता फिलहाल सबसे उच्च स्तर पर है।

हिंद-प्रशांत क्षेत्र में अब क्वाड जैसी चौकड़ी से लेकर पश्चिम के साथ मजबूत होते संबंध भारतीय विदेश नीति में अप्रत्याशित सक्रियता की बानगी हैं, जो भारत के उदय की प्रतीक है और यह घरेलू परिदृश्य से खासी उलट है, जहां अमूमन उसकी बदरंग तस्वीर पेश की जाती है। जहां भारत बड़े आत्मविश्वास के साथ दुनिया के साथ सक्रिय हो रहा है, वहीं विश्व भी उसी अनुपात में भारत के नजदीक आ रहा है। जी-7 में भारत की मौजूदगी, उसकी अंतर्निहित शक्ति के लिए किसी अनुपम उपहार से कम नहीं। भले ही भारत को अक्सर दस्तक देने वाली चुनौतियों से क्यों न जूझना पड़े, उसकी इस अंतर्निहित शक्ति को कम करके नहीं आंका जाना चाहिए।

आखिर जब तक पश्चिम से कोई ज्ञान न मिले, तब तक हम अपने को छोटा क्यों समझते रहते हैं?

कौन कहता है कि परंपरा जनित ज्ञान अनुभव जन्य नहीं होता? क्या आज से दो-चार सौ साल से पहले भारत में लोग जीवित नहीं थे? तब क्या यहां के लोगों का ज्ञान शून्य था? आखिर जब तक पश्चिम से कोई ज्ञान न मिले, तब तक हम अपने को छोटा क्यों समझते हैं? बचपन में मां टायफाइड हो जाने पर सौंफ और पुदीने को पानी में उबालकर पीने को देती थी। बहुत से पश्चिमी देशों में भी सौंफ और जीरे का पानी सद्य प्रसूता को पीने के लिए कहा जाता है। हल्दी और अदरक की औषधियों का प्रयोग आज एलोपैथिक डॉक्टर्स भी करते हैं। अक्सर अमेरिका से ऐसी खबरें आती रहती हैं कि वहां उन चीजों का पेटेंट कराया जा रहा है, जिनका इस्तेमाल भारत में सदियों से होता चला आ रहा है। विज्ञान भी अनुभव की बात ही तो करता है। क्लीनिकल ट्रायल इसी को कहते हैं। हमारा अनुभव जन्य ज्ञान ही तो है कि कौन-सी चीज किस चीज के साथ खानी है और किसके साथ नहीं? जैसे कि खीरा खाली पेट नहीं खाना चाहिए। उसके ऊपर पानी नहीं पीना चाहिए।

दूध के साथ भी खीरे, ककड़ी, तरबूज, खरबूज का प्रयोग वर्जित है। ऐसी तमाम बातों को परंपरा से लोग जानते आए हैं। नाड़ी देखकर रोग बताने वाले अपने ही यहां रहे हैं, लेकिन आज हमें बताया जा रहा है कि हम लोग घोर अवैज्ञानिक दृष्टि वाले हैं। हमारे यहां की औषधियां, पारंपरिक चिकित्सा प्रविधियां सब बुढ़िया पुराण हैं, क्योंकि ये सब पश्चिम की वैज्ञानिक तुला पर खरी नहीं उतरी हैं। इस वैज्ञानिक सोच की लाठी में इतना दम है कि वह बिना किसी प्रमाण के अच्छी से अच्छी बात को खारिज कर देती है और कोई उफ भी नहीं करता। शायद इसीलिए गत दिवस मद्रास हाई कोर्ट ने कहा कि बहुत सी चीजें, जिन्हें आज खोजने का दावा किया जा रहा है, उनका हमारी संस्कृति में उल्लेख मिलता है।

यह ठीक है कि पश्चिमी चिकित्सा पद्धति में तात्कालिक लाभ के लिए बहुत से इलाज मौजूद हैं, मगर इस बात में भी दो राय नहीं हैं कि बड़ी फार्मा कंपनियों का प्रमुख उद्देश्य मुनाफा कमाना ही होता है। वहां मुफ्त कुछ नहीं है। कोई कह सकता है कि कंपनी चलानी है तो मुनाफा तो कमाना ही होगा। कौन है जो मुनाफा कमाना नहीं चाहता? यह सब सच है, मगर प्राथमिक बात मुनाफे की होती है, उसे जनसेवा के फ्रेम में मढ़ा जाता है। इसीलिए आप देखेंगे कि इन दिनों कोई भी वह शोध, जो किसी रोग को जड़-मूल से नष्ट कर सकता है, वह होता ही नहीं, क्योंकि रोग का मतलब है, उससे जुड़ी दवाओं की बिक्री। आदमी एक बार बीमार पड़े और जिंदगी भर दवाएं ही खाता रहे तो ऐसी सोने की मुर्गी और कहां हाथ आ सकती है? अक्सर रोग को नष्ट करने वाले शोधों को पहले तो आर्थिक मदद ही नहीं मिलती। मिलती भी है तो वे चूहों तक आते-आते ही खत्म हो जाते हैं। विज्ञान के वेश में मुनाफे की यह लालसा कितनी गहरी है कि जो वैज्ञानिक सचमुच ऐसी खोज करने में दिलचस्पी रखते हैं, जिनसे रोगों को नष्ट किया जा सके तो उन्हें कहीं से मदद नहीं मिलती। दरअसल मेडिकल माफिया की दिलचस्पी उन दवाओं को बनाने में नहीं है, जिनसे रोगों को समूल नष्ट किया जा सके। डायबिटीज जैसे रोग को खत्म करने वाले शोधों को आगे नहीं बढ़ने दिया जाता, जो एक महामारी की तरह ही है। उन्हें डंप कर दिया जाता है। कैंसर की कोई ऐसी दवा आज तक बनाई नहीं गई है, जो इसे खत्म कर सके, क्योंकि रोगों के खत्म होने का मतलब है, मुनाफे का अंत।

जो लोग इस बात का श्रेय लेते हैं कि उन्होंने ही जीवन रक्षक दवाएं बनाई हैं और लोगों की जान बचाते हैं, वे ही बहुत-सी ऐसी दवाएं जो पश्चिम में प्रतिबंधित हैं, उन्हें गरीब देशों में बेचने देते हैं। यदि सरकारें उन्हें लेने से मना करती हैं तो जीवन रक्षक दवाओं की सप्लाई तक बंद करने की धमकी दी जाती है। ये बातें वैज्ञानिक सोच के चमकीले रैपर में कहीं छिप जाती हैं। अब वैज्ञानिक सोच का मतलब बहुतों के लिए अपनी तिजोरी का भरना है। यह मैडम क्यूरी का जमाना नहीं कि उन्होंने रेडियम की अपनी खोज को फ्री में दान कर दिया और व्यापार ने उसका मनमाना उपयोग किया।

जो देश आज अपने को प्रगतिशील होने का दावा करते हैं, क्या वे बताएंगे कि उन हथियारों के विकास में मानवता की कौन-सी सेवा है, जिनसे करोड़ों लोगों का जीवन बर्बाद हो जाता है। जब हिरोशिमा-नागासाकी पर बम गिराया गया था और लोग शीशे की तरह पिघल रहे थे, तब बम बनाने वाले इन दृश्यों को देख खुशी मना रहे थे। हम दूर क्यों जाते हैं, अपने यहां ही भोपाल की यूनियन कार्बाइड कंपनी के गैस लीक होने के कारण हजारों लोग मर गए थे। हजारों आज तक तमाम तरह के रोगों से ग्रस्त हैं। तब इस कंपनी के मालिक वारेन एंडरसन ने धमकी दी थी कि क्या भारत को अमेरिका के साथ व्यापार नहीं करना है। रातोंरात उसे यहां से भगा दिया गया था। आज भी उद्योग को वैज्ञानिक सोच और देश की प्रगति के लिए जरूरी माना जाता है, लेकिन इस विकास में मानवता के लिए बहुत-सी मुसीबतें भी छिपी हैं। जैसे कि नदियों की दुर्दशा के लिए बहुत हद तक उनके किनारे लगे उद्योग जिम्मेदार हैं। पर्यावरण के मामले में भी यही सच है। कृषि की पैदावार बढ़ाने के लिए जिन कीटनाशकों को वैज्ञानिकों ने बनाया, उनके इस्तेमाल से धरती की उर्वरा शक्ति ही खत्म नहीं हुई, बल्कि बहुत-से स्थानों पर भूजल भी जहरीला हो गया। आज पंजाब का एक जिला कैंसर जिले के नाम से जाना जाता है।

मेडिकल खर्च की मार

मेडिकल खर्च के कारण देश में पहले भी लोग गरीबी की भेंट चढ़ते रहे हैं, लेकिन कोरोना ने उनकी मुश्किलें और बढ़ा दी हैं। 2012 के आंकड़ों के मुताबिक देश में कुल 27 करोड़ लोग गरीबी रेखा से नीचे थे, जिनमें से 5.5 करोड़ अधिक मेडिकल खर्च की वजह से इस दलदल में फंस गए थे। इसकी वजह यह है कि यहां जब कोई बीमार होता है तो उसे इलाज में अपनी जेब से बहुत अधिक पैसा खर्च करना पड़ता है। विश्व बैंक के मुताबिक, भारत में अगर किसी के इलाज पर 100 रुपये का खर्च आता है तो उसमें से 63 रुपये उसे अपनी जेब से देने पड़ते हैं। वहीं हमारे पड़ोस भूटान, श्रीलंका और पाकिस्तान में यह खर्च भारत की तुलना में कम है। चीन में भी यह हर 100 रुपये में 30 रुपये के करीब है। अमीर देशों की तो हालत कहीं अच्छी है। अमेरिका, ब्रिटेन, जर्मनी में मरीजों को इलाज पर हर 100 रुपये में 20 रुपये से कम खर्च करना पड़ता है तो फ्रांस में यह 9 रुपये के करीब है। बाकी का पैसा सरकार खर्च करती है। भारत में राज्यों की बात करें तो वहां भी जहां गरीबी अधिक है, वहीं के लोगों को इलाज पर जेब से अधिक पैसा खर्च करना पड़ रहा है। बिहार में यह खर्च 99.90 रुपये है। इसके बाद मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश और ओडिशा के लोगों को इलाज की खातिर अपनी जेब से काफी अधिक पैसा खर्च करना पड़ रहा है। इस वजह से देश में अधिक से अधिक लोग गरीबी रेखा से नीचे धकेले जा रहे हैं।

1994 से 2014 के बीच नैशनल सैंपल सर्वे डेटा के आधार पर 2018 में एक स्टडी हुई। इसमें दावा किया गया कि 1993-94 में 3.9 फीसदी आबादी के सालाना खर्च में मेडिकल बिल का योगदान 25 फीसदी था। 2011-12 में ऐसे परिवारों की संख्या बढ़कर 4.3 फीसदी हो गई। इस स्टडी में कहा गया था कि इलाज पर खर्च की वजह से देश की करीब 4.5 फीसदी आबादी गरीबी की दलदल में फंस गई। कोरोना महामारी के दौर में रिटायरमेंट फंड से पैसा निकालने की खबरें भी सुर्खियां बनी हैं।

छंटनी, वेतन में कटौती के साथ मेडिकल खर्च भी इसकी एक वजह रही है। दूसरे, भारत में सोशल सिक्योरिटी बहुत कमजोर है, इसलिए इलाज जैसे आकस्मिक खर्च से लोगों पर वित्तीय दबाव बढ़ जाता है। इसलिए यह जरूरी है कि सरकार स्वास्थ्य सेवाओं पर खर्च बढ़ाए। इस साल के आर्थिक सर्वे में भी कहा गया था, किसी देश की सेहत नागरिकों के समान, किफायती और जवाबदेह चिकित्सा तंत्र पर काफी हद तक निर्भर करती है। सर्वे में स्वास्थ्य पर सरकारी खर्च जीडीपी के 1 फीसदी से बढ़ाकर 2.5-3 फीसदी करने का सुझाव दिया गया था। इसमें कहा गया था कि स्वास्थ्य पर खर्च में इतनी बढ़ोतरी की जाए तो नागरिकों को हर 100 रुपये के खर्च में अपनी जेब से 30 रुपये ही देने पड़ेंगे। स्वास्थ्य पर खर्च बढ़ाने की मांग लंबे समय से होती रही है और महामारी के दौर में देश ने जो भुगता है, उसका संदेश यही है कि इसमें देर नहीं करनी चाहिए। यह सिर्फ नागरिकों की नहीं, देश की सेहत का सवाल है।

कोरोना महामारी के समग्र असर से बच्चों को बचाने के लिए पर्याप्त उपायों पर दिया जाए जोर

> **स्कूल बंदी से कोरोड़ों बच्चों की पढ़ाई बाधित है और वे मिड-डे मील से भी वंचित हो गए हैं। कई अध्ययनों से यह स्थापित हो गया है कि इनमें से लाखों बच्चे अपनी कक्षाओं में अब वापस नहीं आ पाएंगे।**
>
> **भारत सहित पूरी दुनिया में बच्चे हमारी राजनीतिक, सामाजिक और आर्थिक प्राथमिकताओं में नहीं रहे। यही कारण है कि बच्चे बड़ी तादाद में शिक्षा से वंचित हैं और बाल मजदूरी आदि के लिए विवश हैं। ऐसे में समय आ गया है कि पूरी एक पीढ़ी को बचाने के लिए राजनीति और विकास के हाशिए पर पड़े बच्चों को केंद्र में लाया जाए। मुनाफा, राजनीति और संपत्ति तो इंतजार कर सकती हैं, लेकिन हमारे बच्चे नहीं। उनकी आजादी, सुरक्षा और बचपन अब और इंतजार नहीं कर सकते।**

दुनिया के करोड़ों बच्चों का भविष्य आज जितना खतरे में है, शायद उतना पिछले कई दशकों में नहीं रहा। इसलिए आज का विश्व बाल श्रम निषेध दिवस बहुत महत्वपूर्ण है। कोरोना महामारी की गंभीर चुनौतियों को दृष्टिगत रखते हुए आज हमें नए संकल्प और संसाधनों के साथ बड़े कदम उठाने की जरूरत है। वर्ष 1998 में 103 देशों की बाल श्रम विरोध के संदर्भ में विश्व यात्र के बाद हमने अंतरराष्ट्रीय श्रम संगठन के वार्षकि सम्मेलन में साल के एक दिन को बाल श्रम विरोधी दिवस के रूप में मनाने का प्रस्ताव रखा था, जिसे वर्ष 2002 में संयुक्त राष्ट्र ने स्वीकृत करके 12 जून सुनिश्चित कर दिया। लेकिन जिस शिद्दत और रफ्तार के साथ बाल मजदूरी के उन्मूलन का काम होना चाहिए था, वह नहीं हुआ।

फिर भी दुनिया इस दिशा में धीरे-धीरे आगे बढ़ रही है। इसलिए इस दिवस को मनाने का औचित्य है। अब कोरोना महामारी और उससे उपजे आर्थिक संकट से यह स्पष्ट हो गया है कि लाखों नहीं, बल्कि करोड़ों बच्चों का बाल मजदूरी में धकेले जाना तय है। इस संबंध में एक चिंताजनक पहलू यह भी सामने आया है कि पिछले 20 साल में पहली बार बाल श्रम के आंकड़े बढ़े हैं। इसलिए हमें बाल श्रम निषेध दिवस पर आत्मावलोकन की जरूरत है। दुनिया में आज जितना संसाधन और तकनीक है, वह पहले कभी नहीं था। लेकिन बावजूद इसके तेजी से आगे बढ़ता मनुष्य अभी भी अपने बच्चों को साथ लेकर चलने में सक्षम नहीं बन पाया है। हमारे करोड़ों बच्चे पीछे छूटे जा रहे हैं। संयुक्त

राष्ट्र और उससे संबंधित संस्थाओं और विश्वभर की सरकारों से अपील करता रहा हूं कि बच्चों की शिक्षा, स्वास्थ्य और सुरक्षा के क्षेत्र में उनकी आबादी के अनुपात में भले ही न सही, लेकिन आवश्यकता के हिसाब से संसाधनों का उचित हिस्सा खर्च किया जाना चाहिए।

विडंबना यह है कि कोरोना महामारी से पूरी दुनिया समान रूप से प्रभावित हुई है, लेकिन उससे निपटने के लिए संसाधनों का जो वितरण किया गया, वह असमान रहा। महामारी से उपजे आर्थिक संकट से अर्थव्यवस्था को उबारने के लिए तमाम देश तरह-तरह के आर्थिक पैकेज दे रहे हैं। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी अमीर देशों ने मिल कर अनुदान की घोषणा की है। लेकिन इनमें बच्चे कहीं नहीं हैं। दुनिया के सबसे गरीब देशों को वर्ष 2020 में कोविड-19 राहत पैकेज के आठ खरब डॉलर में से महज 0.13 प्रतिशत यानी तकरीबन 10 अरब डॉलर ही मदद के लिए दिया गया। बाकी पैसा बड़े कारपोरेट घरानों को उबारने के लिए दे दिया गया।

एक और महत्वपूर्ण बात यह है कि बाल मजदूरी एकांगी समस्या नहीं है। लेकिन दुर्भाग्य से संयुक्त राष्ट्र की संस्थाओं से लेकर विभिन्न देशों की सरकारों ने इन समस्याओं को टुकड़ों में बांट कर अलग-अलग संस्थाओं और मंत्रलयों को सौंप रखा है। जैसे बाल मजदूरी, शिक्षा, स्वास्थ्य और सुरक्षा के लिए अलग-अलग अंतरराष्ट्रीय संगठन और सरकारी विभाग हैं। हमें समझना चाहिए कि बाल मजदूरी, गरीबी, अशिक्षा और बीमारियों के बीच एक दुष्चक्र बना हुआ है, जो एक दूसरे को उत्पन्न करते हैं और फिर आगे बढ़ाते हैं।

वर्ष 1981 में बाल श्रम उन्मूलन का काम शुरू करने के कुछ ही समय में हम जान गए थे कि अशिक्षा और बाल मजदूरी एक ही सिक्के के दो पहलू हैं। इसलिए नीतियों, कार्यक्रमों और लोक जागरण के मुद्दों में इसके समन्वय के प्रयास किए गए। फिर धीरे-धीरे यह समझ आया कि बाल मजदूरी वयस्क बेरोजगारी या फिर दूसरे अर्थो में कहें तो यह गरीबी को बढ़ावा देती है। तब हम इन तीनों के बीच रिश्ते पर जोर देने लगे। लेकिन महामारी के दौरान स्पष्ट हो गया कि इसमें चौथा महत्वपूर्ण आयाम स्वास्थ्य भी है। इसलिए भारत में स्वास्थ्य को मौलिक अधिकार का दर्जा मिलना चाहिए। अशिक्षा, गरीबी और बच्चों का स्वास्थ्य सुनिश्चित करने के लिए बाल मजदूरी का उन्मूलन अनिवार्य है।

हाल ही में विश्व स्वास्थ्य संगठन की 74वीं वर्ल्ड हेल्थ असेंबली में जुटे दुनियाभर के स्वास्थ्य मंत्रियों और वैश्विक नेताओं से कोरोना महामारी से प्रभावित बच्चों की सुरक्षा के लिए अपने-अपने देश में विशेष बजट आवंटित करने और टास्क फोर्स गठन करने का आग्रह किया। संयुक्त राष्ट्र की सभी एजेंसियों को ऐसे समय में एक साथ मिल कर काम करने और इंटर एजेंसी हाई लेवल ग्रुप बनाने का सुझाव फिर से दोहराया। इतना ही नहीं, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को भी पत्र लिखकर आग्रह किया है कि बच्चों के मामले में यह बहुआयामी विपदा है, लिहाजा इससे प्रभावी तरीके से निपटने के लिए वे राष्ट्रीय स्तर पर एक टास्क फोर्स गठित करें।

अगर हम अब भी अपनी गलतियों से नहीं सीखते हैं और हाशिए पर खड़े तथा विकास में सबसे पीछे छूटे बच्चों के लिए कुछ नहीं सोचते और कुछ नहीं करते हैं तो हम अपने बच्चों को कोरोना वायरस के कारण नहीं, बल्कि उससे निपटने की तैयारी की कमी, उदासीनता और अपनी लापरवाही के कारण खो देंगे। महामारी के परिणामस्वरूप दुनिया के तकरीबन 14 करोड़ बच्चे और उनका परिवार अत्यधिक गरीबी के दलदल में धकेल दिया गया। लाखों बच्चे अनाथ हो गए हैं। स्कूल बंदी से कोरोड़ों बच्चों की पढ़ाई बाधित है और वे मिड-डे मील से भी वंचित हो गए हैं। कई अध्ययनों से यह स्थापित हो गया है कि इनमें से लाखों बच्चे अपनी कक्षाओं में अब वापस नहीं आ पाएंगे।

भारत सहित पूरी दुनिया में बच्चे हमारी राजनीतिक, सामाजिक और आर्थिक प्राथमिकताओं में नहीं रहे। यही कारण है कि बच्चे बड़ी तादाद में शिक्षा से वंचित हैं और बाल मजदूरी आदि के लिए विवश हैं। ऐसे में समय आ गया है कि पूरी एक पीढ़ी को बचाने के लिए राजनीति और विकास के हाशिए पर पड़े बच्चों को केंद्र में लाया जाए। मुनाफा, राजनीति और संपत्ति तो इंतजार कर सकती हैं, लेकिन हमारे बच्चे नहीं। उनकी आजादी, सुरक्षा और बचपन अब और इंतजार नहीं कर सकते।

गौरवशाली भारत के स्वामी प्रकाशक एवं मुद्रक प्रवीण कुमार सिंह द्वारा आला प्रिंटिंग प्रेस 3636 कटारा दिना बेग लाल कुआं, दिल्ली.... से मुद्रित एवं, ब्लॉक नं. 23 मकान नं. 399 त्रिलोकपुरी दिल्ली....91
से प्रकाशित संपादक -प्रवीण कुमार सिंह टेलीफोन नं. 011.22786172 फैक्स नं. 011.22786172
RNI, No. DELHIN383334, E-mail: gauravashalibarat@gmail.com इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के पीआरबी एट के तहत

संक्षिप्त खबर

पति-पत्नी के झगड़े में फंसा पुलिसवाला, पांच हजार रुपये रिश्वत लेते धराया

रांची । रांची जिले के नामकुम थाने के एएसआइ रविन्द्र राम को भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो की टीम ने रिश्वत लेते रंगे हाथ गिरफ्तार किया है। बताया गया कि शिकायत मिलने के बाद एसीबी की टीम ने जाल बिछाया और एएसआइ को 5000 रिश्वत लेते आज गिरफ्तार किया। एसीबी की टीम उसे पकड़कर मुख्यालय ले गई है। एसीबी रांची की टीम ने गुरुवार को नामकुम थाने में पदस्थापित सहायक अवर निरीक्षक रवींद्र राम को पांच हजार रुपये रिश्वत लेते रंगे हाथ गिरफ्तार कर लिया। वे पति-पत्नी के बीच सुलह के बावजूद केस डायरी में मदद करने के नाम पर शिकायतकर्ता संतोष कुमार से पांच हजार रुपये रिश्वत ले रहे थे कि एसीबी ने गिरफ्तार कर लिया। संतोष कुमार नामकुम थाना क्षेत्र के सामलौंग स्थित स्वर्णरेखा गार्डेन के फ्लैट नंबर 501-सी के रहने वाले हैं। उन्होंने एसीबी में शिकायत की थी कि उनका व उनकी पत्नी डॉ. अंबिका सिंह के बीच पारिवारिक विवाद हो गया था। इस मामले में उनकी पत्नी ने उन पर नामकुम थाने में दहेज प्रताड़ना से संबंधित धारा में प्राथमिकी दर्ज करा दी थी। बाद में दोनों में समझौता हो गया और दोनों ने न्यायालय में शपथ पत्र के माध्यम से समझौते की जानकारी भी दे दी थी। इसके बावजूद नामकुम थाने के जमादार रवींद्र राम केस डायरी आरोपित संतोष कुमार के पक्ष में लिखने के एवज में रिश्वत की मांग कर रहे थे। रिश्वत नहीं देने पर इनके विरुद्ध केस डायरी न्यायालय में दाखिल करने की बात कर रहे थे। संतोष कुमार की शिकायत पर एसीबी में 23 जून को प्राथमिकी दर्ज की गई थी। इसके बाद 24 जून को तय कार्यक्रम के अनुसार एसीबी ने नामकुम थाने के पास ही बनारसी ढाबे के पास रिश्वत लेते एएसआइ रवींद्र राम को रंगे हाथ गिरफ्तार कर लिया। एसीबी की टीम गिरफ्तार एएसआइ को लेकर एसीबी मुख्यालय पहुंची, जहां से न्यायालय में प्रस्तुत करने के बाद उन्हें न्यायिक हिरासत में भेजने की कवायद कर रही थी।

बाढ़ से निपटने की तैयारी शुरू, पिछले साल दरभंगा में छह लाख 28 हजार लोगों को मिला था आपदा राहत- डीएम

दरभंगा । ललित नारायण मिथिला विश्वविद्यालय के स्नातकोत्तर भूगोल विभाग में व्यापक आपदा प्रबंधन विषय पर एनआईडीएम गृह मंत्रालय के संयोजन में संचालित एक दिवसीय वेबिनार का आयोजन किया गया । कार्यक्रम में भूगोल विभाग के शिक्षकों सहित 570 से अधिक प्रतिभागियों ने पंजीकरण करा भाग लिया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में जिलाधिकारी डॉ. त्यागराजन एसएम ने आपदा प्रबंधन में जिला प्रशासन की भूमिका एवं संस्थागत संरचना , सामुदायिक भागीदारी तथा किसान फसल योजनाओं पर व्याख्यान दिया। कहा कि जिले में बाढ़ से निपटने की तैयारी शुरू है । पिछले वर्ष बाढ़ के दौरान छह लाख 28 हजार परिवारों को डायरेक्ट फंड ट्रांसफर के द्वारा लाभान्वित किया गया था । समन्वयक डॉ. मनु राज शर्मा ने आपदा प्रबंधन के विषय में प्रकाश डाला तथा सभी प्रतिभागियों को इसके महत्व, उ%च शिक्षण संस्थानों की भूमिका तथा प्रधानमंत्री के आपदा संबंधी 10 बिंदु एजेंडे पर महत्वपूर्ण जानकारी दी । कार्यक्रम की अध्यक्षता एनआईडीएम के प्रो. शेखर चतुर्वेदी ने की। मिथिला विवि के कुलपति प्रो. सुरेंद्र प्रताप ङ्क्षसह ने छात्रों की भारी संख्या में सहभागिता पर हर्ष व्यक्त किया तथा विभाग की अनुशंसा की । उन्होंने आपदा में मानवीय पहलू तथा तकनीकी प्रयोग पर व्याख्यान दिया। विश्वविद्यालय की प्रतिकुलपति प्रो. डोली सिन्हा ने राष्ट्रीय सेमिनार के आयोजन के लिए विभाग से प्रयास की सराहना की तथा इससे छात्रों के अधिकाधिक लाभान्वित होने की बात कही। कार्यक्रम के पहले तकनीकी अधिवेशन में विक्रम गुर्जर गुर्जर ने ह्योगो फ्रेमवर्क, एजेंडा 2030, जीसी पंत कमेटी तथा प्रधानमंत्री द्वारा गठित परामर्श कमेटी जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम के दूसरे तकनीकी अधिवेशन में एनडीआरएफ के युवा प्रोफेशनल अरुण वर्मा ने कुर्ला से संबंधित तथ्यों तथा बचाव पर व्याख्यान दिया। धन्यवाद ज्ञापन भूगोल विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. संतोष कुमार ने दिया । कार्यक्रम के दौरान डॉ. अनुरंजन तथा डॉ. गौरव सिक्का की सक्रिय भूमिका दिखी ।

आंगनबाड़ी केंद्रों पर अब सेविका की नहीं चलेगी मनमानी, ट्रैकर एप से होगी निगरानी, इस तरह दिया जा रहा प्रशिक्षण

सुपौल । आईसीडीएस के तहत आंगनबाड़ी के समग्र क्रियान्वयन के लिए एक डिजिटल प्लेटफॉर्म पोषण ट्रैकर एप बनाया गया है। इसके अंतर्गत आंगनबाड़ी के माध्यम से चलने वाली योजनाएं और उसके लाभुक डिजिटल मोड में रहेंगे। इससे एक तरफ जहां योजनाओं की मॉनिटङ्क्षरग बेहतर ढंग से हो सकेगी वहीं इसमें लाभुकों की भी पूरी जानकारी दर्ज रहेगी। जिला कार्यक्रम पदाधिकारी आईसीडीएस राखी कुमारी ने बताया कि आंगनबाड़ी सेविका को इस एप का प्रशिक्षण प्रदान किया जा रहा है। अभी तक लगभग 80 फीसदी सेविकाओं को प्रशिक्षित कर लिया गया है। प्रशिक्षण के दौरान उन्हें एप के संचालन के बारे में विस्तृत जानकारी दी जा रही है। उन्होंने बताया कि आईसीडीएस से संबंधित सेवाओं की गुणवत्ता में सुधार और आंगनबाड़ी केंद्रों के अनुश्रवण को प्रभावकारी बनाने के लिए विभागीय स्तर से लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। इसी को लेकर केंद्र की सतत निगरानी अनुश्रवण के लिए यह एप जारी किया गया है। इससे केंद्रों की सतत निगरानी में न सिर्फ काफी सहूलियत होगी, बल्कि लाभुकों के साथ होने वाले हकमारी पर भी काफी हद तक विराम लगेगा।

इससे पूर्व आंगनबाड़ी केंद्रों के अनुश्रण का कार्य आईसीडीएस केस नामक एप्लीकेशन से होता था। जिसमें लाभुकों की संख्या तथा लाभुकों को लाभ दिया गया या फिर नहीं इसका अनुसरण एप के माध्यम से नहीं हो पाता था। अब इसकी जगह विभाग पोषण ट्रैकर एप बनाया है। इस एप में कई ऐसी सुविधा होगी जिसमें फर्जीवाड़ा की गुंजाइश बहुत ही कम रहेगी। साथ ही आंगनबाड़ी से जुड़ी सेवाओं की गुणवत्ता का बेहतर अनुश्रवण हो सकेगा।

ऐसे काम करेगा नया एप- दरअसल टीएचआर से संबंधित जानकारी हो या शून्य से तीन या तीन से छह साल बच्चों की जानकारी अब सारा कुछ मोबाइल एप पर दर्ज होगा। यही नहीं गर्भवती एवं धात्री महिलाओं का डिटेल भी इस मोबाइल एप में दर्ज रहेगा। इससे आसानी से डैशबोर्ड के माध्यम से यह पता लगाया जा सकेगा कि किस जिले में कितने बच्चे कुपोषण के शिकार हैं या कितने बच्चे नाटेपन के शिकार है। इस एप की सबसे बड़ी खासियत होगी कि अब केंद्र पर कार्यरत सेविका लाभुकों के आंख में धूल नहीं झोंक पाएगी। किन लाभुकों को कौन सा लाभ किस मात्रा में दिया गया है इसकी तमाम जानकारी इस पर अंकित होगी। यदि लाभुकों का मोबाइल और आधार नंबर एप पर उपलब्ध होगा तो उन्हें मिलने वाले लाभ की जानकारी भी मैसेज के माध्यम से पता चल जाएगा

ट्रक, कार और पिकअप से आठ क्विंटल गांजा के साथ सात तस्कर पकड़े गए

रायपुर । रायपुर पुलिस ने गुरूवार को गांजा तस्करों के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की है। सरस्वतीनगर इलाके के कोटा में वाहनों चेकिंग के दौरान लवारिश हालत में खड़े महाराष्ट्र पासिंग की एक ट्रक में नमक की बोरियों के बीच छिपाकर रखे सात क्विंटल गांजा मिला। मौके से कोई भी तस्कर हाथ नहीं लगा। वहीं, मंदिर हसौद क्षेत्र में एक बोलोरे और कार से एक क्विंटल गांजा के साथ सात तस्कर हत्थे चढ़ गए। तस्करों में पांच ओड़िशा के और दो कांकेर व दुर्ग जिले के रहने वाले हैं। गुरूवार शाम को पुलिस कंट्रोल रुम में एएसपी सिटी लखन पटले, एएएसपी क्राइम अभिषेक माहेश्वरी, सीएसपी आजादचौक अंकिता शर्मा ने गांजा तस्करी का भंडाफोड़ किया। उन्होंने बताया कि सरस्वतीनगर क्षेत्र में वाहनों की चेकिंग के दौरान संदिग्ध हालत में खड़े ट्रक क्रमांक एमएच 04 एफपी 3977 की तलाशी लेने पर नमक की बोरियों के बीच में सात क्विंटल गांजा रखा पाया गया। ट्रक समेत गांजे को जब्त कर थाना लाया गया। जब्त गांजे की कीमत 35 लाख रुपये होने का दावा अफसरों ने किया है।फिलहाल ट्रक में गांजा कहां से लाकर और किसे डिलेवर करना था, इस बारे में सरस्वतीनगर थाना पुलिस पतासाजी कर रही है। ट्रक मालिक का भी पता लगाया जा रहा है। ओडिशा से बोलेरो पिकअप और अर्टिका कार में एक क्विंटल गांजा लेकर मध्यप्रदेश जा रहे कांकेर जिले के गांधी ग्राम नकटा, चारामा के संतोष पाल (35), भिलाई कैंप नेहरूनगर चौक के भरत गुप्ता (22), ओड़िशा के बरगढ़ जिले के पदमपुर, राजापारा के त्रिलोचन बाघ (50), बरगढ़ जिले के केदुभाठ (गार्डसिलर) के लक्ष्यपति साहू(36), भेलवापदर, बरगढ़ के लक्ष्मीकांत मोहरे (28), बलांगीर जिले के अएलपाली, लोयसिघा के सदानंद भोई (32) और लुरपराज प्रधान (26) को मौके से गिरफ्तार किया। जब्त गांजे की कीमत सात लाख रुपये बताई जा रही है।

सीएम योगी आदित्यनाथ का निर्देश, कोरोना वायरस के नए वैरियंट को लेकर हाई अलर्ट पर रहें सभी विभाग

लखनऊ । वैश्विक महामारी कोरोना वायरस संक्रमण की सेकेंड स्ट्रेन पर व्यापक नियंत्रण के बाद मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का ध्यान डेल्टा प्लस की ओर है। सीएम योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को लोक भवन में कोविड-19 के प्रबंधन के गठित टीम-09 के साथ समीक्षा बैठक में निर्देश दिया कि सभी विभागों को कोरोना के नए वैरियंट को लेकर हाई अलर्ट पर रखें।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि देश के कई राज्यों में कोरोना वायरस के नए वैरिएंट डेल्टा प्लस से संक्रमित लोगों की संख्या लगातार बढ़ती जा रही है। अब इसको लेकर उत्तर प्रदेश को भी विशेष सतर्कता बरतनी होगी। कोरोना के नए वैरिएंट डेल्टा प्लस को लेकर सीएम योगी आदित्यनाथ के निर्देश के बाद उत्तर प्रदेश में हाई अलर्ट है।

उन्होंने कहा कि कोविड के डेल्टा प्लस वैरिएंट की गहन पड़ताल के लिए अब अधिकाधिक सैम्पल की जीनोम सिक्वेंसिंग कराई जाए। रेलवे, बस , वायु मार्ग से प्रदेश में आ रहे लोगों के सैम्पल लेकर सिक्वेंसिंग कराई जानी चाहिए। जिलों से भी सैम्पल लिए जाएं। रिजल्ट के अनुसार डेल्टा प्लस के प्रभावी क्षेत्रों की मैपिंग कराई जाए। इससे बचाव के प्रयासों में सुविधा होगी। प्रदेश में जीनोम सिक्वेंसिंग की सुविधा के लिए केजीएमयू और बीएचयू में आवश्यक व्यवस्थाएं उपलब्ध कराई जाएं। उन्होंने दूसरे राज्यों से सटे जिलों में सैम्पल लेकर जीनोम सिक्वेंसिंग कराने के निर्देश दे दिए हैं। उनके निर्देश पर डेल्टा प्लस संक्रमण वाले प्रदेशों से आने वाले लोगों की निगरानी और टेस्टिंग शुरू की जा रही है। दूसरे राज्यों से आने वाले लोगों की रेलवे स्टेशन और एयरपोर्ट पर कोरोना की जांच तेज कर दी गई है।

सीएम योगी आदित्यनाथ ने कहा कि देश के कई राज्यों में कोरोना वायरस का नया वैरिएंट डेल्टा प्लस से संक्रमित लोग बड़ी संख्या में मिल रहे हैं। उत्तर प्रदेश को विशेष सतर्कता बरतनी होगी। विशेषज्ञों के अनुसार इस बार का वैरिएंट पहले की अपेक्षा कहीं अधिक खतरनाक है। राज्य स्तरीय स्वास्थ्य विशेषज्ञ परामर्श समिति ने इससे बचाव के लिए विस्तृत अनुशंसा रिपोर्ट तैयार की है। रिपोर्ट के अनुसार अब अपेक्षाकृत अन्य

आयु के लोगों के, बच्चों पर कहीं अधिक दुष्प्रभाव डालने वाला हो सकता है। विशेषज्ञों के परामर्श के अनुरूप बिना देर किए सभी जरूरी कदम उठाए जाएं।

प्रदेश के लोगों को सही जानकारी प्राप्त हो इसके लिए राज्य स्तरीय स्वास्थ्य विशेषज्ञ परामर्श समिति के सदस्यों व अन्य वरिष्ठ चिकित्सकों के माध्यम से जनजागरूकता के प्रयास किए जाएं। मीडिया जगत से भी सहयोग लिया जाना चाहिए। डेल्टा प्लस संक्रमण से प्रदेश को बचाने के लिए राज्य स्तर पर गठित विशेषज्ञ चिकित्सक समिति जल्द ही बचाव को लेकर अपने सुझाव देगी।

सीरो सर्वे के अच्छे परिणाम- सीएम योगी आदित्यनाथ ने कहा कि विगत दिनों कराये गए सीरो सर्वे के प्रारंभिक परिणाम अच्छे संकेत देने वाले हैं। शुरुआती नतीजों के मुताबिक सर्वेक्षण में लोगों में हाई लेवल एंटीबॉडी की पुष्टि हुई है। हमें यह समझना होगा कि वायरस से इस लड़ाई में सभी की भूमिका महत्वपूर्ण है। डबल मास्क, सैनिटाइजेशन, दो गज की दूरी जैसे कोविड बचाव संबंधी व्यवहार को हमें अपनी जीवनशैली में शामिल करना ही होगा। भीड़भाड़ से बचें। थोड़ी सी भी लापरवाही, बहुत भारी पड़ सकती है।

अपरिहार्य स्थिति प्रबंधन में हो चिकित्सक की तैनाती- मुख्यमंत्री ने कहा कि विशेष पदों को छोड़कर, अस्पताल प्रशासन/प्रबंधन में चिकित्सकों की तैनाती अपरिहार्य स्थिति में की जानी चाहिए। चिकित्सक का प्रथम और प्रमुख कार्य मरीज का उपचार करना है, उन्होंने इसी सेवा के लिए अध्ययन और प्रशिक्षण प्राप्त किया है। अन्य कार्यों में उनकी तैनाती, चिकित्सकों को उनके मूल कर्तव्य से विमुख करती है। अस्पताल प्रशासन/प्रबंधन के कार्यों के लिए मास्टर इन हॉस्पिटल एडमिनिस्ट्रेशन अथवा हॉस्पिटल मैनेजमेंट में एमबीए उपाधिधारक युवाओं को अवसर दिया जाना चाहिए। इस संबंध में विस्तृत कार्ययोजना तैयार की जाए।

ऑक्सीजन में उत्तर प्रदेश आत्मनिर्भर

सीएम योगी आदित्यनाथ ने कहा कि उत्तर प्रदेश ऑक्सीजन जेनेरेशन के क्षेत्र में आत्मनिर्भर हो रहा है। गुरुवार को पांच और प्लांट की स्वीकृति दी गई है। प्रदेश में लगातार प्रयासों से अब 114 ऑक्सीजन प्लांट क्रियाशील हो चुके हैं। भारत सरकार के सहयोग से पीएम केयर्स के माध्यम से निर्माणाधीन ऑक्सीजन प्लांट्स को 15 अगस्त तक क्रियाशील कर लिया जाए। मॉनीटरिंग के लिए नोडल अधिकारी तैनात किया जाए। प्लांट स्थापना से जुड़े कार्यों की सतत समीक्षा की जाए।

लखनऊ के चारबाग रेलवे स्टेशन पर कोविड 19 परीक्षणों के लिए यात्रियों के स्वाब के नमूने एकत्र करते हुए।

बलरामपुर में सड़क हादसे में तीन बच्चों समेत छह लोगों की मौत, जन्मदिन मनाने जा रहे थे देवीपाटन

बलरामपुर । बौद्ध परिपथ पर शिवानगर गांव के पास बाइक सवार को बचाने के प्रयास में शक्तिपीठ देवीपाटन मंदिर तुलसीपुर जा रही कार सड़क से नीचे करीब 20 फीट नीचे नाला में जा गिरी। कार सवार छह लोगों की मौत हो गई। इसमें एक ही परिवार के चार लोग शामिल हैं। सभी गोंडा जिले के तरबगंज थान के पूरेमनियाए मनहना गांव के निवासी हैं। पूरेमनिया निवासी इंद्रसेन सिंह ने दूरभाष पर बताया कि कृष्ण कुमार सिंह, पत्नी स्नेहलता, बेटी मिली व बेटा उत्कर्ष, बेटी की सहेली सौम्या (तनु) व कार चालक शत्रुहन सिंह की मौत हुई है। चालक व सौम्या दोनों पूरेमनियाए गांव के ही रहने वाले हैं। बेटे उत्कर्ष का जन्मदिन था। इसलिए शुक्रवार भोर तुलसीपुर शक्तिपीठ देवी पाटन मंदिर दर्शन के लिए निकले थे। रास्ते में दुर्घटना हो गई। जन्मदिन की खुशियां पल भर में मातम में बदल गई। बड़े भाई कृष्ण मोहन सिंह व गांव के लोग पोस्टमार्टम हाउस पहुंच गए है। स्वजनों का रो-रोकर हाल बेहाल है।

प्रभारी थानाध्यक्ष संतोष सिंह ने बताया कि ग्रामीणों की मदद से कार से सभी को बाहर निकाल कर प्राइवेट वाहन से सिपाही मनोज कुमार यादव व शुभम सिंह ने जिला मेमोरियल चिकित्सालय पहुंचाया। चिकित्सक डा. अजय पांडेय ने बताया कि अस्पताल पहुंचने से पहले ही सभी की मौत हो चुकी थी। बाइक सवार थाना महराजगंज तराई के रानीजोत गांव निवासी लाले (21) की हालत गंभीर होने के कारण उसे बहराइच रेफर कर दिया गया है। हवा में उछल गई कारः प्रत्यक्षदर्शी तुलसीपुर निवासी अब्दुल हशिब ने बताया कि सामने से आ रही बाइक को बचाने के चक्कर में कार हवा में उछल कर नाला में जा गिरी। पानी में कार पूरी डूब गई। ग्रामीणों ने आनन फानन में सभी लोगों को कार से किसी तरह बाहर निकाला। पुलिस के पहुंचने पर जेसीबी मशीन से कार को नाला से बाहर निकाला जा सका। तेज रफ्तार में थी कारः तुलसीपुर मार्ग पर बिजलीपुर गांव निवासी पवन कुमार ने बताया कि वह अपने घर के सामने बैठा था। तेज बारिश हो रही थी। उसी बीच तेज रफ्तार में दो वाहनों को ओवरटेक करते हुए कार निकली। करीब नौ किलो मीटर आगे जा कर कार के दुर्घटनाग्रस्त होने की सूचना मिली।

चित्रकूटधाम तथा विंध्यधाम विकास परिषद को मंजूरी, सीएम योगी अध्यक्ष

लखनऊ । उत्तर प्रदेश सरकार का फोकस धार्मिक नगरी में पर्यटन के विकास पर है। इसी क्रम में सरकार लगातार प्रयास में भी लगी है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में शुक्रवार को लोक भवन में सम्पन्न उत्तर प्रदेश कैबिनेट की बैठक में विंध्यधाम विकास परिषद तथा चित्रकूटधाम विकास परिषद के गठन को मंजूरी मिली है। इन दोनों परिषद के अध्यक्ष सीएम योगी आदित्यनाथ तथा पर्यटन-धर्मार्थ कार्य मंत्री नीलकंठ तिवारी उपाध्क्ष होंगे।

उत्तर प्रदेश में पर्यटन के विकास को लेकर योगी आदित्यनाथ मंत्रिमंडल ने बड़े प्रस्ताव को हरी झंडी दे दी है। इस बैठक में 12 प्रस्तावों को पास किया है। जिसमें धार्मिक स्थलों के विकास के लिए सरकार ने चित्रकूट के विकास का मॉडल तैयार किया है। सरकार ने यूपी बृज तीर्थ विकास परिषद के तर्ज पर अब विंध्यधाम विकास परिषद और चित्रकूट धाम विकास परिषद का गठन कर दिया है। सरकार के इस फैसले से विंध्यधाम तथा चित्रकूट धाम को एक धार्मिक स्थल के तौर पर विकसित किया जा सकेगा। इस पर कैबिनेट ने मुहर लगा दी है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में सम्पन्न कैबिनेट बैठक में इसमें डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य, डॉ. दिनेश शर्मा भी शामिल हुए।

दरभंगा जंक्शन पर पार्सल विस्फोट मामले में उत्तर प्रदेश एसटीएफ ने शामली से दो को उठाया

शामली । बिहार के दरभंगा रेलवे स्टेशन पर पार्सल में बीती 17 जून को विस्फोट प्रकरण में शामली का कनेक्शन सामने आ गया है। उत्तर प्रदेश एसटीएफ ने शामली में गुरुवार रात दो संदिग्ध लोगों को किया। एसटीएफ ने कैराना के आलकलां से हाजी कासिम व कफील को गिरफ्तार किया। इन पिता व पुत्र से कैराना थाना पर पुछताछ जारी है।

बिहार के दरभंगा जंक्शन पर 17 जून को हुए पार्सल में विस्फोट की जांच राष्ट्रीय सुरक्षा एजेंसी (एनआइए) ने संभाल ली है। इस मामले में एनआइए ने उत्तर प्रदेश पुलिस से भी सम्पर्क करने के बाद गुरुवार को लखनऊ शाखा में प्राथमिकी दर्ज कर काम शुरू कर दिया है। इसके साथ ही उत्तर प्रदेश पुलिस ने इस प्रकरण पर एसटीएफ को लगा दिया है। दरभंगा में पार्सल में विस्फोट के मामले के तार शामली से जुड़ रहे हैं।

शामली पुलिस ने इस संबंध में दो लोगों को उठाया है। पिता के साथ उसके पुत्र को उठाया है। जल्द ही केंद्रीय जांच एजेंसी के अधिकारी शामली पहुंचेंगे। 20 जून को बिहार के दरभंगा जंक्शन पर एक पार्सल में विस्फोट हो गया था। इस मामले की जांच की गई तो पार्सल पर मोबाइल नंबर लिखा था। यह नंबर शामली का कोई व्यक्ति प्रयोग कर रहा है। उसी समय से शामली और आसपास के क्षेत्र के कुछ लोग जांच अधिकारियों के निशाने पर हैं।

इस विस्फोट प्रकरण में शामली पुलिस ने दो लोगों को उठाया है। इनको कल देर रात शामली के आलकलां से गिरफ्तार करने के बाद एसटीएफ कैराना थाना में पुछताछ कर रही है। उनसे कड़ी पूछताछ की जा रही है। बिहार के दरभंगा में पार्सल ब्लास्ट में एसटीएफ की गिरफ्त में आए संदिग्ध कफील के पिता ने कहा कि बेटा तो कैराना में एजेंसी चलाता है। कक्षा आठ तक की पढ़ाई के बाद कफील गोल्डी मसाला की एजेंसी चलाता है। उसका कोई अपराधिक रिकॉर्ड भी नहीं है। एसपी शामली सुकीर्ति माधव ने बताया कि उनके पास इस संबंध में कहने के लिए कुछ नहीं है। इस संबंध में अभी किसी भी जांच एजेंसी के किसी अधिकारी ने उनसे संपर्क नहीं किया है। शुक्रवार को छह सदस्यीय टीम सबसे पहले उस जगह का निरीक्षण करेगी, जहां विस्फोट हुआ है। इसके पूर्व, बिहार के साथ यूपी और तेलंगाना राज्य की एटीएस ने एनआइए को मामले से जुड़ा फीडबैक दिया है। गृह मंत्रालय को भी मामले से जुड़ी रिपोर्ट साझा की गई है।

दरभंगा ब्लास्ट की पूरी जांच केंद्रीय गृह मंत्रालय की निगरानी में हो रही है। गृह मंत्रालय के आदेश पर एनआईए ने एफआईआर दर्ज कर जांच को अपने जिम्मे में ले लिया है। दरभंगा ब्लास्ट शुरू में सामान्य लग रहा था, लेकिन बाद में इसकी गंभीरता को देखते हुए जांच एनआईए को सौंपने का निर्णय लिया गया। इस ब्लास्ट के पीछे किसी बड़ी आतंकी वारदात की साजिश का अंदेशा जताया जा रहा है। ब्लास्ट के तार पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी आईएसआई से भी जुड़ रहे हैं। एनआईए पूरे मामले की तह तक पहुंचने की कोशिश करेगी।

तेजस्वी यादव बोले, जरूरत पड़ी तो लगवाएंगे टीका, वैक्सीन के प्रभाव को लेकर कही ये बात

पटना । बिहार विधानसभा के नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने कोरोना वायरस का टीका लगवाने को लेकर स्पष्ट तो कुछ नहीं कहा है। लेकिन इतना जरूर कहा है कि जरूरत पड़ी तो मानसून सत्र के पहले टीका लगवा लिया जाएगा। विधानसभा अध्यक्ष की अपील की बाबत पूछे जाने पर उन्होंने ये बातें कहीं। विधानसभा अध्यक्ष विजय कुमार सिन्हा ने सभी विधायकों से आग्रह किया है कि वे सपिरवार कोरोना का टीका लगवा लें। इस क्रम में यह भी कहा है कि जिन विधायकों के क्षेत्र में 80 फीसद से ज्यादा टीकाकरण होगा, उन्हें विधानसभा की ओर से सम्मानित भी किया जाएगा।

नेता प्रतिपक्ष या उनके भाई तेजप्रताप यादव ने अभी तक कोरोना की वैक्सीन नहीं ली है। इस पर सभी की नजरें इस बात पर टिकी थीं कि उनपर विस अध्यक्ष की अपील का क्या असर होता है। वे कोरोना का टीका लगवाते हैं या नहीं। इस बाबत एक न्यूज चैनल से बातचीत में तेजस्वी ने कहा कि उन्होंने अभी तक टीका नहीं लिया है। बिहार में वैसे भी टीका की कमी है। वे सरकार से आग्रह करते हैं कि पहले लोगों का टीकाकरण करवा दें फिर वे भी ले लेंगे। उन्होंने कहा कि मानसून सत्र के समय जाना होगा और जरूरत पड़ी तो टीका लगवा लेंगे। उन्होंने कहा कि जहां भी जागरूकता अभियान की जरूरत होगी, वे आगे बढ़कर प्रेरित करेंगे।

टीके के प्रभाव पर उठाए सवाल - टीकाकरण को लेकर तेजस्वी ने राज्य एवं केंद्र सरकार पर निशाना साधा। टीकाकरण की रफ्तार पर भी उन्होंने सरकार को घेरा। तेजस्वी ने कहा कि बिहार की आबादी 13 करोड़ है, ऐसे में एक लाख-दो लाख टीका से क्या होगा। कहा कि यह टीका एक साल के लिए ही है। दूसरे साल, तीसरे साल वाले का क्या होगा। उसकी क्या व्यवस्था है। क्योंकि एक्सपर्ट का कहना है कि यह एक साल के लिए ही मान्य है। इधर टीकाकरण को लेकर तेजस्वी व तेजप्रताप पर अन्य पार्टियों ने हमला शुरू कर दिया है। जदयू प्रवक्ता अभिषेक झा ने कहा कि विपक्ष से शुरू से ही वैक्सीन के मुद्दे पर राजनीत की। जनता में भ्रम फैलाया। तेजस्वी के परिवार में अभी तक किसी ने टीका नहीं लिया। वैक्सीन लेकर सकारात्मक राजनीति करें

यूपी में मतांतरण के मामले में ईडी ने भी दर्ज किया केस, अन्य राज्यों में जांच करेगी एटीएस

लखनऊ । उत्तर प्रदेश सहित देश के कई राज्यों में हजार से अधिक लोगों के मतांतरण मामले के आरोपितों पर शिकंजा काफी कसता चला जा रहा है। विदेश से फंडिंग का मामला सामने आने पर अब प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने भी केस दर्ज कर लिया है। उत्तर प्रदेश एटीएस के बाद अब प्रवर्तन निदेशालय भी इस प्रकरण की जांच में लग गया है। मतांतरण के मामले में उत्तर प्रदेश एटीएस की रिमांड पर चल रहे मौलाना मोहम्मद उमर गौतम तथा जहांगीर कासमी से अब ईडी की टीम भी पूछताछ कर सकती है।

उत्तर प्रदेश में व्यापक मामले में मतांतरण के संबंध में अब प्रवर्तन मामला सूचना रिपोर्ट (ईसीआईआर) दर्ज की है। इस प्रकरण में उत्तर प्रदेश आतंकवाद निरोधी दस्ते (एटीएस) की प्राथमिकी के आधार पर प्रवर्तन निदेशालय की जांच टीम ने भी मामला दर्ज किया है।

उत्तर प्रदेश शासन में अपर मुख्य सचिव गृह अवनीश कुमार अवस्थी ने बताया कि मतांतरण के प्रकरण में हमको विदेशों से फंडिंग के पुख्ता सुबूत मिले हैं। एक खाता भी कनफर्म हो गया है, जिसमें विदेशों से रकम आती थी।

यह धनराशि क्यों और कैसे आती थी, इसकी जांच की जा रही है। कहीं यह गलत काम को बढ़ावा देने के लिए धनराशि एकत्र करने का माध्यम तो नहीं है। अवस्थी ने कहा कि इस मामले में हवाला ट्रांजेक्शन की भी जांच की जा रही है। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश में अवैध मतांतरण रोकने के लिए ही कानून लाया गया है। उत्तर प्रदेश सहित देश के अन्य कई राज्यों में हजार से अधिक लोगों के मतांतरण पर उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि देश में बड़े लम्बे समय से मतांतरण का व्यापक पैमाने पर खतरनाक खेल चल रहा है। केंद्र के साथ ही उत्तर प्रदेश सरकार के इस तरह के मामलों पर शिकंजा कसने के बाद यह सब खेल सामने आने लगा है। इस प्रकरण के दोषियों पर कड़ी कार्रवाई की जा रही है। जल्दी ही इनके और साथी सामने आ जाएंगे।

कानपुर में दूल्हे को कंगाल कर गई दुल्हन, सुहागरात से पहले लूट ले गई नकदी, जेवर और सारा सामान

कानपुर । बेटे की शादी को लेकर माता-पिता काफी परेशान थे, जब शादी हुई तो घर आई दुल्हन ने दो दिन में दूल्हे को कंगाल कर दिया। सुहागरात से पहले दुल्हन गाढ़ी कमाई से बनवाया जेवर, नकदी और घर में रखा कीमती सामान लूटकर घर से फरार हो गई।

लुटेरी दुल्हन के बारे में जब पता चला तो दूल्हा और परिवार अब सिर पर हाथ रखकर उस घड़ी को कोस रहे हैं, जब सात फेरे लिये थे। मामला महोबा जनपद में सदर कोतवाली क्षेत्र का है, पुलिस ने तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज करके जांच शुरू कर दी है।

महोबा शहर के भटीपुरा मोहल्ला निवासी शैलेंद्र की शादी को लेकर घर वाले परेशान थे और परिचितों से रिश्ता तय करने के लिए कहते आ रहे थे। कोतवाली में दी तहरीर में बताया गया है कि कुछ दिन पहले शैलेंद्र की मां की मौसी बम्हौरीकला चरखारी निवासी विनोद कुमारी से शादी को लेकर बातचीत हुई थी। इसी बीच बम्हौरीकला के रहने वाले पप्पू 16 जून को उसकी मां के पास आया था। उसने एक गरीब घर की लड़की के बारे में बताया था और उससे शादी कराने की बात कही थी। उसने लड़की का नाम सीता और शादी का खर्च खुद ही उठाने की बात कही थी। इसपर घरवाले राजी हो गए थे।

अलग अलग कमरों में सो रहे दूल्हा-दुल्हन- पप्पू के कहने पर 18 जून को सीता को रिवई गांव बुलाया गया था, जहां रिश्ता तय होने के बाद एक लाख रुपये पप्पू और साथ में आए हरदयाल ने लिए थे। तय तारीख के अनुसार 21 जून को शहर के चंद्रिका देवी मंदिर में शैलेंद्र की शादी सीता से कराई गई थी। सात फेरों की रस्म पूरी करने और खान पान आदि कार्यक्रम के बाद नव विवाहित जोड़ा घर आ गया था। इसके बाद घर में कंकन काटने और मंडप पूजन की रस्म होनी थी लेकिन यह सब दो दिन बाद शुभ समय होना तय था। इसलिए दूल्हा और दुल्हन को अलग-अलग कमरे में रखा गया था।

दो दिन बाद अचानक दुल्हन हुई गायब

दो दिन बाद जब मंडप पूजन का समय आया तो सुबह दुल्हन को कमरे से गायब देखा। आसपास तलाश करने पर भी वह नहीं मिली तो घर वालों को शक हुआ और तिजोरी व बक्सों की तलाशी ली। बक्से में रखी दूल्हे के परिवार की पूरी कमाई, जेवर और सारा सामान गायब था। लुटेरी दुल्हन की हकीकत समझते देर न लगी और कंगाल हो चुका परिवार सिर पर हाथ रखकर बैठ गया। इसके बाद शैलेंद्र ने पप्पू और हरदयाल को घटना की जानकारी दी।

शैलेंद्र ने बताया कि रिवई चौकी में शिकायत करने पर हरदयाल को बुलवाया गया। इसपर उसने कहा था कि दो दिन के अंदर रुपया वापस कर दूंगा या फिर लड़की ले आऊंगा। कई दिन बाद भी रुपया और दुल्हन का पता न चलने पर उसने महोबा सदर कोतवाली में तहरीर दी है। कोतवाली प्रभारी बलराम सिंह ने बताया कि मामला पहले रिवई चौकी में दर्ज हुआ था, वहां दोनों पक्षों के बीच पंचायत भी हुई थी। दुल्हन के मिर्जापुर अपने मामा के पास जाने की जानकारी मिली है। धोखाधड़ी का मुकदमा दर्ज करके जांच की जा रही है।

शिवमोग्गा जिले के सागर तालुक में एक पहाड़ी की चोटी पर छात्र ऑनलाइन कक्षाओं में भाग लेते हुए, अपने आवासीय क्षेत्र में खराब नेटवर्क के कारण, प्रतिदिन छात्र कक्षा में उपस्थित होने के लिए उपयुक्त स्थानों की तलाश में 2-3 किमी पैदल चलकर जाते हैं।

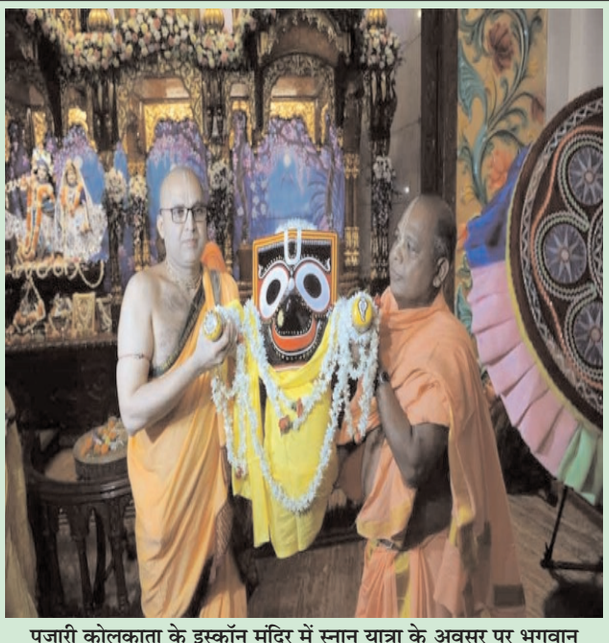

पुजारी कोलकाता के इस्कॉन मंदिर में स्नान यात्रा के अवसर पर भगवान जगन्नाथ, बलभद्र और देवी सुभद्रा के स्नान अनुष्ठान करते हुए।

ठाणे में अन्य पिछड़ा वर्ग के लिए राजनीतिक आरक्षण की रक्षा करने में महा विकास अघाड़ी (एमवीए) सरकार की कथित विफलता के विरोध में कार्यकर्ताओं का एक समूह ।

एक नजर

डेल्टा प्लस वैरिएंट को लेकर सतर्क है गोवा, महाराष्ट्र से आने वालों को सीमा पर करानी होगी स्क्रीनिंग

पणजी । कोरोना महामारी की दूसरी लहर के प्रकोप से निकल रहे देश में डेल्टा प्लस वैरिएंट को लेकर सतर्कता बरती जा रही है। गोवा सरकार ने महाराष्ट्र से आने वाले लोगों के लिए स्क्रीनिंग की शुरुआत की है विशेषकर वहां के दक्षिणी सिंधुदुर्ग जिले से जहां डेल्टा प्लस वैरिएंट का पहला मामला सामने आया था। यह जानकारी गोवा के मुख्यमंत्री प्रमोद सावंत ने शुक्रवार को दी। प्रदेश भारतीय जनता पार्टी मुख्यालय में मुख्यमंत्री ने कहा, हमने महाराष्ट्र से विशेषकर वहां के सिंधुदुर्ग जिले से आने वाले लोगों की स्क्रीनिंग शुरू कर दी है। सीमा पर इसके लिए लैब का भी इंतजाम किया जा रहा है। संदेहास्पद मामलों को आइसोलेट भी किया जा रहा है। अपने सोशल मीडिया पेज पर स्वास्थ्य मंत्री विश्वजीत राणे ने बताया कि मुख्यमंत्री सावंत के साथ मिलकर वे लगातार हालात की मॉनिटरिंग कर रहे हैं। पड़ोसी राज्यों में डेल्टा प्लस वैरिएंट से संक्रमण के मामले पाए जाने के मद्देनजर सीमा पर सख्ती बरती जा रही है। उन्होंने बताया कि गोवा में अब तक डेल्टा प्लस वैरिएंट का एक भी मामला नहीं आया है। राणे ने कहा, मुख्यमंत्री प्रमोद सावंत ने पहले ही इस मामले में निर्देश जारी कर दिए हैं। हमें सीमा पर यह सुनिश्चित करना है कि वायरस का वैरिएंट राज्य में न आए। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार इस सप्ताह भारत में कोरोना संक्रमितों का आंकड़ा 3 करोड़ के पार चला गया। आज सुबह जारी रिपोर्ट की माने तो बीते 24 घंटों में देश में 51,667 नए संक्रमितों की पहचान हुई और 1,329 संक्रमितों की मौत हो गई। इसके बाद अब तक कुल कुल पॉजिटिव मामलों का आंकड़ा 3,01,34,445 हो गया है और मरने वालों की संख्या 3,93,310 है।

केंद्र ने राज्यों को अब तक दी साढ़े 30 करोड़ से अधिक वैक्सीन, अभी भी बची है 1.5 करोड़ से ज्यादा डोज

नई दिल्ली । केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने शुक्रवार को कहा कि राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को अब तक साढ़े 30 करोड़ से अधिक वैक्सीन खुराक प्रदान की गई हैं। केंद्र ने कहा कि राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के पास 1.50 करोड़ से अधिक शेष और अप्रयुक्त कोरोना वैक्सीन डोज अभी भी उपलब्ध हैं।मंत्रालय ने कहा कि टीकाकरण कार्यक्रम के नए संशोधित दिशानिर्देश लागू होने के पहले 72 घंटों में दो करोड़ से अधिक वैक्सीन खुराक दी गई। भारत सरकार और प्रत्यक्ष राज्य खरीद श्रेणी के माध्यम से अब तक केंद्र राज्यों / केंद्रशासित प्रदेशों को साढ़े 30 करोड़ (30,54,32,450) से अधिक वैक्सीन डोज दे चुका है। मंत्रालय ने कहा कि इसमें से अपव्यय सहित कुल खपत 29,04,04,264 खुराक (गुरुवार को सुबह 8 बजे उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार) है। 1.50 करोड़ से अधिक (1,50,28,186) शेष और अप्रयुक्त कोरोना वैक्सीन डोज अभी भी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के पास उपलब्ध हैं जिनका इस्तेमाल किया जाना चाहिए। मंत्रालय ने कहा कि इसके अलावा, 47,00,000 से अधिक वैक्सीन डोज रास्ते में हैं और वे अगले तीन दिन में उन्हें मिल जाएंगी। केंद्र सरकार पूरे देश में कोरोना टीकाकरण की गति तेज करने और इसके दायरे का विस्तार करने के लिए प्रतिबद्ध है। कोरोना टीकाकरण का नया चरण 21 जून से शुरू हुआ है। प्रत्येक राज्य को कोरोनारोधी टीकों का वितरण उसकी जनसंख्या, संक्रमण के मामलों, उपयोग दक्षता और बर्बादी संबंधी कारकों के आधार पर किया गया है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने गुवार को मीडिया की उन खबरों का खंडन किया जिसमें टीकों के गैर पारदर्शी वितरण का आरोप लगाया गया है।मंत्रालय ने कहा कि राज्यों के बीच गैर पारदर्शी तरीके से टीका वितरण किए जाने के आरोप पूरी तरह निराधार हैं।

67 वर्षीय बुजुर्ग महिला ने हासिल की पीएचडी की डिग्री, पूरा किया माता-पिता का सपना

वडोदरा । गुजरात में एक 67 वर्षीय बुजुर्ग महिला ऊषा लोदया ने पीएचडी की डिग्री हासिल की है। ऊषा ने बताया कि मेरे माता-पिता चाहते थे कि शादी के बाद भी मैं अपनी पढ़ाई को जारी रखूं। लेकिन शादी के बाद पारिवारिक जिम्मेदारियां इतनी बढ़ गई कि ऐसा करना संभव नहीं हो सका। वडोदरा निवासी ऊषा लोदया ने बताया कि 20 साल की उम्र में उन्होंने कॉलेज की पढ़ाई छोड़ दी थी और 60 साल की उम्र में फिर से अपनी पढ़ाई शुरू की। लंबे समय तक पढ़ाई करते हुए डॉक्टरेट की डिग्री हासिल की। महाराष्ट्र में स्थित शत्रुंजय अकादमी में जैन धर्म के कोर्स में ऊषा लोदया ने दाखिला लिया और जैन धर्म में डॉक्टरेट की डिग्री हासिल की। बता दें कि शत्रुंजय अकादमी समुदाय के सदस्यों के बीच जैन धर्म के ज्ञान के प्रचार के लिए स्थापित एक संस्था बनी हुई है। मिली जानकारी के अनुसार ऊषा लोदया ने जैन धर्म में तीन साल का डिग्री सिलेबस, उसके बाद दो साल का मास्टर्स और फिर तीन साल का डॉक्टरेट सिलेबस को पूरी लगन के साथ पूरा किया। ऊषा लोदया ने कड़ी मेहनत कर आखिरकार अपने माता - पिता का सपना पूरा कर ही लिया। ऊषा लोदया ने बताया कि शादी से पहले उन्होंने जब विज्ञान स्नातक कोर्स में एडमिशन लिया था तो वह डॉक्टर बनना चाहती थी।

हीरानंदानी एस्टेट सोसायटी फर्जी टीकाकरण मामला, 8 आरोपित गिरफ्तार; बैंक खाते भी हुए सील

मुंबई । हीरानंदानी एस्टेट सोसायटी में फर्जी टीकाकरण कैंप मामले में आठ आरोपितों को गिरफ्तार कर लिया गया है। इनमें से मुख्य आरोपितों के बैंक खाते भी सील कर दिए गए हैं। बता दें कि अब तक इस मामले में 10 लोगों की गिरफ्तारी हो चुकी है। इस तरह के आठ और शिविरों का आयोजन भी किया गया था जिनमें से छह के खिलाफ मामले दर्ज किए जा चुके हैं। नकली वैक्सीन मामले में, पुलिस उपायुक्त, विशाल ठाकुर की निगरानी में एक विशेष जांच दल (एसआईटी) का गठन किया गया है। गौरतलब है कि देश में कोरोना संक्रमण के जाल से मुक्त करने के लिए वैक्सीन लगवाने पर जोर दिया जा रहा है। इसी मुहिम को आगे बढ़ाते हुए मुंबई के कांदिवली इलाके में स्थित हीरानंदानी एस्टेट सोसायटी में 30 मई को वैक्सीन कैंप का आयोजन किया गया था। वैक्सीन लगवाने वाले लोगों ने दावा किया है कि उन्हें फर्जी वैक्सीन लगायी गई है। लोगों का कहना है कि न तो उन्हें वैक्सीन लगवाये जाने का प्रमाण पत्र जारी किया गया और न ही वैक्सीन लगवाने के बाद शरीर में कोई लक्षण नजर आये। जैसा कि आमतौर पर वैक्सीन लगवाने के बाद सामने आते हैं। इसके बाद से ही उन लोगों को शक होने लगा और उन्होंने धोखाधड़ी की शिकायत दर्ज करवायी। लोगों का ये भी कहना था कि उन्हें वैक्सीन सेल्फी लेने से भी मना किया गया। यहां 390 लोगों को कोविशील्ड वैक्सीन की डोज दी गई थी। प्रति डोज के हिसाब से 1260 रुपए लिए गए थे। सोसायटी के लोगों का कहना है कि राजेश पांडे नाम का एक शख्स बीते कुछ दिनों से वैक्सीनेशन को लेकर लगातार सोसायटी कमेटी से संपर्क कर रहा था। उसने अपना परिचय कोकिलाबेन अंबानी अस्पताल का प्रतिनिधि बताकर दिया था।

कोरोना का डेल्टा वेरिएंट बेहद खतरनाक, वैक्सीन-इम्यूनिटी दोनों को दे सकता है चकमा- रिसर्च

नई दिल्ली । भारत में पहली बार मिला कोविड -19 का अत्यधिक संक्रामक डेल्टा वेरिएंट इंफेक्शन इम्यूनिटी और वैक्सीन को भी चकमा देने में सक्षम है. जिस से ये कोरोना मरीज में बार बार इंफेक्शन भी पैदा करने की श्रमता रखता है. विशेषज्ञों के अनुसार डेल्टा वेरिएंट लगातार अपना रूप बदल रहा है और इसके म्यूटेशन बेहद संक्रामक हैं. ये लोगों में बेहद अधिक संख्या में वायरल इंफेक्शन पैदा करता है और तेजी से फैलता है. इंस्टिट्यूट ऑफ जिनोमिक्स एंड इंटीग्रेटिव बायोलॉजी ने कैम्ब्रिज यूनिवर्सिटी की गुप्ता लैब के साथ मिलकर ये स्टडी तैयार की है. देश के तीन शहरों में हेल्थकेयर वर्कर्स में इस डेल्टा वेरिएंट के संक्रमण के फैलने का क्या पैटर्न था और ये एंटीबॉडी के खिलाफ किस तरह रिऐक्ट करता है इस आधार पर ये स्टडी तैयार की गई है.

साथ ही ह्यूमन सेल खासकर की फेफड़ों पर इस वायरस के असर को भी इस का आधार बनाया गया है. इस से पहले स्कॉटलैंड में कोरोना वायरस पर हुई एक रिसर्च में दावा किया गया था कि भारत में संक्रमण की दूसरी लहर के दौरान डेल्टा वेरिएंट ने सबसे ज्यादा नुकसान पहुंचाया.

इंस्टिट्यूट ऑफ जिनोमिक्स एंड इंटीग्रेटिव बायोलॉजी के निदेशक डॉक्टर राजेश पांडेय

ने बताया कि, लैब में हुई रीसर्च से पता चलता है कि डेल्टा वेरिएंट के अंदर इम्यून सिस्टम को चकमा देने की अत्यधिक क्षमता है. ये बहुत तेजी से फैलता है और हेल्थकेयर वर्कर्स में वैक्सीन की दोनों डोज लगने के बाद भी इंफेक्शन होने का मुख्य कारण है.

साथ ही उन्होंने कहा, हमें इसको लेकर बेहद सतर्क रहने के जरुरत है खासकर की वर्तमान में जब इसके दूसरे रूप डेल्टा प्लस के मामलें भी तेजी से सामने आ रहे हैं. हालांकि ये इम्यूनिटी को किस हद तक चकमा देने में सक्षम है इसको लेकर अभी कुछ नहीं कहा जा सकता. कैम्ब्रिज यूनिवर्सिटी की गुप्ता लैब के अनुसार, अपनी रीसर्च में हमें पता चला है कि कोरोना का डेल्टा वेरिएंट ज्यादा तेजी से फैलता है साथ ही शरीर में पहले के इंफेक्शन के बाद बनी इम्यूनिटी को भी चकमा देने की अधिक श्रमता रखता है. हम अभी स्पष्ट आंकडें तो नहीं दे सकते लेकिन मुंबई में दूसरी लहर के दौरान डेल्टा वेरिएंट कोरोना के पिछले वेरिएंट के मुकाबले 10 से 40 प्रतिशत तक ज्यादा तेजी से फैला. साथ ही यहां 20 से 55 प्रतिशत मामलों में अन्य वायरस के बाद बनी एंटीबॉडी भी इसके सामने बेअसर साबित हुई है.

एलजेपी नेता चिराग पासवान का छलका दर्द, कहा- चाचा ने मेरी पीठ में खंजर घोंपा

नई दिल्ली । लोक जनशक्ति पार्टी में फूट के बाद पार्टी दो गुटों में बंट गई है. चिराग पासवान और पशुपति कुमार पारस दोनों के ही अपने अपने दावे हैं. इस बीच एलजेपी नेता चिराग पासवान ने एबीपी न्यूज़ से खास बातचीत की है. इस दौरान उन्होंने कहा कि मैं आखिर तक चाचा (पशुपति कुमार पारस) के दरवाजे पर खड़ा रहा. मेरी मां ने भी उन्हें छोटे भाई की तरह प्यार दिया.

चिराग पासवान ने कहा कि अगर चाचा को केंद्र में मंत्री बनना था तो वो मुझे बता सकते थे. मैं खुद प्रधानमंत्री जी के पास ये मांग लेकर जाता. एक बार वो कह देते तो मैं उन्हें राष्ट्रीय अध्यक्ष बना देता. मैंने आखिरी तक पार्टी को बचाने की कोशिश की. उन्होंने कहा कि बिहार में अकेले चुनाव लड़ना पापा (राम विलास पासवान) की इच्छा थी. मैंने सबकी सहमति से ये फैसला लिया. एलजेपी की उस बैठक में पशुपति कुमार पारस भी मौजूद थे. चिराग पासवान ने कहा कि मेरे चाचा ने मेरी पीठ पर खंजर घोंपा है. मुझसे सिर्फ पांच सांसद और चार नेता अलग हुए हैं. ज्यादातर नेता मेरे साथ हैं. उन्होंने कहा कि मुझे अभी तक यहपता नहीं है कि मेरे परिवार ने मुझे धोखा क्यों दिया. मैं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के हर फैसले के साथ था लेकिन अब बीजेपी देखे कि उसे मेरा साथ देना है या नहीं एलजेपी नेता चिराग पासवान ने कहा कि मैंने बहुत बार चाचा से बात करने की कोशिश की. लेकिन वो खुद मुझसे बात नहीं करना चाहते तो मैं क्या कर सकता हूं. बचपन से वो मेरे चाचा हैं और मुझे लगता है कि वो नहीं बदल सकते. मैं जिनकी गोद में खेला उन्होंने हाथ खींच लिए.

उदयपुर में पकड़ा गया मंदसौर के डायमंड बिजनेसमैन की हत्या का ईनामी अपराधी

उदयपुर । दो साल पहले मंदसौर के चर्चित डायमंड बिजनेसमैन अनिल सोनी हत्याकांड में लिप्त अपराधी को उदयपुर पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। शहर के एक कारोबारी पर फायरिंग के मामले में उसका पीछा कर रही पुलिस ने उसे समीपवर्ती पोपल्टी के जंगलों से पकड़ने में कामयाबी हांसिल की। मध्यप्रदेश पुलिस द्वारा घोषित पचास हजार रुपए के यह इनामी बदमाश अपने अन्य तीन साथियों के साथ भागने की फिराक में था। जांच में उनके पास दो लोडेड पिस्टल भी बरामद हुई।

पुलिस महानिरीक्षक सत्यवीर सिंह ने बताया कि पकड़े गए आरोपियों में नौगावां-प्रतापगढ़ निवासी इमरान उर्फ चुन्नू लाला पुत्र डेरान खां, हिम्मतनगर-गुजरात निवासी नवाज पुत्र आलम खान पठान, कांकरोली-राजसमंद निवासी प्रकाश चंद्र गौरवा

उर्फ पित्थू पुत्र चंदन सिंह और सद्दाम शेख पुत्र मोहम्मद अयूब शामिल हैं। इनमें इमरान लाला मंदसौर के चर्चित डायमंड बिजनेसमैन अनिल सोनी की हत्या का मुख्य आरोपी और घोषित हार्डकोर अपराधी है। जबकि उसके अन्य तीनों साथियों के खिलाफ मध्यप्रदेश, गुजरात तथा राजस्थान के विभिन्न थानों में कई आपराधिक मामले दर्ज हैं।

बताया गया कि उदयपुर के कारोबारी अंबामाता निवासी मोहम्मद सिद्दीकी ने पुलिस महानिरीक्षक को इमरान के खिलाफ पचास लाख रुपए की रंगदारी मांगने की शिकायत की थी। जिस पर आईजी सत्यवीर सिंह ने पुलिस अधीक्षक डॉ. राजीव पचार को कार्रवाई के लिए कहा था। इसी बीच पीड़ित सिद्दीकी ने अंबामाता थाने में पहुंचकर कुछ बदमाशों के उस पर फायरिंग करने का मामला दर्ज कराया। जिस पर पुलिस ने बदमाशों की तलाश शुरू की। पुलिस को ग्रामीणों के जरिए पता लगा कि कुछ बदमाश पोपल्टी के जंगलों में छिपे हैं। पुलिस ने उनका पीछा किया तो बदमाश से भागने लगे लेकिन जंगल में रास्ता बंद होने पर उन्हें कार छोड़नी पड़ी।

पुलिस ने उनका पीछा कर सभी बदमाशों को दबोच लिया। पुलिस ने जब पकड़ा था तब उन्हें यह पता नहीं था कि इनमें मध्यप्रदेश पुलिस की ओर से घोषित अपराधी तथा मंदसौर में हीरा व्यापारी की हत्या का आरोपी भी शामिल है। इमरान उर्फ चुन्नू लाला हार्डकोर अपराधी है। इसके खिलाफ जिला प्रतापगढ़, रतलाम, चित्तौड़गढ़ एवं मंदसौर के विभिन्न थानों में हत्या, हत्या के प्रयास, अपहरण, लूट, अवैध हथियार एवं वसूली के सोलह प्रकरण दर्ज हैं। आरोपी नवाज खान पठान अपराधी इमरान उर्फ चुन्नू लाला का सगा भांजा है और उसके खिलाफ सावरकांठा एवं गांधी नगर के विभिन्न थानों मं हत्या के प्रयास, सामूहिक दुष्कर्म, वसूली और आर्म्स एक्ट के प्रकरण दर्ज हैं। वहीं प्रकाशचंद्र गौरवा उर्फ पित्थू के खिलाफ हत्या के प्रयास एवं मारपीट के दो प्रकरण दर्ज हैं।

आंध्र प्रदेश की नदी में डूबे तीन युवा, एक लापता; सर्च अभियान जारी

कडप्पा । आंध्र प्रदेश में एक नदी में तीन युवा के डूबने के साथ ही एक लड़के के लापता होने की खबर सामने आई है। वल्लूर पुलिस ने बताया कि पेन्ना नदी में गुरुवार को तीन किशोर डूब गए और एक लापता लड़के की तलाश जारी है। आगे उन्होंने बताया कि मरने वालों में 12 साल की लड़की जावेरिया, 18 साल का अब्दुल राशिद और 15 साल का अनुस खान शामिल है।

वहीं लापता हुए लड़के का नाम अब्दुल वालिद खान है जो कि 19 साल का बताया है, जिसकी तलाश जारी है। वल्लूर पुलिस थाने के सब इंस्पेक्टर राजगोपाल ने बताया कि घटना उस समय हुई जब गुरुवार शाम को वल्लूर मंडल के पुष्पगिरी में पेन्ना नदी के पास कडप्पा शहर के दो परिवार पिकनिक मनाने निकले थे। इस दौरान जवेरिया ने नदी में कदम रख दिया। उस दौरान बुजुर्ग किनारे पर आराम कर रहे थे। जवेरिया के नदी में जान के बाद उसके पीछे-पीछे अन्य तीन लोग भी चले गए और कुछ ही मिनटों में चारों लापता हो गए। इंस्पेक्टर ने आगे बताया कि परिवारों ने स्थानीय तैराकों और पुलिस को बुलाया है, जिसके बाद तलाशी अभियान शुरू किया गया।

8 देशों के 8 सुंदर शहरों में देश का इकलौता शहर उदयपुर, अगले साल यहां घूमने आएंगे दुनियाभर के चुनिंदा 75 पर्यटक

उदयपुर । कोरोना महामारी के दौरान उदयपुर शहर के लिए बेहद खास और सुखद खबर सामने आई। जिसमें नेशनल जियोग्राफी एक्सपेडीशन और द वॉल स्ट्रीट जर्नल ने दुनिया के आठ देशों के आठ सुंदर शहरों को विशेष पर्यटन के लिए चुना है। जिसमें देश का इकलौता शहर उदयपुर शामिल है, जहां अगले साल विश्व के चुनिंदा 75 पर्यटकों को घुमाने की योजना है। राज्य पर्यटन विभाग की उपनिदेशक शिखा सक्सेना का कहना है कि इससे उदयपुर की ब्रांड वैल्यू बढ़ेगी। यह शहर एलिट क्लास वर्ग के लिए पसंदीदा ट्यूरिस्ट प्लेसेज में जुड़ेगा। वह कहती हैं कि नेशनल जियोग्राफी एक्सपेडीशन और द वॉल स्ट्रीट जर्नल दुनिया की प्रतिष्ठित संस्था हैं, जिनके किसी भी शहर को शामिल करना उसके लिए गर्व की बात होती है। यहां विश्व के चुनिंदा पर्यटक घूमने आएंगे, वह अपनी यात्रा की जानकारी विश्व भर को देंगे। वह विश्व के जिन शहरों में यात्रा करेंगे, उनमें वाशिंगटन-अमेरिका, क्योटो-जापान, सिंगापुर, उदयपुर, सेशेल्स, मसाई मारा-केन्या, येरूसलम-इजरायल और बार्सिलोना-साइप्रे शामिल हैं।

उन्होंने कहा कि उदयपुर को सुंदर शहरों में शामिल इसकी सुंदरता और ऐतिहासिक धरोहर के संरक्षण के चलते दिया गया। चुनिंदा पर्यटकों की यात्रा यात्रा 21 दिन की होगी, जो अगले साल 3 सितंबर से अमेरिका के सिएटल शहर से शुरू होगी और 23 सितंबर को वॉशिंगटन डीसी में खत्म होगी। इस यात्रा के 9वें और 10वें दिन पर्यटका उदयपुर में घूमने आएंगे। पर्यटकों को पीछोला स्थित लेक पैलेस में ठहराया जाएगा। वे लोग सिटी पैलेस का भ्रमण कर उदयपुर के हेरिटेज व कल्चर को नजदीक से देख पाएंगे। उन्हें यहां की मिनिएचर पेंटिंग भी दिखाई जाएगी। साधना संस्था में वह महिलाओं को हैंडीक्राफ्ट और पेचवर्क के बारे में जानकारी लेंगे। नेशनल जियोग्राफी एक्सपेडीशन और द वॉल स्ट्रीट जर्नल की विशेष पर्यटकों की यात्रा को लेकर जानकारी शेयर की है, जिसमें एक यात्री का किराया लगभग 77 लाख रुपए होगा। ये पर्यटक चार महाद्वीपों एशिया, अफ्रीका, यूरोप व उत्तरी अमेरिका के होंगे। जिन्हें 8 देशों के आठ शहरों में घुमाया जाएगा। उनकी लंबी यात्रा के लिए बोइंग-757 प्लेन का उपयोग किया जाएगा।

महाराष्ट्र के पूर्व गृहमंत्री अनिल देशमुख के आवास पर ईडी की छापेमारी, मनी लॉन्ड्रिंग का आरोप

मुंबई । प्रवर्तन निदेशालय ने महाराष्ट्र के पूर्व गृह मंत्री अनिल देशमुख के खिलाफ मनी लॉन्ड्रिंग के एक मामले की जांच के सिलसिले में आज नागपुर और मुंबई में स्थित उनके आवास पर छापेमारी की. अधिकारियों ने बताया कि धन शोधन रोकथाम कानून (पीएमएलए) के प्रावधानों के तहत देशमुख के आवास पर तलाशी ली गई. ईडी की टीम भारी संख्या में पुलिस और केंद्रीय पुलिस बल के साथ देशमुख के आवास पर पहुंची, जिससे मामले में और कड़ी कार्रवाई की अटकलें तेज हो गईं.

केंद्रीय जांच एजेंसी ने सीबीआई की एक एफआईआर का अध्ययन करने के बाद पिछले महीने देशमुख (71) और अन्य के खिलाफ धन शोधन की रोकथाम कानून के तहत एक आपराधिक मामला दर्ज किया था. सीबीआई ने बंबई हाईकोर्ट के आदेश पर एक मामला दायर करने के बाद प्रारंभिक जांच की थी जिसके बाद ईडी ने मामला दर्ज किया. हाईकोर्ट ने सीबीआई को मुंबई के पूर्व पुलिस आयुक्त परमबीर सिंह द्वारा देशमुख के खिलाफ लगाए रिश्वत के आरोपों की जांच के लिए कहा था. भ्रष्टाचार का आरोप लगाने के बाद नेशनलिस्ट कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) के वरिष्ठ नेता अनिल देशमुख ने मंत्री पद से इस्तीफा दे दिया था. सीबीआई देशमुख के खिलाफ भ्रष्टाचार और कदाचार के आरोपों की जांच कर रही है. यह आरोप मुंबई के पूर्व पुलिस आयुक्त परमबीर सिंह ने लगाए हैं. हाल ही में सीबीआई ने बंबई हाईकोर्ट से कहा था कि महाराष्ट्र सरकार राज्य के पूर्व गृह मंत्री अनिल देशमुख के खिलाफ जांच में एजेंसी के साथ सहयोग नहीं कर रही है. देशमुख भ्रष्टाचार और कदाचार के आरोपों का सामना कर रहे हैं.

कौन सी वैक्सीन है कोरोना के खिलाफ सबसे पॉवरफुल, स्टडी में हुआ खुलासा

नई दिल्ली, एजेंसी । अर्जेंटीना की हेल्थ मिनिस्ट्री ने एक अध्ययन के आधार पर दावा किया है कि स्पूतनिक-वी सभी वैक्सीन में सबसे ज्यादा सुरक्षित है. हेल्थ मिनिस्ट्री ने अपने ट्वीट में लिखा है कि स्पूतनिक-वी सभी वैक्सीनों में सबसे सुरक्षित है. इस वैक्सीन से संबंधित एक भी मौत दर्ज नहीं की गई. इसके अलावा स्पूतनिक लगाने के बाद भी बहुत कम इसके साइड इफेक्ट देखे गए. मंत्रालय के मुताबिक अर्जेंटीना के ब्यूनस आयर्स प्रांत में लगाए जा रहे सभी कोविड-19 टीकों में स्पूतनिक-वी सबसे सुरक्षित बनकर उभरा है. यही नहीं, टीकाकरण के बाद गंभीर साइडइफेक्ट की शिकायतें भी न के बराबर दर्ज की गई हैं. अध्ययन में पाया गया कि वैक्सीन लेने वालों में 47 फीसदी लोगों को बुखार, 45 फीसदी को सिरदर्द, 39.5 फीसदी को मांसपेशियों व

जोड़ों में दर्द और 46.5 फीसदी को टीके वाली जगह पर दर्द, जबकि 7.4 फीसदी को सूजन जैसे मामूली साइड इफेक्ट का सामना करना पड़ा है.

28 लाख को दी गई रूसी वैक्सीन

स्वास्थ्य मंत्रालय ने बताया कि अध्ययन 29 दिसंबर 2020 से तीन जून 2021 के बीच किए गए जो वैक्सीनेशन के रिकॉर्ड पर आधारित है. इस अवधि में ब्यूनस आयर्स में स्पूतनिक-वी की 28 लाख, साइनोफार्म की 13 लाख और एस्ट्राजेनेका के टीके की नौ लाख खुराक लगाई गई थी. तीनों वैक्सीन से प्रति दस लाख लाभार्थियों में गंभीर दुष्प्रभाव उभरने के क्रमशः 0.7, 0.8 और 3.2 मामले सामने आए. गत 29 दिसंबर 2020 से तीन जून 2021 के बीच किए गए इस अध्ययन का उद्देश्य वैक्सीन डोज लगने के बाद होने वाले लक्षणों का पता लगाना था.

भारत के नौ शहरों में रूसी वैक्सीन

रूस की कोरोना वैक्सीन स्पुतनिक डू को भारत में आपातकाल इस्तेमाल की मंजूरी दी गई है. देश में स्पुतनिक डू के डिस्ट्रीब्यूशन पार्टनर डॉक्टर रेड्डी ने बताया कि रूसी वैक्सीन को देश के नौ अन्य शहरों में उपलब्ध करा दिया गया है. ये शहर हैं- बेंगलुरु , दिल्ली , मुंबई , चेन्नई, कोलकाता , विशाखापटनम , बद्दी, कोल्हापुर और मिरयालागुडा। अब तक की रिपोर्ट के अनुसार कोरोना संक्रमण से बचाव में रूसी वैक्सीन सबसे अधिक असरदार है जिसका दर 96.6 फीसद माना गया है.

भगोड़े नीरव मोदी के जल्द प्रत्यर्पण की कोशिश में जुटा भारत, ब्रिटेन की अदालत खारिज कर चुकी है अपील

नई दिल्ली । पंजाब नेशनल बैंक (पीएनबी) घोटाला मामले में भगोड़े हीरा कारोबारी नीरव मोदी द्वारा अपने प्रत्यर्पण के खिलाफ दायर की गई याचिका ब्रिटेन के हाई कोर्ट में खारिज होने के बाद विदेश मंत्रालय ने गुरुवार को कहा कि उसने फैसले को देखा है। भारत नीरव को न्याय के कठघरे में खड़ा करने के लिए उसके जल्द प्रत्यर्पण का प्रयास जारी रखेगा।पंजाब नेशनल बैंक से संबंधित घोटाले में वांछित नीरव मोदी द्वारा भारत प्रत्यर्पण के खिलाफ दायर की गई याचिका ब्रिटेन के हाई कोर्ट ने खारिज कर दी है।

हाई कोर्ट का यह फैसला ब्रिटेन की गृह मंत्री प्रीति पटेल द्वारा उसके प्रत्यर्पण का आदेश देने के दो महीने बाद आया है। नीरव मोदी के प्रत्यर्पण के बारे में पूछे जाने पर विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता अरिंदम बागची ने आनलाइन प्रेस वार्ता में कहा, हमने ब्रिटेन के हाई कोर्ट के कल के फैसले को देखा है जो प्रत्यर्पण के आदेश पर उसकी अपील के खिलाफ था।

पंजाब नेशनल बैंक (पीएनबी) घोटाले में वांछित भगोड़े हीरा कारोबारी नीरव मोदी की भारत प्रत्यर्पण रोकने संबंधी याचिका ब्रिटिश हाई कोर्ट ने खारिज कर दी है। इस तरह वह प्रत्यर्पण के खिलाफ अपील की पहले चरण की लड़ाई हार गया है। अब उसके पास मौखिक दलीलें रखने का आवेदन करने के लिए पांच कार्यदिवस का समय है। ब्रिटेन की गृह मंत्री प्रीति पटेल ने अप्रैल में नीरव के भारत प्रत्यर्पण का आदेश दिया था।हाई कोर्ट न्यायाधीश के समक्ष नीरव की अपील उन कागजात पर फैसले के लिए थी जो यह निर्धारित करने को दाखिल किए गए थे कि गृह मंत्री के आदेश या नीरव के भारत प्रत्यर्पण के समर्थन में वेस्टमिंस्टर मजिस्ट्रेट अदालत के फरवरी के फैसले के खिलाफ अपील का कोई आधार है अथवा नहीं।

अनुष्का शर्मा

के स्टेटमेंट इयररिंग्स जो बदल कर रख देंगे आपका पूरा लुक

बॉलीवुड एक्ट्रेस अनुष्का शर्मा बी-टाउन की सबसे स्टाइलिश अभिनेत्रियों में एक हैं. अनुष्का हमेशा से ही भीड़ से अलग खड़ी होना पसंद करती हैं. यही कारण है कि फैंस उनके स्टाइल से प्रभावित हो जाते हैं. अपने आउटफिट ही नहीं बल्कि अपने एक्सेसरीज़ का चुनाव भी एक्ट्रेस बड़े ध्यान से करती हैं. आज उनकी बेस्ट एक्सेसरीज की झलक आपको दिखाते हैं. अनुष्का शर्मा के पास झुमको की कई खूबसूरत जोड़ियां हैं जो उनके लुक को और शानदार बनाते हैं. इंडियन फ्यूजन से ले कर ट्रडिशनल तक अनुष्का के पास कई स्टेटमेंट-मेकिंग पीस हैं.

अनुष्का ने अपने आउटफिट के साथ सिग्नेचर क्लिप-ऑन पीस ईयररिंग्स पहने थे. ये स्टेटमेंट ईयररिंग, निश्चित रूप से शो स्टीलर है जो किसी को भी पसंद आ जाएंगे.

वैसे तो अनुष्का शर्मा हर तरह के कपड़ों में जचती हैं, लेकिन इंडियन आउटफिट्स की बात कुछ और ही है. उन्होंने अपने लुक को पूरा करने के लिए लॉन्ग सिल्वर ईयररिंग्स का चुनाव किया जो उनकी ड्रेस को पूरी तरह से कॉम्प्लीमेंट कर रहे थे.

सब्यसाची की फ्लोरल ओशन-ग्रीन साड़ी में अनुष्का शर्मा की खूबसूरती देखने लायक थी. कस्टम मेड इयररिंग ने अनुष्का के लुक में चार चांद लगा दिए.

बिग बॉस 14 में जाने से शादी तोड़ने वाले थे रुबीना दिलैक और अभिनव शुक्ला, अब मना रहे हैं तीसरी सालगिरह

बिग बॉस 14 विनर रुबीना दिलैक और अभिनव शुक्ला ने एक दिन पहले अपनी शादी की तीसरी सालगिरह को एन्जॉय किया. दोनों ने अपने-अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर एक सुंदर पोस्ट शेयर किया है. अभिनव शुक्ता ने रुबीना की एक तस्वीर शेयर कर उन्हें विश किया जबकि रुबीना एक थ्रोबैक वीडियो शेयर विश किया. हालांकि रुबीना ने कई तस्वीरें भी शेयर की जिसमें वह अभिनव से वीडियो कॉल के जरिए बात करते हुए नजर आ रही हैं.

रुबीना दिलैक और अभिनव शुक्ला एक-दूसरे बेहद प्यार करते हैं. लेकिन क्या आप जानते हैं, दोनों के बीच काफी मतभेद और दरारें थीं. इसका खुलासा रुबीना दिलैक ने बिग बॉस 14 के एक एपिसोड में किया था. बाद में इसकी पुष्टि अभिनव ने भी की. रुबीना का कहना था कि उन दोनों के बीच लगातार झगड़े और बहस हो रहे थे. कई चीजों को लेकर टकराव हो रहेथे.

बिग बॉस 14 में फिर बढ़ी नजदीकियां

रुबीना दिलैक ने कहा था कि उन्होंने अभिनव के साथ मिलकर फैसला किया था कि जब तक वह दोनों बिग बॉस 14 में हैं, दोनों एक-दूसरे को वक्त देंगे. शो से बाहर होने के बाद दोनों अलग हो जाएंगे. लेकिन शो के दौरान एक-दूसरे के बीच अंडरस्टैंडिंग बढ़ी और दोनों एक-दूसरे के काफी करीब आए. शो में दोनों करवाचौथ और वेलेंटाइन डे भी सेलिब्रेट किया और आखिरकार दोनों अब साथ रह रहे हैं. दोनों ने अलग होने वाले फैसले का विचार छोड़ दिया.

रुबीना ने काटा केक

रुबीना दिलैक ने कुछ घंटे पहले दो और वीडियो शेयर किए हैं. एक वीडियो किसी सेट पर का है, जहां उनकी एनिवर्सरी के मौके पर उन्होंने डिलिसियस केक काटा. इसके अलावा उन्होंने एक और वीडियो शेयर किया. इस वीडियो में वह अपनी बहन ज्योतिका दिलैक के साथ हैं. ज्योतिका ने उनकी एनिवर्सरी के मौके पर एक केक बनाया. जिसे काटने के बाद रुबीना उसे खाते हुए नजर आ रही हैं.

Rahul Vaidya Wedding Date: दिशा परमार से जल्द शादी करेंगे राहुल वैद्य, शादी की तारीख को लेकर हुआ ये खुलासा

Rahul Vaidya-Disha Parmar Wedding Date बिग बॉस 14 फेम और सिंगर राहुल वैद्य और दिशा परमार के फैंस यह जानने के लिए सांस रोककर इंतजार कर रहे हैं कि ये लवली कपल कब एक दूसरे के साथ शादी के बंधेगा. लेकिन अब, ऐसा लग रहा है कि इंतजार जल्द ही खत्म हो सकता है क्योंकि राहु वैद्य ने हाल ही में एक चैट में अपनी शादी की तारीख का ऐलान करने का संकेत दिया है.

राहुल वैद्य इन दिनों खतरों के खिलाड़ी 11 की शूटिंग में बिजी हैं और बहुत जल्द उनकी शूटिंग पूरी होने वाली है. शूटिंग पूरी होने के बाद वह घर लौटेंगे और गर्लफ्रेंड दिशा परमार के साथ दोबारा से क्वैलिटी टाइम बिताएंगे. उन्होंने चैट में दिशा के साथ शादी की प्लानिंग के बारे में बात की है.

कई बार शादी डेट को आगे बढ़ाया

राहुल वैद्य ने ईटाइम्स से हुए चैट में खुलासा किया कि कोरोना वायरल महामारी की वजह से दिशा और उन्होंने कई बार वेडिंग प्लान्स को आगे बढ़ाया. हालांकि, उन्होंने बताया कि वह अपने प्रियजनों को अपनी और दिशा की शादी में आमंत्रित करना चाहता है और लेकिन कोरोना नियमों की वजह से सिर्फ 25 मेहमानों को बुला सकते हैं.

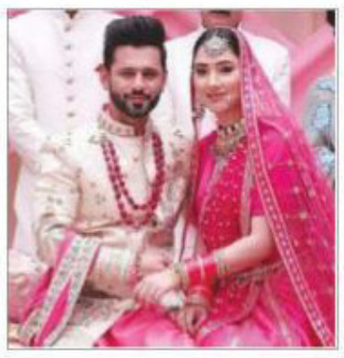

शो से लौटने के बाद शादी का ऐलान

राहुल वैद्य ने कहा, हां, महामारी के कारण हमें अपनी शादी को कई बार आगे बढ़ाना पड़ा है. चल रहे संकट के कारण, हम केवल 25 लोगों को आमंत्रित कर सकते हैं, जबकि मैं कम से कम अपने करीबी रिश्तेदारों और दोस्तों की उपस्थिति चाहता हूं. हालांकि, हम जल्द ही नई तारीख की ऐलान करने की उम्मीद करते हैं.

शादी की चर्चा हुई तेज

हाल ही में, जब दिशा परमार ब्वॉयफ्रेंड राहुल को याद कर रही थी और चाहती थी कि वह घर लौट आए, तो राहुल उनके लिए रियलिटी शो छोड़ने और घर वापिस आने का मजाक किया. दोनों ने एक गीत म्यूजिक वीडियो माधनयन में भी परफॉर्म किया था और इसके बाद से भी उनकी शादी को लेकर काफी चर्चा होने लगी थी.

नोरा फतेही

टिंडे का नाम सुनकर हुई हैरान, क्यूट से रिएक्शन पर हार बैठेंगे दिल

नोरा फतेही(Nora Fatehi) जब से भारत में आई हैं तब से वो यहां के रंग में रंगने की पूरी कोशिश कर रही हैं और काफी हद तक इसमे कामयाब भी हो रही हैं. वो हिंदी बोलती हैं, भारतीय परिधान जैसे साड़ी और सूट सलवार में नजर आती हैं और भारतीय फूड भी उन्हें बेहद पसंद है. लेकिन जब उनसे टिंडे को लेकर सवाल पूछा गया तो नोरा फतेही(Nora Fatehi) के चेहरे में ऐसा क्यूट रिएक्शन आया जिसे देखकर आप भी अपना दिल हार बैठेंगे.

नोरा से पूछा - क्या आप टिंडे खाती हैं ?

ये किस्सा हुआ था द कपिल शर्मा शो पर जहां नोरा फतेही और विक्की कौशल साथ में अपने गाने को प्रमोट करने के लिए पहुंचे थे नोरा कितनी खूबसूरत हैं ये तो सब जानते ही हैं.

लेकिन कपिल ने उनकी निखरी त्वचा का राज उन्हीं से पूछना चाहा और सवाल किया कि वो खाती क्या हैं? इस पर नोरा अपना डाइट प्लान बताती हैं. लेकिन तभी कपिल पूछ लेते हैं कि क्या आपने टिंडे खाए हैं. कपिल के ये सवाल पूछते ही नोरा काफी क्यूट रिएक्शन देती हैं और पूछती हैं कि ये क्या है.

तब अपने ही फनी अंदाज में कपिल शर्मा नोरा को टिंडे का मतलब समझाते हैं. नोरा बताती हैं कि जिस चीज का उच्चारण वो नहीं कर पातीं उसे वो कभी नहीं खाती हैं. लिहाजा उन्हें टिंडे बोलना सिखाया जाता है और फिर नोरा टिंडे खाने की इच्छा जाहिर कर देती हैं.

नोरा ने सुनाया बचपन का किस्सा

द कपिल शर्मा शो मे नोरा ने अपने बचपन से जुड़ा किस्सा भी बताया. उन्होंने बताया कि आज भले ही वो एक शानदार डांसर हों लेकिन जब वो छोटी थीं तो डांस करने पर उन्होंने पिटाई तक खाई है. क्योंकि उनके घर में डांस पर बैन था.

वो छिप छिप पर डांस तो करती थीं लेकिन पकड़े जाने पर उनकी पिटाई भी होती थी.

संजय मांजरेकर ने फिर की रवींद्र जडेजा की आलोचना, बड़े तर्क के साथ दिया ये बयान

नई दिल्ली. भारत के पूर्व क्रिकेटर संजय मांजरेकर ने कहा है कि रवींद्र जडेजा को उनकी बल्लेबाजी के कारण न्यूजीलैंड के खिलाफ विश्व टेस्ट चैंपियनशिप यानी डब्ल्यूटीसी फाइनल की प्लेइंग इलेवन में शामिल किया गया था, लेकिन ये योजना काम नहीं आई। मांजरेकर ने कहा है कि जडेजा की जगह हनुमा विहारी जैसे विशेषज्ञ बल्लेबाज को प्लेइंग इलेवन में शामिल किया जाता तो भारत को बोर्ड में कुछ और रन जोड़ने में मदद मिल सकती थी।

मांजरेकर ने कहा कि ऐतिहासिक मैच में 31 रन (पहली पारी में 15 और दूसरी में 16) रन बनाने वाले जडेजा को खराब अंग्रेजी परिस्थितियों में बाएं हाथ की स्पिन गेंदबाजी के लिए नहीं चुना गया था। मांजरेकर ने क्रिकइंफो से बात करते हुए कहा, "अगर आपको यह देखना है कि खेल शुरू होने से पहले भारत कैसा चल रहा था, तो दो स्पिनरों को चुनना हमेशा एक बहस का विषय था, खासकर जब हालात खराब थे और टॉस में एक दिन की देरी हुई थी।" उन्होंने आगे कहा, "उन्होंने अपनी बल्लेबाजी के लिए एक खिलाड़ी को चुना, जो जडेजा थे, और उनके बाएं हाथ की स्पिन के कारण उन्हें चुना गया था। उन्हें उनकी बल्लेबाजी के लिए चुना गया था और मैं हमेशा इसके खिलाफ रहा हूं। आपको टीम में विशेषज्ञ खिलाड़ियों को चुनना होता है और अगर उन्हें लगता है कि पिच सूखी और टर्निंग थी, तो वे अश्विन के साथ जडेजा को अपने बाएं हाथ की स्पिन के लिए चुनते, यह समझ में आता, लेकिन उन्होंने जडेजा को उनकी बल्लेबाजी के लिए चुना और मुझे लगता है कि वह उल्टा पड़ा, जैसा कि ज्यादातर होता है।" संजय मांजरेकर ने आगे कहा, "उदाहरण के लिए अगर भारत के पास हनुमा विहारी के रूप में एक विशेषज्ञ बल्लेबाज होता, जिसके पास एक अच्छा डिफेंस था, तो यह आसान होता। शायद 170, 220, 225 या 230 हो सकता था, कौन जाने? लेकिन मुझे उम्मीद है कि भारत वह नहीं करेगा जो इंग्लैंड ने ऐतिहासिक रूप से किया है, किसी को चुनें, क्योंकि उनके पास एक और ताकत है और वह ताकत सिर्फ अच्छे इस्तेमाल के लिए आ सकती है,

IPL 2021 के लिए इस योजना पर विचार कर रही है BCCI, यूएई में होंगे बाकी के मैच

नई दिल्ली. इंडियन प्रीमियर लीग यानी आइपीएल के 14वें सीजन के बाकी के बचे मैच संयुक्त अरब अमीरात यानी यूएई में खेले जाएंगे। इस बात का ऐलान पहले ही हो चुका है। इसी वजह से भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड यानी बीसीसीआइ ने यूएई में खेले जाने वाले आइपीएल 2021 के बाकी बचे सत्र के लिए तैयारियां शुरू कर दी है। बीसीसीआइ ने यूएई की सरकार और क्रिकेट बोर्ड से मिलकर कोरोना वायरस महामारी से जुड़े प्रोटोकॉल भी बनाने शुरू कर दिए हैं। सितंबर के तीसरे सप्ताह से अक्टूबर तक खेले जाने वाले आइपीएल 2021 के मैचों के लिए इंग्लैंड से खिलाड़ी सीधे यूएई जाएंगे, जहां बबल टू बबल ट्रांसफर होगा। कोविड 19 टेस्ट कराने के बाद भारतीय खिलाड़ियों को आइपीएल के बबल में प्रवेश मिल जाएगा। वहीं, भारत या अन्य देशों से आइपीएल खेलने के लिए पहुंचने वाले खिलाड़ियों के लिए अलग नियम लागू होंगे, जिसमें क्वारंटाइन की अवधि शामिल है, लेकिन वैक्सीनेशन करा चुके खिलाड़ियों को क्वारंटाइन में छूट मिलेगी। क्रिकबज की रिपोर्ट की मानें तो जो खिलाड़ी पूरी तरह से वैक्सीनेटेड हैं, उन्हें 5 दिन क्वारंटाइन में रहना होगा, जबकि जिन खिलाड़ियों को कोरोना वायरस की वैक्सीन नहीं लगी है, उन्हें 10 दिन सख्त क्वारंटाइन में बिताने होंगे। इंग्लैंड से सिर्फ भारत ही नहीं, बल्कि कई और देशों के खिलाड़ी भी भारतीय टीम के खिलाड़ियों के साथ यूएई के लिए यात्रा कर सकते हैं, क्योंकि इंग्लैंड में क्वारंटाइन कि नियमों में थोड़ी ढील दी गई है। गौरतलब है कि आइपीएल 2021 का आयोजन भारत में किया गया था, लेकिन आइपीएल के बबल में कोरोना वायरस के केस सामने आ गए थे। ऐसे में बीसीसीआइ ने टूर्नामेंट को स्थगित कर दिया था। वहीं, देश में मई के महीने में कोरोना वायरस के केसों की संख्या काफी ज्यादा थी। ऐसे में बीसीसीआइ ने सितंबर-अक्टूबर की विंडो में आइपीएल के बाकी बचे मैचों का आयोजन कराने का फैसला लिया, लेकिन मानसून के कारण इसे यूएई ले जाना पड़ा।

टीम इंडिया के टेस्ट चैंपियनशिप का नया कार्यक्रम आया सामने

इन 6 टीमों के खिलाफ होगा मुकाबला

नई दिल्ली. आइसीसी वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप के पहले एडिशन में शानदार खेल दिखाकर फाइनल तक पहुंचने वाली भारतीय टीम को न्यूजीलैंड के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा। टूर्नामेंट के दूसरे एडिशन में टीम इंडिया को किन टीमों के खिलाफ खेलना है इसका कार्यक्रम सामने आ गया है। भारत को 6 टीमों के खिलाफ कुल 19 टेस्ट मैच खेलना है। घर पर पहली सीरीज में टीम इंडिया न्यूजीलैंड के खिलाफ ही खेलने वाली है। भारत को इंग्लैंड, न्यूजीलैंड, साउथ अफ्रीका, श्रीलंका, ऑस्ट्रेलिया और बांग्लादेश के खिलाफ खेलना है।

भारत और न्यूजीलैंड के बीच बुधवार को वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल का रिजर्व डे खेला गया। दूसरी पारी में बल्लेबाजी करते हुए पूरी भारतीय टीम महज 170 रन पर सिमट गई। न्यूजीलैंड के सामने टेस्ट क्रिकेट के इस विश्व कप फाइनल को जीतने के लिए 139 रन का लक्ष्य था। कप्तान केन विलियमसन और अनुभवी रोस टेलर ने 96 रन की नाबाद साझेदारी कर टीम को 8 विकेट से जीत दिलाई।

भारतीय टीम के WTC का कार्यक्रम

टीम इंडिया को इंग्लैंड के खिलाफ 5 मैचों की टेस्ट सीरीज के साथ नए वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप की शुरुआत करनी है। इसके बाद न्यूजीलैंड के साथ अपने घर पर नवंबर में भारत को 2 टेस्ट मैचों की सीरीज में खेलना है। 2022 जनवरी में 3 टेस्ट मैच खेलने के लिए टीम साउथ अफ्रीका का दौरा करेगी। इसके बाद श्रीलंका के खिलाफ टीम इंडिया घर पर 3 टेस्ट मैचों की सीरीज खेलेगी। इसके ठीक बाद ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टीम को 4 मैचों की टेस्ट सीरीज में खेलना है।

PSL 2021 की चैंपियन बनी ये टीम, पहली बार जीता पाकिस्तान सुपर लीग का खिताब

नई दिल्ली. पाकिस्तान सुपर लीग यानी पीएसएल के 2021 के सत्र का फाइनल मैच गुरुवार को अबू धाबी में खेला गया। इस मैच में मुल्तान सुल्तान्स का सामना पेशावर जाल्मी से हुआ। पीएसएल को नया विजेता भी मिल गया है। मुल्तान सुल्तान्स ने पहली बार खिताब जीतने में सफलता हासिल की है। पेशावर की टीम का ये चौथा पीएसएल फाइनल था, लेकिन तीसरी बार टीम को हार का सामना करना पड़ा। सिर्फ 2017 का श्रह्यद्य पेशावर जाल्मी ने जीता था।

पाकिस्तान सुपर लीग के छठवें सीजन की विजेता टीम मुल्तान सुल्तान्स बनकर उभरी है। मोहम्मद रिजवान की कप्तानी वाली मुल्तान की टीम ने बहावरियाज की कप्तानी वाली पेशावर की टीम को 47 रन से हराया है। इस मैच की बात करें तो पेशावर जाल्मी की टीम ने टॉस जीतकर गेंदबाजी चुनी थी। ऐसे में पहले बल्लेबाजी करते हुए मुल्तान की टीम ने शोएब मकसूद और रिली रोसो के तूफानी अर्धशतकों के दम पर 200 से ज्यादा रन बना लिए। मुल्तान की टीम ने 20 ओवर खेलते हुए 4 विकेट खोकर 206 रन बनाए। टूर्नामेंट का फाइनल होने की वजह से ये स्कोर काफी बड़ा था। इसी के दवाब में पेशावर की टीम बिखर गई और 20 ओवर खेलकर भी 9 विकेट खोकर 159 रन ही बना सकी। इस तरह वहाब रियाज की कप्तानी वाली पेशावर की टीम 47 रन से खिताबी मुकाबला हार गई। पेशावर के लिए कामरान अकमल और शोएब मलिक ने अच्छी पारियां खेलीं, लेकिन ये मैच जीतने के लिए काफी नहीं थीं। उधर, मुल्तान की तरफ से शोएब मकसूद ने 35 गेंदों पर तूफानी 65 रन बनाए, जिसमें 6 चौके और 3 छक्के शामिल थे, जबकि रिली रोसो ने 21 गेंदों पर 50 रन की पारी खेली, जिसमें 5 चौके और 3 छक्के शामिल थे।

29 गेंदों पर 37 रन शान मसूद ने बनाए, जबकि कप्तान मोहम्मद रिजवान ने 30 गेंदों पर 30 रन बनाए और धीमी पारी खेली। वहीं, मुल्तान की तरफ से गेंदबाजी करते हुए इमरान ताहिर ने 3 और इमरान खान और ब्लेसिंग मुजारबानी ने 2-2 विकेट लिए।

ICC ने न्यूजीलैंड को बताया दुनिया की बेस्ट टेस्ट टीम, विराट कोहली को नहीं है स्वीकार

नई दिल्ली. इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल (आइसीसी) ने साउथैंप्टन के हैम्पशायर बाउल में भारत को हराकर उद्घाटन आइसीसी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप जीतने वाली न्यूजीलैंड की टीम को बधाई दी। साल 2000 के बाद से न्यूजीलैंड क्रिकेट टीम के लिए पहली बड़ी आइसीसी ट्रॉफी है। एक अविश्वसनीय मैच में न्यूजीलैंड ने दूसरी पारी में भारत को 170 रन पर आउट कर दिया और फिर 139 रनों का लक्ष्य हासिल करके खिताब अपने नाम कर लिया। बावजूद इसके भारतीय टीम के कप्तान विराट कोहली कीवी टीम को दुनिया की बेस्ट टेस्ट टीम मानने को तैयार नहीं हैं, लेकिन आइसीसी के एक्टिंग सीईओ ने न्यूजीलैंड की टीम को दुनिया की बेस्ट टेस्ट टीम बताया है।

ICC के कार्यवाहक सीईओ ज्योफ एलार्डिस ने कहा, "मैं पहले विश्व टेस्ट चैंपियन, ब्लैक कैप्स (न्यूजीलैंड) को बधाई देना चाहता हूं जिन्होंने दुनिया की सर्वश्रेष्ठ टेस्ट टीम बनने के लिए आवश्यक कौशल और स्वभाव का प्रदर्शन किया। मैं भारतीय टीम को भी बधाई देना चाहता हूं, जिसने फाइनल के लिए क्वालीफाइ करने के लिए लगातार अच्छा प्रदर्शन किया और जीतने के इतने करीब पहुंच गई। दोनों टीमों ने अपनी गुणवत्ता दिखाई और यह टेस्ट क्रिकेट का एक उत्कृष्ट मैच था जो दुनिया भर के क्रिकेट प्रशंसकों की यादों में लंबे समय तक जीवित रहेगा, साथ ही एक महान भावना से खेला जिसने टीमों के बीच आपसी सम्मान को उजागर किया।" उन्होंने आगे कहा, दो साल की विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के दौरान केन और विराट दोनों ने टेस्ट गदा जीतने की अपनी इच्छा का कोई रहस्य नहीं बनाया और यह पिछले छह दिनों में स्पष्ट रूप से स्पष्ट था। खेल की गुणवत्ता दुनिया की दो सर्वश्रेष्ठ टेस्ट टीमों के अनुरूप थी और यह एक रोमांचक मैच था।" वहीं, विश्व टेस्ट चैंपियनशिप का खिताब हारने के बाद आयोजित की गई प्रेस कॉन्फ्रेंस में विराट कोहली ने कहा कि वे एक मैच के आधार पर दुनिया की बेस्ट टेस्ट टीम कौन सी है, इसका फैसला करने के पक्ष में नहीं हैं। कोहली ने कहा वे WTC फाइनल के तौर पर बेस्ट ऑफ थ्री चाहते हैं। ठीक यही बात टीम इंडिया के मुख्य कोच रवि शास्त्री ने WTC फाइनल से पहले कही थी।

इशांत शर्मा को WTC Final के दौरान लगी चोट, करानी पड़ी सर्जरी

नई दिल्ली. Ishant Sharma Injured: न्यूजीलैंड के खिलाफ विश्व टेस्ट चैंपियनशिप यानी डब्ल्यूटीसी फाइनल के दौरान भारतीय तेज गेंदबाज इशांत शर्मा के सीधे हाथ की दो अंगुलियों में चोट लग गई थी, जिसके चलते अब उनकी सर्जरी हुई और उसमें टांके लगाए गए हैं। हालांकि, उम्मीद जताई जा रही है कि वह इंग्लैंड के खिलाफ पांच मैच की टेस्ट सीरीज से पहले फिट हो जाएंगे।

भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड यानी बीसीसीआइ के सीनियर पदाधिकारी ने कहा, "इशांत के सीधे हाथ की मध्य और चौथी अंगुली में कई टांके लगे हैं। हालांकि, इशांत की चोट ज्यादा गंभीर नहीं है। अगले दिन 10 दिन में टांके खुल जाएंगे। इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज में फिलहाल छह हफ्ते का समय शेष है। ऐसे में वे इंग्लैंड के खिलाफ होने वाली पांच मैचों की टेस्ट सीरीज से पहले फिट हो जाएंगे।" इंग्लैंड के खिलाफ 4 अगस्त से होने वाली पांच मैचों की टेस्ट सीरीज से पहले इशांत शर्मा के लिए बहुत बड़ा झटका है, क्योंकि वे अभ्यास भी नहीं कर पाएंगे। बॉलिंग हैंड में इंजरी हुई है। ऐसे में वे अन्य अभ्यास भी करने से बचेंगे। हालांकि, डॉक्टरों ने उम्मीद जताई है कि ये चोट जल्दी ठीक हो जाएगी, लेकिन क्या वे इस चोट के साथ आगामी टेस्ट सीरीज में खेल पाएंगे, ये देखने वाली बात होगी। इशांत शर्मा भारतीय टेस्ट टीम का अभिन्न हिस्सा हैं। 100 से ज्यादा टेस्ट मैच खेलने वाले इशांत शर्मा विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल में सिर्फ दो विकेट निकालने में सफल हुए थे। उन्होंने न्यूजीलैंड की पहली पारी में 3 खिलाड़ियों को अपना शिकार बनाया था।

भारतीय कप्तान ने कहा- यह सिर्फ एक टीम नहीं, परिवार है; इंग्लैंड सीरीज से पहले टीम बदलने की आई थी रिपोर्ट

साउथैम्पटन. भारत को वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप (WTC) के फाइनल में न्यूजीलैंड के हाथों 8 विकेट से हार का सामना करना पड़ा। हार के बाद प्राइज डिस्ट्रीब्यूशन सेरेमनी में भारतीय खिलाड़ियों के चेहरे उतरे हुए थे। पर विराट कोहली ने टीम के लिए एक पॉजिटिव मैसेज दिया है। उन्होंने कहा है कि यह सिर्फ एक टीम नहीं है, बल्कि परिवार है। इससे कई इमोशन जुड़े हैं। हम साथ आगे बढ़ते हैं।

दरअसल, इस पोस्ट से विराट ने उन मीडिया रिपोर्ट्स को भी खारिज कर दिया, जिनमें कहा जा रहा था कि इंग्लैंड सीरीज के लिए स्क्वॉड में बदलाव किए जा सकते हैं। इंग्लैंड के खिलाफ 5 मैचों की टेस्ट सीरीज की शुरुआत 4 अगस्त से हो रही है।

हार के बाद काफी निराश थे टीम के सभी खिलाड़ी

फाइनल हारने के बाद रोहित शर्मा, ऋषभ पंत, शुभमन गिल और रविचंद्रन अश्विन समेत पूरी टीम निराश नजर आई थी। इंग्लैंड के खिलाफ अहम सीरीज से पहले टीम का मनोबल गिरना टीम के लिए सही नहीं है। ऐसे में टीम को इंग्लैंड जैसी मुश्किल टीम के खिलाफ सीरीज के लिए तैयार करने में विराट का रोल अहम है और वे इस रोल को बखूबी निभा रहे हैं।

2023 में होना है अगला वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल

अगला WTC फाइनल 2023 में होना है। इससे पहले टीम इंडिया के लिए हर सीरीज में अच्छी परफॉर्मेंस अहम है। टीम को इंग्लैंड के खिलाफ सीरीज से नए सिरे से शुरुआत करनी होगी। विराट ने अपनी पोस्ट से बताया कि टीम अब फाइनल के गम से उबर रही है और वे हमेशा अपने खिलाड़ियों के साथ खड़े हैं।

सीनियर खिलाड़ियों के प्रदर्शन से नाराज थे विराट

इससे पहले रिपोर्ट आई थी कि विराट टीम के सीनियर खिलाड़ियों के प्रदर्शन से नाराज हैं। उन्होंने मैच के बाद कहा था कि कुछ खिलाड़ियों में रन बनाने का जज्बा नहीं दिखा। हालांकि विराट ने किसी का नाम नहीं लिया, लेकिन माना जा रहा है कि वे चेतेश्वर पुजारा के प्रदर्शन से निराश हैं।

टेस्ट टीम में पॉजिटिव लोगों को लाने की जरूरत

कोहली ने कहा था- टीम में सही लोगों को लाने की जरूरत है, जो पॉजिटिव होकर खेलें। हम एक साल तक इंतजार नहीं कर सकते हैं। हमें इस पर चर्चा करने की जरूरत है। हमें नए सिरे से इस पर प्लान बनाना होगा। आप अगर हमारी वनडे और टी-20 टीमे को देखेंगे तो पता चलेगा कि हमारे पास गहराई और खिलाड़ी आत्मविश्वास से भरे हैं। टेस्ट क्रिकेट में भी ऐसी जरूरत है।

बेस्ट ऑफ 3 से बेस्ट टीम चुनी जाए

WTC फाइनल के बाद कोहली ने कहा था कि न्यूजीलैंड टीम वर्ल्ड टेस्ट चैंपियन बनने के योग्य है, लेकिन वह चाहते हैं कि भविष्य में वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप में विजेता का फैसला बेस्ट ऑफ थ्री से होना चाहिए। केवल दो दिन के दबाव के आधार पर बेस्ट टीम कौन है, इसका फैसला नहीं हो सकता। भारतीय खिलाड़ियों को फिलहाल 20 दिन का ब्रेक दिया गया है।

जब भारत पहली बार बना विश्व विजेता और लंदन के लॉर्ड्स में फहरा देश का तिरंगा

भारतीय क्रिकेट टीम आज ही के दिन साल 1983 में क्रिकेट की चैंपियन बनी थी जब कपिल देव की कप्तानी वाली भारतीय टीम ने वेस्टइंडीज को हराकर विश्व कप का खिताब अपने नाम किया था और लॉर्ड्स में देश का तिरंगा झंडा लहराया था।

नई दिल्ली. जून 1983 में भारतीय क्रिकेट टीम अपना तीसरा वर्ल्ड कप खेलने इंग्लैंड गई थी। हालांकि, इस बार भारतीय टीम का कप्तान बदल चुका था। टीम में कुछ चेहरे भी बदल चुके थे। बावजूद इसके किसी को उम्मीद नहीं थी कि भारतीय टीम फाइनल तक का सफर तय करेगी और विश्व विजेता बनकर उभरेगी। यहां तक कि कप्तान कपिल देव को भी इस बात की उम्मीद बहुत कम थी कि टीम खिताब जीत जाएगी, लेकिन कड़ी मेहनत और दमदार खेल के दम पर भारत विश्व विजेता बनने में सफल हो गया।

25 जून 1983 को लंदन के लॉर्ड्स स्टेडियम में विश्व कप का फाइनल मुकाबला भारत और वेस्टइंडीज के बीच खेला गया। वो वेस्टइंडीज की टीम को जो साल 1975 और 1979 का विश्व कप जीत चु की थी। कैरेबियाई टीम के पास ऐसे खतरनाक गेंदबाज और बल्लेबाजों की फौज थी, जो रेस्ट ऑफ द वर्ल्ड टीम के भी छक्के छुड़ा दे, लेकिन कपिल देव की करिश्माई कप्तानी के आगे वेस्टइंडीज के धुरंधर धराशायी हो गई और भारतीय टीम ने पहली बार क्रिकेट का विश्व चैंपियन बनने का तमगा हासिल कर लिया। दरअसल, विश्व कप 1983 के फाइनल में भारतीय टीम टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी और 54.4 ओवर (तब वनडे मैच 60-60 ओवर के होते थे) में 183 रन बनाकर ढेर हो गई। इसमें कोई हैरानी वाली बात नहीं थी कि भारतीय टीम इतना कम स्कोर बना सकी थी, क्योंकि कैरेबियाई टीम के पास एंडी रोबर्ट्स, जोएल गार्नर, मैलकम मार्शल और माइकल होल्डिंग जैसे धाकड़ गेंदबाज थे। उनके आगे भारतीय क्या, दुनिया के किसी भी टीम के बल्लेबाज की एक नहीं चलती थी। भारत के लिए सबसे ज्यादा रन क्रिस श्रीकांत ने बनाए। उन्होंने 57 गेंदों में 38 रन की पारी खेली। 27 रन संदीप पाटिल, 26 रन मोहिंदर अमरनाथ, 17 रन मदन लाल और 15 रन कप्तान कपिल देव ने बनाए। भारत के पास खोने के लिए कुछ नहीं था, लेकिन पाने के लिए बहुत कुछ था। यही हुआ भी, क्योंकि 184 रन के लक्ष्य की पीछा करने उतरी वेस्टइंडीज की टीम को एक के बाद एक झटके लगते चले गए और भारत, जिससे किसी को उम्मीद नहीं थे, उसने इतिहास रच दिया। कैरेबियाई टीम 52 ओवर खेलकर 140 रन ही बना सकी और मुकाबला 43 रन के अंतर से हार गई। हालांकि, डेसमंड हेनस और सर विव रिचर्ड्स के बीच और जेफ डुजोन और मैलकम मार्शल के बीच हुई छोटी-छोटी साझेदारियों ने वेस्टइंडीज के लिए खिताबी हैट्रिक की उम्मीद तो जताई, लेकिन कप्तान कपिल देव की चाल में फंसते चले गए और भारत ने खिताबी जीत हासिल कर लंदन के लॉर्ड्स में तिरंगा फहरा दिया।